शुभ लाभ

ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 01 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-331

कश्मीर सरकार की हठधर्मिता पर हाईकोर्ट का करारा जवाब

कश्मीरी पंडित महिलाओं से नहीं छीन सकते विस्थापित का दर्जा

जम्मू, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने घाटी में 1989 से शुरू हुए आतंकवादी हमलों से बचने के लिए पलायन करने वाली हिंदू महिलाओं के मामले में महत्वपूर्ण फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि सुरक्षा कारणों से घाटी से पलायन करने वाली कोई कश्मीरी पंडित महिला अगर किसी गैर-विस्थापित से शादी करती है, तब भी उसका विस्थापित (माइग्रेंट) दर्जा खत्म नहीं होगा।

बता दें कि 1990 के दशक में जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं के खिलाफ हुए नरसंहार एवं हमलों के कारण हजारों की संख्या में कश्मीरी हिंदू घाटी छोड़कर भाग गए थे। इसके बाद समय-समय पर सरकार ने उनके लिए कई तरह के कार्यक्रम शुरू किए। साल 2009 में जम्मू-कश्मीर ने घाटी छोड़ने वाले ङ्गप्रवासियोंफ के लिए विशेष नौकरियों की घोषणा की थी, ताकि वे कश्मीर में वापस लौट सकें।

इस मामले में दो कश्मीरी पंडित महिलाओं ने इस योजना के तहत नौकरी के लिए आवेदन किया था। यह आवेदन राज्य के आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग में कानूनी सहायकों के पद के लिए था। इन दोनों महिलाओं को चुन लिया गया, लेकिन अंतिम चयन सूची

हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया प्रदेश सरकार का फैसला

बाहरी से शादी करने पर भी बना रहेगा माइग्रेंट दर्जा

से उनका नाम हटा दिया गया। इसके लिए तर्क दिया गया कि दोनों महिलाओं ने गैर-प्रवासियों से शादी की थी।

राज्य सरकार ने तर्क दिया कि महिलाओं ने इस तथ्य का खुलासा नहीं किया था कि शादी के कारण उनकी विस्थापित वाली स्थिति बदल गई है।

हालांकि, महिलाओं ने कहा कि विस्थापित के रूप में उनकी स्थिति बरकरार रहनी चाहिए। दोनों महिलाओं ने सरकार के निर्णय को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में चुनौती दी। न्यायाधिकरण ने राज्य सरकार को दोनों महिलाओं को नियुक्त करने के लिए कहा।

इसके बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की। न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि शादी करने से महिलाओं के विस्थापित दर्जे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विवाह की स्थिति का खुलासा नहीं करने का तर्क कोई महत्व नहीं रखता है, क्योंकि नौकरी के विज्ञापन नोटिस में इस आधार पर उम्मीदवारी रद्द करने का प्रावधान नहीं था।

गैर-विस्थापित से शादी के बाद विस्थापित का दर्जा खत्म होने या बरकरार रहने को लेकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी की खंडपीठ ने सुनवाई की। खंडपीठ ने 11 नवंबर को दिए अपने फैसले में कहा, यहां प्रतिवादी महिलाएं हैं और उन्हें बिना किसी गलती के कश्मीर घाटी में अपना मूल निवास स्थान छोड़ना पड़ा था। हाईकोर्ट ने कहा, उनसे (कश्मीरी महिलाओं से) यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे केवल विस्थापित के रूप में कश्मीर घाटी में नौकरी पाने के लिए अविवाहित रहेंगी। विस्थापन के कारण हर कश्मीरी महिला को कश्मीरी जीवनसाथी नहीं मिल पाया होगा। ऐसी स्थिति में यह मान लेना कि महिला विस्थापित के रूप में अपना दर्जा खो देगी, यह घोर भेदभावपूर्ण और न्याय की अवधारणा के विरुद्ध होगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि यह भेदभाव और बढ़ जाता है, क्योंकि एक पुरुष अगर गैर-विस्थापित से विवाह करता है तो वह विस्थापित बना रहता है। खंडपीठ ने कहा, ऐसी स्थिति केवल मानव जाति में व्याप्त पितृसत्ता के कारण उत्पन्न हुई है।

राज्य / केंद्र शासित प्रदेश के तहत रोजगार से संबंधित मामलों में ऐसा भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने दोनों महिलाओं को चार हफ्ते में नियुक्त करने के लिए कहा है।

रोहिंग्याओं की घुसपैठ करने वाला सरगना गिरफ्तार

देवबंद से जुड़ा है रोहिंग्या घुसपैठियों का नेटवर्क

ज्ञानवापी समेत वक्फ के दावा स्थलों की कर रहा था रेकी

वक्फ बोर्ड के लिए भी काम कर रहा है मोहम्मद अब्दुल्ला

वाराणसी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश आतंकवादी निरोधक दस्ते (एटीएस) ने शुक्रवार 29 नवंबर को वाराणसी से म्यांमार के रोहिंग्या घुसपैठियों के सरगना मोहम्मद अब्दुल्ला को गिरफ्तार कर लिया। यह व्यक्ति न केवल भारत में घुसपैठ करवाने में शामिल था, बल्कि वाराणसी में ज्ञानवापी सहित चार मस्जिदों की रेकी कर चुका था। अब्दुल्ला ने भारतीय पहचान के लिए फर्जी दस्तावेज बनवा रखे थे, जिनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर कार्ड शामिल हैं।

अब्दुल्ला पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले के दुर्गबनकटी इलाके में रह रहा था। गुरुवार 28 नवंबर को वह ट्रेन से वाराणसी पहुंचा और शहर के विभिन्न स्थानों पर घूमता रहा। उसने वक्फ बोर्ड के मामलों पर जानकारी जुटाने के लिए उदय प्रताप कॉलेज का दौरा किया और दालमंडी समेत तीन मस्जिदों का निरीक्षण किया। शुक्रवार को वह ज्ञानवापी पहुंचा और वहां के लोगों से संपर्क साधता रहा।

एटीएस को उसकी संदिग्ध गतिविधियों का पता चला। एटीएस की टीम ने उसे वाराणसी कैंट स्टेशन से उस ऐन मौके पर गिरफ्तार किया, जब वह पश्चिम बंगाल लौटने के लिए ट्रेन पकड़ने वाला था। म्यांमार का

रोहिंग्या मुसलमान मोहम्मद अब्दुल्ला बांग्लादेश और म्यांमार के घुसपैठियों को भारतीय सीमा पार कराने में मदद करता था। मोहम्मद अब्दुल्ला ने अब्दुल सलाम मंडल नाम से भारतीय पहचान पत्र भी बनवा रखा था। उसके पास मिले पहचान पत्रों में आधार, पैन और वोटर कार्ड भी शामिल हैं।

पूछताछ में अब्दुल्ला ने यह स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश के रास्ते भारत में घुसपैठ करवाने में मदद करता है। वह म्यांमार के अकयाब जिले के मांगडू का निवासी है। फिलहाल उसने अपना घर पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जनपद स्थित दुर्गबनकटी में बनवा लिया है। अब्दुल्ला तमाम फर्जी कागजातों के सहारे साल 2018 से मेदिनीपुर में रह रहा था। वहां उसे असद भी कहा जाने लगा। इसी दौरान उसने वहां निकाह भी कर लिया था।

▶10पर

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का नेता कोलकाता में गिरफ्तार

कोलकाता, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में भारत की कट्टर विरोधी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेता कोलकाता में पकड़ा गया। कोलकाता में वह संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त था। खुफिया एजेंसियां उसके इरादे और उसकी गतिविधियों की छानबीन कर रही हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बांग्लादेश में सक्रिय राजनीतिक पार्टी है। भारत विरोधी स्टैंड रखने वाली खालिदा जिया इसी पार्टी की नेता हैं। बांग्लादेश में जारी वर्तमान उथल-पुथल में बीएनपी का बड़ा हाथ है।

कोलकाता में पकड़े गए बीएनपी नेता सेलिम मटुब्बर के पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाया गया। उसे एक होटल से गिरफ्तार किया गया। होटल में रहने के लिए उसने फर्जी कागजात दिखाए थे। सेलिम मटुब्बर के खिलाफ पुलिस ने फॉरेनर्स एक्ट और धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने सेलिम मटुब्बर के पास से रवि शर्मा के नाम का फर्जी आधार कार्ड ▶10पर

टीएमसी नेता का पति सैन्य दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार

दार्जिलिंग, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना और पश्चिम बंगाल पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले से एक व्यक्ति को सेना के संवेदनशील

17 करोड़ का रेडियो एक्टिव पदार्थ भी बरामद

और गोपनीय दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया है। इस व्यक्ति के पास सेना अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीआरडीओ) से जुड़े गोपनीय दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस को उसके पास से भारी मात्रा में रेडियोधर्मी पदार्थ भी मिले हैं।

पकड़ा गया व्यक्ति नक्सलबाड़ी पंचायत समिति की टीएमसी नेता अमृता एक्का का पति फ्रैंकिस एक्का है। उसे 26 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। ▶10पर

महाराष्ट्र में पांच दिसंबर को बनेगी नई सरकार

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को लेकर संशय बरकरार

मुंबई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के चेहरे को लगातार संशय बना हुआ है। एमवीए और महायुति में वार-पलटवार भी जारी है। मगर यह साफ नहीं हो पा रहा आखिरकार यह गद्दी मिलेगी किसे। मगर, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार को संकेत दिया है कि देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लग सकती है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र में पांच दिसंबर को महायुति गठबंधन की नई सरकार बनेगी और देवेंद्र फडणवीस अगले मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिव-सेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के गठबंधन महायुति ने 288 में से 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। भाजपा 132 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी जबकि शिवसेना ने 57 और एनसीपी ने 41 सीट जीतीं। हालांकि, 23 नवंबर को चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद भी इस बात पर कोई फैसला नहीं हुआ है कि मुख्यमंत्री कौन होगा। शिंदे, फडणवीस और पवार ने महाराष्ट्र में अगली सरकार बनाने को लेकर समझौते पर बातचीत करने के लिए गुरुवार देर रात भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सतारा जिले में अपने पैतृक गांव के लिए रवाना होने के बाद शुक्रवार को होने वाली महायुति की महत्वपूर्ण बैठक स्थगित कर दी गई, जो अब यह संभवतः रविवार को होगी। भाजपा नेता ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि नई सरकार का शपथ ग्रहण पांच दिसंबर को होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता फडणवीस मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है कि भाजपा विधायक दल अपना नया नेता चुनने के लिए बैठक कब करेगा। शिंदे ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अगले मुख्यमंत्री के संबंध में भाजपा नेतृत्व के निर्णय का पूरा समर्थन करेंगे और इस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेंगे। वहीं अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने मुख्यमंत्री पद के लिए फडणवीस का समर्थन किया है।

पांच मंत्रालय में से चार अपने पास रखना चाहती है भाजपा

मुंबई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सरकार गठन से पहले महायुति में विभागों के बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है। गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बृहस्पतिवार देररात तीन घंटे चली बैठक में भी विभाग बंटवारे के फार्मूले पर सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद महायुति के नेताओं को मुंबई में विभागों के बंटवारे पर सहमति बना कर दिल्ली आने के लिए कहा गया है। हालांकि बैठक में शाह ने देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने का संकेत जरूर दिया है। अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महायुति के नेताओं कार्यवाहक सीएम शिंदे, अजीत पवार ▶10पर

दिल्ली में सिलसिलेवार बम विस्फोट का मामला

धमाकों के जरिए दिया जा रहा है बड़ा संदेश

बम में ब्लीचिंग पाउडर और दूसरे रसायनों का इस्तेमाल

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के प्रशांत विहार में बंसीवाला स्वीट्स और सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके की जांच में पता चला हुआ कि विस्फोट के लिए बेंजोइल पेरोक्साइड यानी ब्लीचिंग पाउडर और अन्य रसायनों का इस्तेमाल किया गया था। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि 40 दिनों में दो धमाके करके कोई संदेश देने की कोशिश की गई है। महज शरारत करने के लिए इतनी मेहनत से बम नहीं तैयार किया जा सकता। इन धमाकों के पीछे किसी आतंकी संगठन का हाथ हो सकता है। वे धमाका कर एजेंसियों को संदेश देना चाहते हैं कि हम बहुत कुछ कर सकते हैं। विस्फोटक को इस तरह से बनाया गया है जिससे लोगों में डर पैदा हो। विस्फोटक में जिस केमिकल या पाउडर आदि का उपयोग किया गया है, वह बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। पहले सीआरपीएफ स्कूल की दीवार पर धमाका किया। फिर कुछ मीटर की दूरी पर क्राइम ब्रांच के कार्यालय के सामने धमाका हुआ।

विस्फोट कराने के लिए ब्लीचिंग पाउडर के साथ कुछ और रसायन भी मिलाए गए थे। इसका मतलब स्पष्ट है कि बम प्लांट करने वाले को बम बनाने के तरीके पता हैं। लैब के अफसरों के अनुसार बेंजोइल पेरोक्साइड बम धमाकों के लिए इस्तेमाल नहीं होता। मौके से पुलिस को बम धमाके के लिए इस्तेमाल करने वाली कोई डिवाइस आदि नहीं मिली है। सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाके की जांच प्रशांत विहार थाना पुलिस कर रही है। ▶10पर

बहराइच पर अखिलेश यादव की चुप्पी, संभल पर रुदाली!

मारे गए दंगाइयों के परिजनों को देंगे पांच-पांच लाख

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बहराइच में मुस्लिम उपद्रवियों के हाथों मारे गए हिंदू युवक और फैलाई गई हिंसा पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने

संभल की आग में घी डालने की ओछी सियासत जारी

शातिराना चुप्पी साधे रखी। उस घटना में मारे गए युवक के परिजन को आर्थिक मदद देने की आवश्यकता अखिलेश यादव को महसूस नहीं हुई। लेकिन संभल में मारे गए पांच दंगाइयों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद देने के लिए अखि-लेश यादव फौरन उमक पड़े। अखिलेश यादव ने पांच दंगाइयों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 22^0

दरगाह के बाद गरमाया 'ढाई दिन का झोपड़ा'

नमाज पर पाबंदी लगाने की मांग

अजमेर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह का मुद्दा अभी ठंडा नहीं हुआ था कि एक और मुद्दे ने तूल पकड़ना शुरू कर दिया है। इस बार मामला ढाई दिन के झोपड़े को लेकर उठा है। यहां नमाज पर पाबंदी लगाने की मांग की जा रही है।

देश की सबसे प्राचीन मस्जिदों में से एक अढ़ाई दिन का झोपड़ा के पीछे ढेर सारे विवाद हैं। इस बार विवाद नमाज को लेकर है। दरअसल, पिछले दिनों से हिंदू और जैन

संत यहां आकर जबरन नमाज पढ़ने का विरोध जता चुके हैं। क्योंकि यहां के गर्भगृह और बाहर की दिवारों के खंभों पर साफ-साफ हिंदू-जैन मंदिर शैली में देखे जा सकते हैं।

साल की शुरुआत में जब एक जैन साधु अढ़ाई दिन के झोपड़े को देखने जा रहे थे। तब उनको मुस्लिम के लोगों ने रोक दिया। इसके बाद विवाद बढ़ा, क्योंकि अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक पर्यटन स्थल है, जिसकी देखरेख की जिम्मेदारी भारतीय पुरातत्व विभाग की है। इस घटना के बाद अजमेर सहित देश भर के जैन समुदाय ने प्रशासन के सामने अपत्ति दर्ज कराई थी। अढ़ाई दिन का झोपड़ा 1192 ईस्वीं में अफगान सेनापति मोहम्मद गोरी के आदेश पर कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाया था। असल में इस जगह पर एक बहुत बड़ा संस्कृत विद्यालय (स्कूल) और मंदिर था, जिन्हें तोड़कर मस्जिद में बदल दिया गया था। अढ़ाई दिन के झोपड़े के मुख्य द्वार के बाईं ओर संगमरमर का बना एक शिलालेख भी है, जिसपर संस्कृत में उस विद्यालय का जिक्र किया गया है। ▶10पर

दरगाह मामले के वादी का सिर कलम करने की धमकी

अजमेर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह संकट मोचन महादेव मंदिर मामले में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को जान से मारने की धमकी मिली है। विष्णु गुप्ता को यह धमकी कनाडा, दुबई और भारत से मिली है। धमकी देने वाले ने फोन पर कहा, तेरा सिर कलम कर दिया जाएगा, गर्दन काट दी जाएगी। तूने अजमेर दरगाह का केस फाइल करके बहुत बड़ी गलती कर दी। विष्णु गुप्ता को अलग-अलग नंबरों से धमकी दी गई। इनमें से एक कॉल कनाडा, दूसरी दुबई और तीसरी कॉल भारत से आई। कॉलर ने खुद को कनाडा और दुबई से होने का दावा किया। धमकी भरे फोन कॉल के बाद गुप्ता ने तुरंत ▶10पर

मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने संबंधी टिप्पणी

पुलिस ने संत को 2 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी की मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग को लेकर कर्नाटक में राजनीतिक माहौल गरमा गया है, वहीं कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को वोक्कालिगा संत को समन जारी कर 2 दिसंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। गुरु को समन ऐसे समय में भेजा गया है जब भाजपा ने चेतावनी दी है कि अगर शक्तिशाली वोक्कालिगा संत को मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग करने वाले उनके बयान के लिए परेशान किया गया तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। गुरु के खिलाफ पहले एफआईआर दर्ज करने वाली उपरपेट पुलिस ने उन्हें 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे पेश होने को कहा है। इस कदम से भाजपा और राज्य की कांग्रेस सरकार के बीच विवाद और टकराव की संभावना है। कर्नाटक

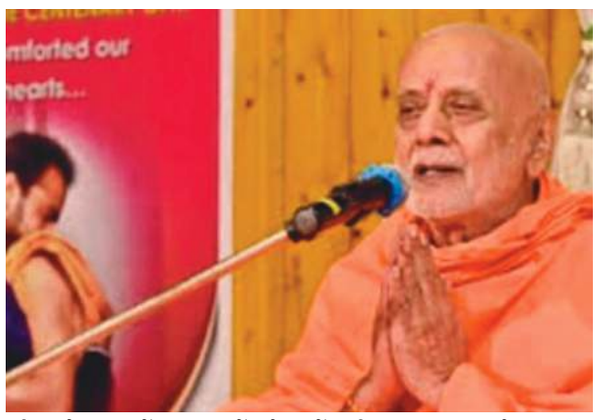

पुलिस ने भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग करने वाली उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए शुक्रवार को स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, इस संबंध में सैयद अब्बास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत पर। स्वामी विश्व वोक्कालिगरा महासंघ मठ के प्रमुख हैं और यह बयान मंगलवार को बेंगलूरु में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में दिया गया, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक किसान संगठन है, जिसका उद्देश्य किसानों को वक्फ बोर्ड द्वारा दिए गए नोटिस की निंदा करना है। स्वामी ने कहा राजनेता वोट बैंक की राजनीति और मुसलमानों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं।

इसलिए, मुसलमानों को उनके मतदान के अधिकार का प्रयोग करने से वंचित किया जाना चाहिए। ऐसा किया जाना चाहिए और वोट बैंक की राजनीति का अंत देश की प्रगति में मदद करेगा। स्वामी ने कहा कि पाकिस्तान में, मुस्लिम बहुसंख्यकों को छोड़कर, अन्य धर्मों के लोगों के पास वोट देने का अधिकार नहीं है और उन्होंने कहा कि अगर भारत में इसे अपनाया जाता है, तो मुसलमान खुद को अलग रखेंगे और देश में शांति होगी। हर कोई शांति से रह सकता है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने ने एक गंभीर राजनीतिक मोड़ ले लिया है, जब शुक्रवार को कर्नाटक भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और पुलिस द्वारा उनके खिलाफ मामला दर्ज किए जाने पर गंभीर परिणाम की चेतावनी दी।

पुलिस ने संत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 के तहत एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में कहा गया है कि संत का बयान भड़काऊ है और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की धमकी देता है। शक्तिशाली वोक्कालिगा संत से मिलने गए भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विपक्ष के नेता आर. अशोक और पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा विधायक सी.एन. अश्वथ नारायण ने किया। अशोक ने कर्नाटक सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी की वोक्कालिगा लोगों के प्रति नफरत शर्मनाक है।

अगर सरकार स्वामीजी को निशाना बनाने की हिम्मत करती है, तो पूरा वोक्कालिगा समुदाय इसके खिलाफ उठ खड़ा होगा। अगर कांग्रेस सरकार विश्व वोक्कालिगा महासंघ मठ के प्रमुख वोक्कालिगा संत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रयास करती है, तो पूरा वोक्कालिगा समुदाय विरोध में उठ खड़ा होगा।

कन्या आश्रम में सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद के मानव सेवा के अंतर्गत तेयुप राजाजीनगर द्वारा श्रीरामपुरम स्थित कन्या आश्रम में चौरड़िया परिवार के सहयोग से आश्रम में प्रवासित बच्चियों के सहयोग हेतु राशन सामग्री प्रदान किया गया। आश्रम में प्रवासित बच्चियों द्वारा सुमधुर गीत की प्रस्तुति दी गई। आश्रम में लगभग 90 बच्चियां प्रवासित है। आश्रम संचालिका दीपा ने आश्रम की जानकारी प्रदान करते हुए तेयुप एवं चौरड़िया परिवार का आभार व्यक्त किया। तेयुप मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने चौरड़िया परिवार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप से राजेश देरासरिया, सुनिल मेहता एवं परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा कर्नाटका राज्योत्सव के उपलक्ष में हंपी नगर चौराहे पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने जन समूह को संबोधित किया।

कर्नाटक नशे की समस्या के खिलाफ अपनी लड़ाई में कोई समझौता नहीं करेगा: जी परमेश्वर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार नशे की समस्या के खिलाफ अपनी लड़ाई में कोई समझौता नहीं करेगी और नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेंगलूरु, बल्लारी में पुलिस क्वार्टरों और बंटवाल यातायात, सुब्रह्मण्य और बल्लारी पुलिस स्टेशनों के लिए नई इमारतों के उद्घाटन के अवसर पर शनिवार को बोलते हुए उन्होंने पुलिस अधिकारियों से नशे के सौदागरों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया और उन्हें अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा यदि नशे की समस्या उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र में नहीं आती है, तो निरीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक और आयुक्त को जवाबदेह ठहराया जाएगा। परमेश्वर ने कर्नाटक के नशे के खिलाफ युद्ध को दोहराया और इस बात पर प्रकाश डाला कि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पिछले एक साल में बेंगलूरु में 250 करोड़ रुपये की नशीली

दवाएं जब्त की गई हैं और उन्हें नष्ट किया गया है। तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि तस्करी में शामिल कुछ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और दूतावासों के माध्यम से उन्हें उनके संबंधित देशों में निर्वासित किया गया है। कई तस्करों पर गुंडा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और कुछ को बेंगलूरु में गोली भी मारी गई है। जब तस्करों पर गोलीबारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा अगर जरूरी हुआ तो पुलिस इस पर विचार करेगी। नक्सली खतरे को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा माओवादी नेता विक्रम गौड़ा के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद हमने उसके साथियों से आत्मसमर्पण करने को कहा है। सरकार ने पहले ही उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करने के लिए आकर्षक पैकेज के साथ आत्मसमर्पण नीति की घोषणा की है। तलाशी अभियान में लगे अधिकारी भी आत्मसमर्पण नीति को बढ़ावा दे रहे हैं। बेहतर होगा कि वे आत्मसमर्पण कर दें। विश्व वोक्कालिगा मठ के संत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में मंत्री ने जोर देकर कहा कि कानून सबके लिए समान है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। पुलिस कानूनी ढांचे के भीतर काम कर रही है। हासन में स्वाभिमानी समावेश को लेकर आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कांग्रेस सदस्यों के विरोध के दावों को खारिज कर दिया। भाजपा अनावश्यक आरोप लगा रही है। जहां तक सम्मेलन के खिलाफ मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय को भेजे गए सर्वसम्मति से पत्र की बात है, तो यह भाजपा द्वारा लिखा गया पत्र क्यों नहीं हो सकता? सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस द्वारा अन्य के साथ मिलकर किया जा रहा है। ₹

तुमकुरु में भीतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनेगा : जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तुमकुरु जिले की लंबे समय से चली आ रही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मांग आखिरकार हकीकत बनने जा रही है। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 2 दिसंबर को इस परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह स्टेडियम कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को पीजीओलाहल्ली और सोरेकुंटे में आवंटित 41 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा। इस अत्याधुनिक सुविधा की अनुमानित लागत 150 करोड़ है और इसके दो साल के अंदर पूरा होने की उम्मीद है। डॉ. परमेश्वर ने परियोजना के महत्व पर जोर देते हुए कहा, यह स्टेडियम जिले की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा को पूरा करता है। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने और उभरते क्रिकेटरों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। यह

घोषणा तुमकुरु में एक बड़े विकास पहल के हिस्से के रूप में की गई है, जहाँ बुनियादी ढाँचे, कृषि और कल्याण कार्यक्रमों सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए 938 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए जाएँगे। 2 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम में 66 नए कार्यों का उद्घाटन और जिले भर के 1.5 लाख से अधिक पात्र निवासियों को लाभ का वितरण भी होगा। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, भारी उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल और राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के समारोह में शामिल होने की उम्मीद है, जो इसे तुमकुरु के लिए एक महत्व-पूर्ण अवसर बनाता है।

खंड्रे ने शहरी क्षेत्रों में बांस की बड़े पैमाने पर खेती की वकालत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने कार्बन उत्सर्जन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए शहरी क्षेत्रों में बांस की बड़े पैमाने पर खेती की वकालत की है। शुक्रवार शाम को शहर में भारत की पहली बांस गैलरी के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने बांस की बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और ऑक्सीजन छोड़ने की अंतर्निहित क्षमता की ओर इशारा किया। बांस को जंगल का अनूठा खजाना बताते हुए खंड्रे ने इसके विविध अनुप्रयोगों और पारिस्थितिक लाभों को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि बांस, हालांकि एक प्रकार की घास है, लेकिन यह वन पारिस्थितिकी तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है और हाथियों के लिए एक प्रमुख

भोजन स्रोत है। मंत्री ने कहा वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बांस उगाना एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे जंगली जानवरों की आवाजाही को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष कम होता है। उन्होंने बांस और मनुष्यों के बीच अविभाज्य बंधन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अनाज चुनने और उपहार देने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विनो, चावल जैसी दैनिक जरूरतों को रखने के लिए टोकरियाँ, बच्चों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पालना और घर की सीढ़ियाँ सभी बांस से बनी थीं। अब, उनमें आधुनिकता का स्पर्श आ गया है। खंड्रे ने गैलरी का दौरा किया और बांस से बने फर्नीचर, टेबल और यहाँ तक कि साइकिलों की भी प्रशंसा की। उन्होंने बांस की साइकिल पर मौज-मस्ती भी की। सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी और बैम्बू सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पुनातीश्रीधर भी मौजूद थे।

जितो महिला विंग एपेक्स के 2024-2026 का शपथ ग्रहण आयोजित

पहली बोर्ड बैठक भोपाल में आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जितो महिला विंग एपेक्स की नई कार्यकाल 2024-2026 के लिए शपथ ग्रहण समारोह और उद्घाटन बोर्ड बैठक भोपाल के ऐतिहासिक सदर मंजिल पैलेस में आयोजित की गई। इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता जितो महिला विंग की चेयरपर्सन शीतल दुगड़ ने की और यह कार्यक्रम रणनीति, प्रेरणा, और उत्सव का आदर्श मिश्रण साबित हुआ। 26 नवंबर को, एक विचार-मंथन सत्र और संगीतमय मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिससे नव-नियुक्त टीम के सदस्यों के बीच सहयोग और सौहार्द बढ़ा। इस सत्र में सदस्यों ने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और अपने कार्यकाल के लक्ष्यों को साझा किया। 27 नवंबर, 2024 को सुबह 11 बजे वर्चुअल माध्यम से शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें जितो एपेक्स के प्रमुख सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से इसे गौरवान्वित किया। इस समारोह में पृथ्वीराज कोठारी

(चेयरमैन), हिमांशु शाह (वाइस चेयरमैन), विजय भंडारी (अध्यक्ष), कमलेश सोजतिया और नरेंद्र श्रीश्रीमाल (वाइस प्रेसिडेंट), ललितकुमार डांडी (सेक्रेटरी जनरल) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। शपथ विधि का संचालन जितो एपेक्स के प्रेसिडेंट विजय भंडारी ने किया। इस अवसर पर जितो एपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने महिलाओं के योगदान की अहमियत पर जोर देते हुए समाज के छोटे वर्गों तक लाभ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। जितो एपेक्स प्रेसिडेंट विजय भंडारी ने 18,000 से अधिक सदस्यों में से चुने गए 34 जितो महिला विंग एपेक्स सदस्यों की उत्कृष्टता की सराहना की। सोनाली दुगड़ और शीतल दुगड़ ने संगठन की सफलता के लिए सदस्यों से एकता और सहयोग की अपील की। नई टीम ने महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज के कल्याण के लिए तत्परता से काम करने की शपथ ली। यह समारोह जितो के मूल्यों और समावेशिता, सशक्तिकरण, और समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस बार टीम में विभिन्न जोन और क्षेत्रों के अध्यक्ष और संयोजक शामिल थे, जिनमें एमपीसीजी जोन से सोनाली दुगड़, ईस्ट जोन से शीतल दुगड़ और नॉर्थ जोन से सोनाली जैन प्रमुख हैं। विभिन्न जोन के संयोजक, सचिव, और कोषाध्यक्ष संगठन के विभिन्न पहलुओं को संभालेंगे, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक सेवाएँ शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, बोर्ड मीटिंग का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता शीतल दुगड़ ने की। बैठक की शुरुआत नवकार महामंत्र के जाप से हुई, जिसके बाद शीतल दुगड़ ने आगामी दो वर्षों के लिए कार्य योजनाओं और रणनीतिक रोडमैप को साझा किया। कोषाध्यक्ष कविता शाह ने वित्तीय योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया और सभी प्रोजेक्ट संयोजकों ने अपने दो साल की कार्य योजनाओं को प्रस्तुत किया। सभी बैठक सत्रों के बाद, मुख्य सचिव ऋतु चोरडिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। शाम का सत्र एक संगीतमय कार्यक्रम के साथ समाप्त हुआ, जिसने उपस्थित सभी लोगों को आत्मिक शांति और आनंद प्रदान किया। इस ऐतिहासिक आयोजन को आरडीबी ग्रुप द्वारा प्रायोजित किया गया और इसने जितो महिला विंग एपेक्स के आगामी कार्यकाल के लिए नए उत्साह और समर्पण का मार्ग प्रशस्त किया। यह आयोजन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज सेवा और सामूहिक सहयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुआ।

बल्लारी में मातृ मृत्यु की दरों में वृद्धि पर राज्य सरकार

घटिया रिंगर लैक्टेट घोल हो सकता है कारण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के बल्लारी में इन दिनों मातृ मृत्यु की दरों में लगातार बढ़ोतरी चिंता का विषय बना हुआ है। इसी सिलसिले में कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को कहा कि बल्लारी में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु का कारण घटिया रिंगर लैक्टेट घोल हो सकता है, जिसे शरीर में जल संतुलन बहाल करने के लिए नसों में दिया जाता है। बता दें कि यह घोल पश्चिम बंगा फार्मास्युटिकल लिमिटेड द्वारा कर्नाटक राज्य चिकित्सा आपूर्ति निगम लिमिटेड को आपूर्ति किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 9 से 11 नवंबर के बीच बल्लारी जिला अस्पताल में मातृ मृत्यु की संख्या में अचानक वृद्धि हुई थी। यह सभी मौतें सिजेरियन ऑपरेशन के बाद हुईं। इन तीन दिनों में किए गए 34 सिजेरियन ऑपरेशनों में से सात में जटिलताएं आईं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि सात मामलों में से चार में गंभीर जटिलताएं जैसे कि तीव्र किडनी

की चोट और मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन की समस्या आई, जिनकी मृत्यु हो गई। बता दें कि इस मामले में दो को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और एक मरीज अब भी इलाज के लिए विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बल्लारी में भर्ती है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव के आदेश पर राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मातृ मृत्यु की समीक्षा की। समीक्षा के बाद विभाग ने एक बयान में कहा कि बल्लारी जिला अस्पताल की टीम द्वारा कोई लापरवाही नहीं की गई और सभी प्रोटोकॉल का पालन किया गया था। हालांकि, सिजेरियन ऑपरेशन के बाद जटिलताओं के कारण मौतों का कारण रिंगर लैक्टेट घोल को बताया गया है, जो पश्चिम बंगा फार्मास्युटिकल लिमिटेड से आया था। इस कंपनी द्वारा आपूर्ति किए गए 192 बैचों को कर्नाटक राज्य चिकित्सा आपूर्ति निगम ने अस्थायी रूप से फ्रीज कर दिया था, क्योंकि कुछ बैचों को मानक गुणवत्ता का नहीं माना गया था। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं से मानक गुणवत्ता प्रमाण पत्र मिलने के बाद, अगस्त 2024 में 84 बैचों के रिंगर लैक्टेट को उपयोग के लिए मंजूरी दी गई। फिलहाल, राज्य भर में रिंगर लैक्टेट बैच को वापस लिया गया है और बल्लारी जिला अस्पताल से भेजे गए तरल पदार्थ का परीक्षण किया जा रहा है।

विक्रम गौड़ा मुठभेड़ फर्जी नहीं है: मंत्री हेब्बालकर

इसकी वैधता पर सवाल न उठाएं

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री और उडुपी जिले की प्रभारी लक्ष्मी हेब्बालकर ने स्पष्ट किया कि नक्सली विक्रम गौड़ा की मुठभेड़ फर्जी नहीं थी और लोगों से इसकी वैधता पर सवाल नहीं उठाने का आग्रह किया। शनिवार को उडुपी जिला गृह कार्यालय में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि घटना की न्यायिक जांच की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से चर्चा की जाएगी। मंत्री ने बताया कि विक्रम गौड़ा कई आपराधिक मामलों में शामिल था और सरकार नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुठभेड़ तलाशी अभियान के दौरान हुई, जहां उस समय हथियारबंद विक्रम गौड़ा ने पुलिस पर गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जान बचाने के लिए जवाबी हमला जरूरी था। हेब्बालकर ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र सरकार दोनों ही नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि बहस और आलोचनाएं अपरिहार्य हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने कानूनी ढांचे के भीतर काम किया है और जरूरत पड़ने पर आगे स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार है। कांग्रेस में आंतरिक संघर्षों के बारे में, हेब्बालकर ने ऐसे दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह विपक्षी भाजपा है जो आंतरिक मुद्दों से जूझ रही है, जैसा कि मीडिया द्वारा अक्सर उजागर किया जाता है। उन्होंने कांग्रेस की एकजुटता के सबूत के रूप में हाल के उपचुनाव परिणामों की ओर इशारा किया। विकलांग और वरिष्ठ नागरिक विभाग के लिए बजट कटौती के आरोपों का जवाब देते हुए, मंत्री ने पुष्टि की कि उनका विभाग 32,000 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रबंधित करता है और आश्वासन दिया कि महिलाओं, बच्चों या विकलांग व्यक्तियों के लिए आवंटन में कोई कटौती नहीं की जाएगी।

बल्लारी सरकारी अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत के मामले को संबोधित करते हुए हेब्बालकर ने बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक होनी है। वे और स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव बल्लारी जिला प्रशासन के संपर्क में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बल्लारी न जाने का मतलब यह नहीं है कि मामले को हल्के में लिया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पूरी जिम्मेदारी ले रही है और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मंत्रिमंडल विस्तार के विषय पर हेब्बालकर ने इसे मीडिया की अटकलबाजी करार देते हुए मीडिया को ऐसे दावों की पुष्टि करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के भीतर किसी भी तरह के आंतरिक विवाद से केवल सत्तारूढ़ दल को ही फायदा होता है। राज्य के आंगनवाड़ी कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए हेब्बालकर ने इसके 50 साल के इतिहास की प्रशंसा की, जिसमें 70,000 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र 35 लाख बच्चों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इन केंद्रों में घटिया चावल या भोजन के वितरण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

80 प्रतिशत की कटौती

इससे पहले सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने एक बड़े फैसले में दिव्यांगों के लिए फंड में 80 प्रतिशत की कटौती की है। पिछले साल के आवंटन में भारी कटौती उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो इस फंड का इंतजार कर रहे थे। जैसा कि पहले बताया गया है, कर्नाटक में दिव्यांगों के लिए आवंटित फंड में सरकार ने 80 प्रतिशत की कटौती की है। दिव्यांगों के समर्थन और सशक्तिकरण के लिए विभाग द्वारा कुल 14 योजनाएं पेश की जाती हैं, जिनमें ब्रेल किट, श्रवण यंत्र और बैसाखी जैसी अन्य चीजें शामिल हैं। पिछले साल आवंटित फंड 53 करोड़ रुपये थे और 2024-25 के लिए फंड में कटौती करके 10 करोड़ रुपये कर दिए गए हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड ने इस कटौती के खिलाफ आवाज उठाई है और इसे अनुचित और अभूतपूर्व करार दिया है। यह कदम कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा अस्पताल के शुल्क में वृद्धि के कुछ दिनों बाद उठाया गया है।

व्लॉगर की हत्या का आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु पुलिस ने असम की व्लॉगर और काउंसलर माया गोगोई की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और बेंगलूरु के बाहरी इलाके देवनहल्ली से उसके प्रेमी से हत्यारा बना व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। संदिग्ध हत्यारे की पहचान केरल के आरव हनोय के रूप में हुई है और उसने माया गोगोई की हत्या की बात कबूल करते हुए दावा किया है कि उसने व्यक्तिगत झगड़े से नाराज होकर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी (पूर्व) देवराजू ने कहा संदिग्ध हत्यारे ने हत्या की बात कबूल कर ली है। हमें नहीं पता कि उसने पहले से हत्या की योजना बनाई थी या नहीं। उसके बयानों को वैज्ञानिक रूप से सत्यापित करने की जरूरत है और उसके बाद ही हम हत्या के मकसद के बारे में निष्कर्ष पर पहुंच पाएंगे। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी अपराध करने के बाद बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पहुंचा था। उसने कहा कि वह मध्य प्रदेश गया था और वहां से वह उत्तर प्रदेश गया और वाराणसी पहुंचा और बेंगलूरु वापस आ गया। डीसीपी ने कहा आरोपी के बेंगलूरु के बाहरी इलाके देवनहल्ली के पास रहने का पता चला। उसे शुक्रवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया और प्रारंभिक जांच की गई। किसी ने उसे आश्रय नहीं दिया। माया और आरव 23 नवंबर को सर्विस अपार्टमेंट में रुके थे, उनके बीच निजी मामलों को लेकर झगड़ा हुआ था। आरोपी ने जेप्टो पर चाकू और नायलॉन की रस्सी मंगवाई और उसे चाकू घोंपकर मार डाला। अगले दिन वह मौके से भाग गया। उसने बताया कि 26 नवंबर को सुबह 8.30 बजे वह सर्विस अपार्टमेंट से निकला था। डीसीपी ने कहा हमने उसे पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई थीं। एक टीम केरल गई थी। दूसरी टीम उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र और अन्य जगहों पर गई थी और उसकी तलाश शुरू की थी। अब तक की जांच में पता चला है कि यह व्यक्ति छह महीने पहले केरल से बेंगलूरु आया था। वह एक कंपनी में इंटर्नशिप कर रहा था और उसे हर महीने 15,000 रुपये का वेतन मिल रहा था। मृतक महिला बेंगलूरु के जयनगर और एचएसआर लेआउट इलाकों में एक काउंसलिंग सेंटर में काम करती थी। छह महीने पहले बम्बल ऐप के जरिए उनकी एक-दूसरे से जान-पहचान हुई थी। उन्होंने अपने नंबरों का आदान-प्रदान किया और जान-पहचान हुई। चौंकाने वाली घटना 26 नवंबर को इंदिरानगर पुलिस स्टेशन की सीमा में सामने आई थी। जांच में पता चला कि आरव हनोय ने माया गोगोई के शव के साथ दो दिन बिताए थे और ज्यादातर समय वह शव के सामने बैठकर सिगरेट पीता रहा था। मृतक माया बेंगलूरु के एचएसआर लेआउट में अपनी बहन के साथ रहती थी। माया ने अपनी बहन को फोन करके बताया था कि वह 22 नवंबर को ऑफिस पार्टी में जाने के कारण घर नहीं आएगी। बाद में, उसने 23 नवंबर को एक और संदेश भेजा जिसमें कहा गया कि वह घर नहीं आएगी क्योंकि वह उस रात भी पार्टी कर रही थी। माया की बहन को इस रिश्ते के बारे में पता था। वे 23 नवंबर को सर्विस अपार्टमेंट में चेक इन कर चुके थे। सीसीटीवी फुटेज में माया बिना किसी तनाव के खुशी-खुशी उसके साथ कमरे में जाती दिख रही थी। घटना के बारे में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है।

यौन उत्पीड़न के आरोपी बी गुरप्पा नायडू को कर्नाटक कांग्रेस ने छह साल के लिए किया निष्कासित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस के नेता बी गुरप्पा नायडू, जिन पर कथित यौन उत्पीड़न और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है, को शनिवार को छह साल की अवधि के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष के रहमान खान ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से नायडू को पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा की। उनके खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले को इस कदम का कारण बताया गया है। केपीसीसी के महासचिव नायडू पर आईपीसी की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न), 506 (आपराधिक धमकी), 509 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह एफआईआर 26 नवंबर को एक 38 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी, जो उस स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थी, जहां संदिग्ध चेयरमैन है।

राज्य भाजपा में गुटबाजी उत्सुकता का कारण बनने के बाद विजयेंद्र दिल्ली रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भाजपा में गुटबाजी उत्सुकता का कारण बनने के बाद पार्टी अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र नई दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। विजयेंद्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से मुलाकात करेंगे और उन्हें राज्य भाजपा के भीतर नवीनतम घटनाक्रम के बारे में जानकारी देंगे और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल विधायक बसन गौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अपील करेंगे। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार शाम नई दिल्ली के लिए रवाना हुए विजयेंद्र किसी भी वक्त नड्डा से मिलेंगे और बातचीत करेंगे। यतनाल पार्टी की अनुमति के बिना वक्फ नोटिस के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाकर पार्टी को धोखा दे रहे हैं। संभावना है कि उनसे तुरंत इनमें कटौती करने का अनुरोध किया जाएगा।

जनजागरण अभियान के दौरान वे राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ बोलने के बजाय विजयेन्द्र के परिवार की आलोचना कर रहे हैं और पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा कर रहे हैं। यह सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए चारा बन गया है।

इसलिए वे यतनाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए शिकायतों की एक सूची देंगे। वे हर किसी की आलोचना इस दृष्टिकोण से कर रहे हैं कि कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अगर उनका मुंह तुरंत बंद नहीं किया गया तो राज्य में भाजपा को भारी नुकसान होगा। इस मामले में जितनी देरी होगी, पार्टी को उतना ही नुकसान होगा। इन घटनाक्रमों के बीच राष्ट्रीय नेताओं का राज्य में आगमन हो रहा है और 3 दिसंबर को दोनों गुटों के बीच बातचीत की संभावना है। राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ राज्य में पहुंचेंगे। हालांकि वह पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम के लिए राज्य में आ रहे हैं, लेकिन संभावना है कि इस दौरे के दौरान मतभेदों पर भी चर्चा होगी। कहा जा रहा है कि तरूण चुघ के बाद इस बात की संभावना है कि एक गुट भाजपा की असहमति की ओर ध्यान खींचेगा। विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि मैं राज्य में आ रहे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिलूंगा। अगर हमारे समूह को बातचीत के लिए बुलाया जाता है, तो वे जाएंगे। उन्होंने उनकेखिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चुनौती दी। प्रदेश भाजपा में मतभेद दूर करने के लिए कोर कमेटी की बैठक होगी। यह बैठक 3 या 7 दिसंबर को होगी और इस बैठक में राज्य के विकास पर चर्चा होगी। बैठक में इस बात पर चर्चा होगी कि दोनों गुटों के बीच मतभेदों का पार्टी के संगठन पर क्या असर पड़ रहा है और इस संबंध में क्या समाधान निकाला जाना चाहिए। इस बैठक में पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा और कोर कमेटी के अन्य नेता हिस्सा लेंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने यतनाल को निष्कासित करने की मांग की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सदस्यों ने शनिवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान मैसूरु में भगवा पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया और बागी नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को निष्कासित करने की मांग की।

नेता, जिनमें से अधिकांश पूर्व मंत्री थे, जिनमें बीसी पाटिल और एमपी रेणुकाचार्य शामिल थे, एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे, तभी कुछ पार्टी कार्यकर्ता खड़े हो गए और यतनाल के खिलाफ नारे लगाने लगे और नेताओं से मांग की कि उन्हें भाजपा से निष्कासित किया जाए। उन्होंने कहा कि वे जमीनी स्तर पर लोगों के सीधे संपर्क में हैं और उन्हें शर्म आती है जब लोग उनसे पूछते हैं कि भाजपा इतनी कमजोर क्यों है और उनसे पूछते हैं कि भाजपा यतनाल के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रही है। नेता चामुंडी पहाड़ी के ऊपर श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा करने के लिए मैसूरु में थे। उन्होंने बाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की। इससे पहले शुक्रवार को नेताओं ने कोलार जिले के कुरुदुमाले गणेश मंदिर का दौरा किया था। भाजपा नेताओं को कार्यकर्ताओं को शांत करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रेणुकाचार्य ने कहा कि वह कार्यकर्ताओं के दर्द और भावनाओं को समझते हैं और यही कारण है कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास भरने के लिए पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं।

बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

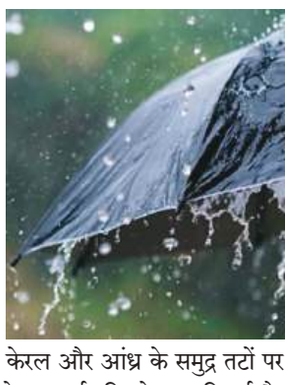

मौसम विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के कारण राजधानी समेत राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। फिलहाल बेंगलूरु में बादल छाए रहेंगे। दक्षिण आंतरिक कोलार, चिकमंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहर, रामनगर और चामराजनगर जिलों में बारिश होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, उडुपी और अन्य जिलों में 1 से 3 दिसंबर तक गरज और बिजली गिरेगी। उत्तरी आंतरिक जिलों में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। चक्रवात फेंगल दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और कराईकल और महाबलीपुरम से पुद्दुचेरी के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुद्दुचेरी तट पर भूस्खलन की संभावना है। 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। ऐसे में तमिलनाडु के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट की घोषणा कर दी गई है। तमिलनाडु, केरल और आंध्र के समुद्र तटों पर रेड अलर्ट की घोषणा की गई है। कर्नाटक में पिछले दो सप्ताह से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालांकि, पिछले 24 घंटे में ठंड थोड़ी कम हुई है। बेंगलूरु का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेंगलूरु में अधिकतम 31 और न्यूनतम 26 डिग्री, बेलगावी में अधिकतम 28 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस, मैसूरु में अधिकतम 26 और न्यूनतम 22 और हुब्बल्ली में अधिकतम 29 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेडीएस किले में स्वाभिमानी सम्मेलन की योजना

स्थानीय निकाय चुनावों के लिए आधार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उपचुनाव में जीत की खुशी में जेडीएस के प्रभुत्व वाले हासन में स्वाभिमानी सम्मेलन आयोजित कर कांग्रेस पार्टी का आधार मजबूत करने की योजना तैयार की है।

चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में डीके बंधुओं ने कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर को जिताकर रामनगर जिले में जेडीएस के प्रभुत्व को कम करने में सफलता हासिल की है। आगे की गणना यह भी है कि अगर हासन में जेडीएस का दबदबा कम हो गया तो पुराने मैसूरु में कांग्रेस और उत्तरी कर्नाटक में भाजपा के लिए अनुकूल माहौल बन जाएगा। इसके जरिए देश के कई राज्यों की तरह कर्नाटक में भी क्षेत्रीय पार्टी की पकड़ को कम करने की अंदरुनी तैयारी है। हासन का स्वाभिमानी समावेश ऊपरी तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के शक्ति प्रदर्शन का मंच लगता है, लेकिन इसके पीछे राजनीतिक नफा-नुकसान का गणित जोर-शोर से चल रहा है।

2006 से ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का जद(एस) नेताओं के साथ राजनीतिक टकराव चल रहा है। वह कांग्रेस पार्टी में अपना दबदबा कायम कर दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। सिद्धरामैया के करिश्मे को स्व-धार्मिक परंपराओं ने कमजोर कर दिया है, जिससे उनकी ताकत बढ़ी है। विधानसभा चुनाव से पहले दावणगेरे में आयोजित ऐतिहासिक सिद्धरामौत्सव कांग्रेस पार्टी के लिए एक बूस्टर खुराक था, हाल ही में विपक्षी दल मुडा और वक्फ मुद्दों पर सिद्धरामैया और कांग्रेस के खिलाफ सामने आए हैं। हालांकि इसका जवाब उपचुनावों में दिया जा चुका है, लेकिन स्वाभिमानी सम्मेलन का गठन सिद्धरामैया के शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से विपक्षी दलों और पार्टी के भीतर के आंतरिक प्रतिद्वंद्वियों को चुप कराने के लिए किया गया है। चूंकि सिद्धरामैया मुश्किल दौर में हैं, इसलिए पार्टी के एक गुट ने इस पर दबाव बनाने की कोशिश की और आलाकमान को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि स्वाभिमानी सम्मेलन पार्टी के मंच पर ही आयोजित किया जाना चाहिए। प्रगतिशील सोच से पहचाने जाने वाले सिद्धरामैया के कई प्रशंसक कांग्रेस पार्टी के वैचारिक रुख से असहमत हैं। इसलिए वे कांग्रेस पार्टी के सिंबल और मंच पर कार्यक्रम करने को तैयार नहीं हैं। इस प्रकार शोषित वर्ग के मंच के अंतर्गत स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कांग्रेस में विरोध के मद्देनजर अब पार्टी और शोषित वर्ग के संगठन स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य प्रमुख नेताओं ने कार्यक्रम को हरी झंडी दे दी है और कहा है कि वे सम्मेलन में भाग लेंगे। सिद्धरामैया के करीबी दोस्त केएन राजन्ना, जो हासन जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने कार्यक्रम की कमान संभाली है। हासन में कांग्रेस को जेडीएस के दबदबे पर जीत मिली है। इस सम्मेलन के जरिए अगले स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के वर्चस्व को और बढ़ाने के लिए एक मंच तैयार किया जा रहा है।

किसानों को एक महीने में फसल नुकसान की भरपाई मिल जाएगी: राजस्व मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने शुक्रवार शाम को कहा कि भारी बारिश के कारण 1.58 लाख हेक्टेयर में फसलें बर्बाद करने वाले किसानों को अगले एक सप्ताह में मुआवजा दिया जाएगा। गौड़ा ने सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद यह बात कही। गौड़ा ने कहा पिछले एक महीने में सर्वेक्षण किया गया और डेटा एंट्री अपने अंतिम चरण में है। फसल के नुकसान का अनुमान 120 करोड़ रुपये लगाया गया है। एक सप्ताह के भीतर किसानों के बैंक खातों में मुआवजा जमा कर दिया जाएगा। गौड़ा ने कहा कि उपायुक्तों के पास 642 करोड़ रुपये हैं, जिसका इस्तेमाल जल्दी से मुआवजा बांटने के लिए किया जाएगा। मंत्री ने कहा राज्य के कुछ हिस्सों में घरों को नुकसान पहुंचा है। कुछ जगहों पर जानमाल का नुकसान हुआ है। कुल मिलाकर, 162 करोड़ रुपये का मुआवजा पहले ही जारी किया जा चुका है। गौड़ा ने कहा कि 15 दिसंबर तक कम से कम 5,000 आवेदकों को बगैर हुकुम के तहत खेती के प्रमाण पत्र दिए जाएंगे, जो सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत कब्जे के नियमितीकरण से संबंधित है। गौड़ा ने कहा लाखों लोगों ने बगैर हुकुम के तहत भूमि अनुदान की मांग करते हुए आवेदन किया है। हम 1.26 लाख आवेदनों को पात्र मान रहे हैं। पहले चरण में, 5,000 आवेदनों को मंजूरी देने का लक्ष्य है। जनवरी तक, यह बढ़कर 15,000-20,000 हो जाएगा। गौड़ा ने यह भी कहा कि बगैर हुकुम के पात्र लाभार्थियों को डिजिटल खेती प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1021 करोड़ रुपये के रोजगार ऋण का किया वितरण

पटना/एजेंसियां।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को मधुबनी के झंझारपुर के ललित कर्पूरी स्टेडियम में पहुंची। जहां आयोजित कार्यक्रम में महिलाएं और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने भारतीय स्टेट बैंक और उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के सहयोग से आयोजित विभिन्न लाभार्थियों को 1021 करोड़ रुपये के रोजगार ऋण वितरित किए। वित्त मंत्री का मिथिला की परंपरा अनुसार मिथिला पेंटिंग, शॉल और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। स्थानीय कलाकार नूतन झा ने उन्हें यह उपहार भेंट किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से डीएसपी पवन कुमार के नेतृत्व में झंझारपुर से मिथिला हाट तक 46 सुरक्षा प्वाइंट बनाए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में

पुलिस बल तैनात था। अपने संबोधन में निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की योजना के तहत महिलाओं को लखपति बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण प्रदान किया जा रहा है। जीविका की दीदियों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वित्त मंत्री ने मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देते हुए घोषणा की कि अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर की तरह, मां जानकी की जन्मस्थली में भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। यह हमारा संकल्प है। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, राज्यसभा सांसद रामप्रीत मंडल, मधुबनी लोकसभा सांसद डॉ. अशोक कुमार यादव, पूर्व मंत्री विनोद नारायण झा, एमएलसी घनश्याम ठाकुर और विधायक सुधांशु शेखर सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे। वित्त मंत्री ने करीब 75 लाभार्थियों को चेक के माध्यम से रोजगार ऋण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि दरभंगा और मधुबनी में रोजगार सृजन के लिए विशेष योजनाओं पर काम किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन एसबीआई द्वारा किया गया, जिसमें अन्य बैंकों का भी सहयोग रहा। वित्त मंत्री ने इस पहल को बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार की मेहनती महिलाएं देश को आर्थिक मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएंगी।

सड़क पर पानी बहाने को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प

सहरसा/एजेंसियां।

सहरसा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड-40 स्थित सराही मोहल्ले में शनिवार सुबह सड़क पर पानी बहाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि मामला हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। इस मारपीट में दोनों पक्षों के कुल सात लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। सूत्रों के अनुसार हिंसक झड़प की घटना में घायल राजेश दास (35), शोबिया देवी (60) और सोनी देवी (30) एक पक्ष से हैं। जबकि दूसरे पक्ष से मो. अफरोज (48), मो. एहसान (18), मो. रिजवान (20) और मो. इमरान (22) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के घर आमने-सामने स्थित हैं और विवाद सड़क पर पानी बहाने को लेकर था। राजेश दास का आरोप है कि उन्होंने कई बार पड़ोसियों को सड़क पर पानी बहाने से मना किया था, क्योंकि इससे आने-जाने में दिक्कत होती थी। शनिवार सुबह भी पानी बहाए जाने पर जब राजेश ने विरोध किया तो गाली-गलौज शुरू हो गई और बात हाथापाई तक पहुंच गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे राजेश और उनकी मां शोबिया देवी का सिर फट गया। वहीं, दूसरे पक्ष के घायल मो. अफरोज का कहना है कि राजेश दास ही अक्सर सड़क पर पानी गिराते हैं। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो राजेश ने कुदाल से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में चोट आई। अफरोज के तीनों बेटों को भी इस झड़प में चोटें आईं। सभी घायलों का इलाज सहरसा सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पक्षों में पहले भी छोटे-मोटे विवाद होते रहे हैं, लेकिन इस बार बात इतनी बढ़ गई कि हिंसक झड़प हो गई। पुलिस इस घटना को लेकर दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रही है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

नीतीश सरकार शिक्षकों के हितों की अनदेखी कर रही: प्रशांत किशोर

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने मुजफ्फरपुर में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने शिक्षकों के साथ हो रहे बर्ताव को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश सरकार शिक्षकों के हितों की अनदेखी कर रही है और लगातार उन्हें प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के लिए जागरूक हों और वोट डालते समय सही निर्णय लें। प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में अगर किसी सरकार ने शिक्षकों को सबसे अधिक सताया है, तो वह नीतीश कुमार की सरकार है। उन्होंने शिक्षकों से सवाल किया कि जब सरकार उनके हितों के खिलाफ है और पटना के डाकबंगला चौराहे पर लाठियां चलती हैं, तब भी शिक्षक उसी सरकार को वोट क्यों देते हैं। उन्होंने शिक्षकों को आगाह करते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है कि वे अपनी आवाज बुलंद करें और अपने वोट का सही इस्तेमाल करें। प्रशांत किशोर ने नीतीश सरकार पर जाति और धर्म के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय शिक्षक अपनी समस्याएं भूल जाते हैं और जाति-धर्म के नाम पर वोट देते हैं। लेकिन जब चुनाव खत्म हो जाता है, तो फिर अपने अधिकारों के लिए गुहार लगाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस चक्र से बाहर निकलें और अपने हक के लिए एकजुट हों। प्रशांत किशोर ने कहा कि शिक्षकों को अपने भविष्य के लिए खुद ही कदम उठाने होंगे। जो व्यक्ति खुद अपनी जिंदगी में सुधार नहीं चाहता, उसका कोई भला नहीं कर सकता। उन्होंने शिक्षकों से आत्मचिंतन करने की बात कही। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि वे पिछले दो वर्षों से लगातार पैदल यात्रा कर रहे हैं और इस दौरान कई शिक्षकों से मिले हैं, जिन्होंने अपनी व्यथा सुनाई है। प्रशांत किशोर इन दिनों तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में हो रहे विधान परिषद उपचुनाव के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं।

सीएम ने चार दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेले का फीता काटकर किया उद्घाटन

पटना/एजेंसियां।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी मैदान में आयोजित चार दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेले का (एग्रो बिहार-2024) का फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कृषि यांत्रिकरण प्रदर्शनी एवं मेले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न राज्यों से आए कृषि यंत्र निर्माता कंपनी के प्रतिनिधियों ने यंत्र के उपयोग एवं इससे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रदर्शनी में लगाए गए नवीनतम कृषि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन यंत्र, बागवानी से संबंधित कृषि यंत्र, विभिन्न नर्सरी, आधुनिकतम फसल के बीजों, कृषि विभाग की योजनाओं, क्रियाकलापों आदि के बारे में मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कृषि यांत्रिकरण मेले का आयोजन बहुत पहले से हम लोग करा रहे हैं। नवंबर 2005 में सरकार में आने के बाद से कृषि क्षेत्र के विकास एवं किसानों के

हित के लिए कई कदम उठाए गए हैं जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। किसानों के हित के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। हमलोगों के सरकार में आने के पहले किसानों एवं कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। हमलोगों ने राज्य में कृषि रोड मैप बनाया और कृषि विकास कार्यक्रम चलाये गये, जिससे फसलों, फलों एवं सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कृषि कार्य में सहूलियत देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। प्रदर्शनी में लगाए गए कृषि यंत्रों और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं और क्रियाकलापों के बारे में जो जानकारी दी गई है उसको सभी लोग देखें और समझें। कृषि विभाग द्वारा 29 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2024 के बीच चार दिवसीय कृषि यांत्रिकरण प्रदर्शनी एवं मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला पूर्वी भारत का सबसे बड़ा यांत्रिकरण मेला है। वर्ष 2011 से हर वर्ष कृषि यांत्रिकरण मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस राज्य-स्तरीय कृषि यांत्रिकरण प्रदर्शनी एवं मेले में 125 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं। इस प्रदर्शनी में बिहार के अलावे दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के कृषि यंत्र निर्माता भाग ले रहे हैं। इस मेले में बिहार और राज्य के बाहर के वरीय पदाधिकारी, वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ एवं कृषि व्यवसाय से जुड़े उद्यमी भी मेले में भाग ले रहे है। प्रतिदिन राज्य के सभी जिलों से 4500 किसानों को सरकारी खर्चे पर मेला भ्रमण की व्यवस्था की गयी है। मेले में प्रत्येक दिन किसान पाठशाला में किसानों को नवीनतम कृषि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के यंत्र, बागवानी से संबंधित कृषि यंत्र एवं उनके रख-रखाव के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आधुनिक कृषि में कृषि यंत्रों का महत्वपूर्ण योगदान है। अत्याधुनिक कृषि यंत्रों को व्यवहार में लाये जाने से छोटे किसानों को खेती के काम करने में बहुत सहूलियत होती है। कृषि यांत्रिकरण योजना बिहार के सभी जिलों में लागू है जिसके अन्तर्गत खेत की जुताई, बुआई, निकाई, गुराई, सिंचाई, फसल की कटाई, इत्यादि कार्यों के लिए 110 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित यंत्रों को बढ़ावा देने के लिए उन पर 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। सरकार द्वारा जीविका समूह एवं प्रगतिशील किसान समूह को कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए 'कृषि यंत्र बैंक' योजना चलाई गयी है, जिसके अन्तर्गत 10 लाख रूपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में बनेगा हाईलेवल पुल

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

तिरहुत प्रमंडल के मुजफ्फरपुर जिले के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिले के तीन प्रमुख घाटों पर उच्चस्तरीय आरसीसी पुलों के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। खासतौर पर गायघाट प्रखंड के मधुरपट्टी घाट पर बागमती नदी पर बनने वाला पुल बेहद अहम है, जहां एक दर्दनाक नाव हादसे में 16 स्कूली बच्चों की मौत हो गई थी। लंबे समय से इन पुलों की मांग की जा रही थी, जिसे अब सरकार ने मंजूरी दे दी है। जानकारी के मुताबिक, गायघाट के मधुरपट्टी गांव में बागमती नदी पर 180 मीटर लंबा आरसीसी पुल बनाने के लिए 16.20 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। यह पुल पिछले साल 14 सितंबर को हुए नाव हादसे के बाद से लगातार चर्चा में था। हादसे के बाद से ही स्थानीय लोगों और जन प्रतिनिधियों ने पुल की मांग को लेकर आवाज बुलंद की थी। अब इस परियोजना को मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत पूरा किया जाएगा। मधुरपट्टी के अलावा, रतवारा-ढोली घाट पर 500 मीटर लंबा और 40.80

करोड़ की लागत से एक और उच्चस्तरीय पुल बनाया जाएगा। इसी तरह मीनापुर प्रखंड के चांदपरना घाट पर भी 300 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 35 करोड़ है। इन पुलों के निर्माण से न केवल लोगों की समस्याएं हल होंगी बल्कि सड़क संपर्क भी बेहतर होगा, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी। डीडीसी श्रेष्ठ अनुपम ने बताया कि इन पुलों की मांग कई दशकों से की जा रही थी। खासतौर पर मधुरपट्टी घाट पर पुल बनाने की मांग नाव हादसे के बाद तेज हो गई थी। उन्होंने कहा कि इन तीनों पुलों के निर्माण के लिए राज्य ग्रामीण कार्य विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इन तीन पुलों की कुल लागत लगभग 91 करोड़ आएगी। प्रशासनिक मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। डीडीसी ने कहा कि इन पुलों के निर्माण से लोगों को राहत मिलेगी और हादसों की आशंका भी कम हो जाएगी। वहीं, इन पुलों के निर्माण से मुजफ्फरपुर जिले के कई गांवों का संपर्क सुगम होगा। बाढ़ के दौरान लोगों को आवाजाही में जो कठिनाई होती थी, वह अब दूर होगी। इन पुलों के बनने से न केवल आवागमन में सुधार होगा बल्कि स्थानीय व्यापार और विकास कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। लोगों का कहना है कि पुल बनने के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी आएगी और हादसों की आशंका भी समाप्त हो जाएगी।

पप्पू यादव को एक बार फिर से जान से मारने की मिली धमकी

पटना/एजेंसियां।

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने आखिरी 24 घंटे की मोहलत दी है। वाट्सऐप पर मैसेज भेजा है। इसमें कहा कि 24 घंटे में तुम्हारी हत्या कर देंगे। हमारी तैयारी मुकम्मल है। हमारे साथी तेरे बहुत पास पहुंच गए हैं। तुम्हारे गार्ड भी तुम्हें नहीं बचा पाएंगे। तुझे लॉरेंस भाई और उनकी टीम की तरफ से चेतावनी दी जा रही है। यह बात पप्पू यादव को धमकी देने वाले ने कही। जिस नंबर (+92 336 0968377) से धमकी आई है, वो पाकिस्तान का है। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए सात सेकेंड का धमाके से जुड़ा एक वीडियो भी सांसद के मोबाइल नंबर पर भेजा है। इस मैसेज के बाद से पूर्णिया में सांसद के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सांसद पप्पू यादव फिलहाल पूर्णिया में ही हैं। उनके आवास और कार्यालय में सुरक्षा काफी चाक चौबंद है। सिक्योरिटी मशीन से चेकिंग के बाद ही किसी को भी अंदर जाने

की अनुमति दी जा रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि मैं धमकियों के बावजूद लोगों से मिल रहा हूं। धमकी देने वाले ने फोन पर कहा कि आज रात दो बार तुम बचे हो। कहा कि मैं लोकतंत्र को बचाने के लिए हर बार मरने को तैयार हूं। देश को बांटने वाली ताकतों से लोकतंत्र को बचाने के लिए मैं किसी भी कीमत पर डरने वाला नहीं हूं। मैं लड़ने और मरने वाला हूं। सांसद को बार-बार मिल रही धमकियों को देखते हुए उनके दोस्त ने 2.5 करोड़ की चमचमाती बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर गिफ्ट की है। हालांकि इसके ठीक अगले दिन ही उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। पाकिस्तान से आए धमकी से भरे ऑडियो कॉल में पांच करोड़ की डिमांड की जा चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ज्वाइन करने आए आठ अभियंताओं के कागज निकले फर्जी, प्राथमिकी दर्ज

पटना/एजेंसियां।

पटना पुलिस ने आठ कनीय अभियंता (सिविल/यांत्रिक/विद्युत) पर फर्जी प्रमाण-पत्र/अंक पत्र दिए जाने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जिनपर कार्रवाई की गई है वह सीवान, लखीसराय, बेगूसराय, सुपौल, समस्तीपुर, मधुबनी और पटना के रहने वाले हैं। उनके खिलाफ उक्त अभ्यर्थियों के विरूद्ध सचिवालय थाना, पटना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए संबंधित अभ्यर्थियों को नियमानुकूल कार्रवाई के निमित्त पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अभ्यर्थियों ने स्वयं के प्रमाण-पत्रादि फर्जी होने एवं स्वयं का अभ्यर्थित्व वापस लेने संबंधी घोषणा-पत्र जमा किया है। पुलिस ने सिवान जिला के पचरुखी थाना क्षेत्र अंतर्गत आलापुर निवासी उमाशंकर सिंह के पुत्र नीतीश कुमार सिंह, लखीसराय जिला के सूर्यगढ़ा निवासी शंकर साव के पुत्र मणिकांत कुमार, बेगूसराय

जिले के खोदावंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चकयदु गांव निवासी अलाउद्दीन का पुत्र मोहम्मद फैजुद्दीन, बेगूसराय निवासी नरेंद्र कुमार का पुत्र राजेश कुमार, पटना परसा निवासी प्रदीप सिन्हा की पुत्री मोनिका कुमारी, सुपौल जिला निवासी शिवचंद्र मंडल की पुत्री प्रियंका कुमारी, समस्तीपुर जिला के मथुरापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सारी गांव निवासी ईश्वर प्रसाद चौधरी के पुत्र दिलीप कुमार चौधरी और मधुबनी जिला के पंडोल थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडोल गांव निवासी सुरेश पासवान के पुत्र मनीष कुमार पर कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित न्याय निर्णय के आलोक में विज्ञापन संख्या-01/2019 के अंतर्गत कनीय अभियंता (सिविल/यांत्रिक/विद्युत) के पद पर नियुक्ति संबंधी मामले में दिनांक 29 नवंबर से 30 नवंबर 2024 को बिहार तकनीकी सेवा आयोग कार्यालय, पटना में अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था। 29 नवंबर 2024 को दस्तावेज सत्यापन के क्रम में आठ अभ्यर्थी ऐसे पाये गये, जिनके प्रमाण-पत्र/अंक पत्र जाँच के क्रम में फेक पाये गये। फेक प्रमाण पत्र की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने उक्त अभ्यर्थियों के विरूद्ध सचिवालय थाना, पटना में प्राथमिकी दर्ज कराया। उक्त अभ्यर्थियों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया गया है। कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा स्वयं के प्रमाण-पत्रादि फर्जी होने एवं स्वयं का अभ्यर्थित्व वापस लेने संबंधी घोषणा-पत्र / आवेदन समर्पित किया गया है। दस्तावेज सत्यापन कराने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

पुलिस थानों को जलाने के मामले में आठ गिरफ्तार

टेंगोल प्रमुख और कुकी उग्रवादी एनआईए के निशाने पर

इंफाल, 30 नवंबर (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में एक पुलिस थाने और विधायकों के आवासों पर हमले के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई पुलिस थाना क्षेत्र के कियाम ममांग लेईकाई के रहने वाले 20 वर्षीय चोंगथम थोइचा को 16 नवंबर को निर्वाचित प्रतिनिधियों की संपत्तियों में आगजनी के सिलसिले में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, 27 नवंबर को काकचिंग पुलिस थाने और कर्मियों पर हमला करने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया।

यह हमला एक निर्वाचित सदस्य की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 16 नवंबर को गिरफ्तार किए गए चार लोगों की रिहाई की मांग को लेकर किया गया था। इंफाल घाटी में मैतेई समुदाय की छह महिलाओं और बच्चों के शव नदियों में मिलने के बाद गुस्साई भीड़ ने कई विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की थी। 11 नवंबर को जिरिबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद कुकी आतंकवादियों ने कथित तौर पर नागरिकों का अपहरण कर लिया था। मुठभेड़ में कुकी के 10 उग्रवादी भी मारे गए। इंफाल घाटी स्थित मैतेई और आसपास के पहाड़ी क्षेत्र कुकी–जो समूहों के बीच पिछले साल मई से जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों बेघर हो गए हैं।

मेइती कट्टरपंथी संगठन अरम्बाई टेंगोल के प्रमुख कोरोउ नगांबा खुमान और कुकी उग्रवादी राष्ट्रीय अन्–

वेषण अभिकरण (एनआईए) की जांच के दायर में हैं, जिसे संघर्षग्रस्त मणिपुर में सुरक्षा बलों पर हमलों और आईईडी विस्फोट के चार मामलों की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन चार मामलों में इंफाल में प्रथम मणिपुर राइफल्स परिसर से हथियार और गोला–बारूद की लूट, मोरेह में भारतीय रिजर्व बटालियन चौकी पर हमला और बिष्णुपुर में आईईडी विस्फोट शामिल हैं। गृह मंत्रालय के आतंकवाद एवं कट्टरपंथ रोधी प्रभाग ने हाल ही में एनआईए को चारों मामलों की जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी।

एनआईए की ओर से उच्चतम न्यायालय में दायर हस्तांतरण याचिका की एक प्रति में कहा गया है, मखुमान से जुड़ा पहला मामला पिछले साल एक नवंबर को हुई एक घटना से संबंधित है, जब फेसबुक पेज कोरू नगांबा खुमान के जरिए मणिपुरी भाषा में किए गए एक आह्वान पर उसके नेतृत्व में बड़ी संख्या में अरम्बाई टेंगोल के सदस्य, अत्याधुनिक हथियारों से लैस होकर, छद्म वर्दी व काले रंग की शर्ट पहनकर कई हल्के वाहनों में आए और इंफाल पूर्वी जिले के पैलेस कंपाउंड में एकत्र हुए। फेसबुक पेज पर आह्वान किया गया था कि कृपया सभी बहादुर भाई एक साथ आएं और उन सभी को अंतिम सबक सिखाएं।

हलफनामे में कहा गया है, जब उन्हें पैलेस के द्वार पर इंफाल पूर्व थाने के कर्मियों ने रोका, तो समूह ने पुलिस पर गोलीबारी की, स्थानीय पुलिस को काबू में कर लिया और कई हल्के वाहनों में सवार होकर संजेनथोंग पुल से होते हुए इंफाल पश्चिम की ओर बढ़ गए। एनआईए ने हलफनामे में कहा, केंद्र सरकार का मानना है कि यह एनआईए अधिनियम 2008 के तहत एक अनुसूचित अपराध है और अपराध की गंभीरता व राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए एनआईए को अधिनियम के अनुसार इसकी जांच करनी चाहिए। खुमान से जुड़ा दूसरा मामला उसी दिन शाम छह बजे हुई एक अन्य घटना से संबंधित है। हलफनामे के अनुसार, बड़ी संख्या में अरम्बाई टेंगोल के सदस्यों ने अपने प्रमुख के नेतृत्व में इंफाल में प्रथम मणिपुर राइफल्स बटालियन पर हमला कर दिया।

एनआईए ने कहा, उन्होंने वाहनों सहित सरकारी कार्यालय के सामान में तोड़फोड़ की और प्रथम एमआर बटालियन के हथियार और गोला–बारूद लूट लिए। पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ समेत सुरक्षा बलों के अतिरिक्त कर्मियों के पहुंचने के बाद हमलावर सुरक्षाकर्मियों से लूटे गए हथियार और गोला–बारूद लेकर भाग गए। इस मामले में 30 नवंबर, 2023 को लिलोंग चाजिंग ममांग लेईकाई के मुटुम राजेश सिंह (25) और क्यामगेई शांतिपुर के लंगथबल कुंजा को गिरफ्तार किया गया था।कुकी उग्रवादियों को एनआईए की जांच के दायरे में लाने वाला एक अन्य मामला इस साल जनवरी में तेंगनौपाल जिले के मोरेह में एक आईआरबी चौकी पर सशस्त्र हमले से जुड़ा है। एनआईए ने कहा, 17 जनवरी, 2024 को भारी हथियारों से लैस कुछ संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मोरेह के इमा कोंडोंग लैरेम्बी में स्थित आईआरबी चौकी पर बमों और आग्नेयास्त्रों से हमला किया, जिसमें एक आईआरबी कर्मी घायल हो गया। आईआरबी ने भी जवाबी कार्रवाई की और इस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा बलों एवं आईआरबी कर्मियों पर हमला करने वाले अज्ञात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। हलफनामे में कहा गया है कि भीषण गोलीबारी मोरेह कस्बे के कई अन्य हिस्सों में भी फैल गई और एक राइफलमैन सोमोरजीत मीतेई शहीद हो गए तथा दो अन्य आईआरबी कर्मी घायल हो गए। मामले में किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया।चौथा मामला, पिछले वर्ष 21 जून को बिष्णुपुर जिले के फोगाकचाओ इखाई में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए आईईडी बम विस्फोट से संबंधित है, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे और घरों एवं सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा था। इस मामले में चुराचांदपुर के सेमिनलुन गंगटे और दो अन्य लोगों मोहम्मद नूर हुसैन और मोहम्मद इस्लाउद्दीन को गिरफ्तार किया गया। इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती और आसपास के पहाड़ी इलाकों के निवासी कुकी–जो समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा में पिछले साल मई से 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कश्मीर के युवक से निकाह करने एलओसी पार करने वाली फातिमा गिरफ्तार

जम्मू, 30 नवंबर (ब्यूरो)। एलओसी के दूसरी तरफ फारवर्ड कहुटा में अधिकारियों ने भारतीय पुंछ के केरनी गांव की एक युवती को बिना वीजा के अवैध रूप से एलओसी पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पाकिस्तानी मीडिया में छपी खबरों के अनुसार, फातिमा नाम की युवती ने कथित तौर पर 24 नवंबर को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने के लिए एलओसी पार की थी। प्यार में अक्सर लोग हदें पार कर जाते हैं। पर भारत की इस लड़की ने पाकिस्तानी प्रेमी के प्यार में अवैध तरीके से देश की सरहद पार कर दी। अंजू के बाद अब एक और भारतीय लड़की अपने पाकिस्तानी प्रेमी से शादी करने के लिए बगैर वैध वीजा के अवैध तरीके से देश की सरहद पार करके पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में दाखिल हो गई। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, इस भारतीय लड़की का नाम फातिमा है, जो कि जम्मू कश्मीर

की रहने वाली है। फातिमा अपने प्रेमी से शादी करने के लिए पीओके के इलाके में घुस गई। जब पीओके की पुलिस को भारतीय लड़की के आने की सूचना मिली तो पुलिस ने तुरंत ही फातिमा को गिरफ्तार कर लिया। फातिमा के प्रेमी का नाम इमरान है और पीओके पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पुलिस ने उसकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद केरनी गांव में छापा मारा, फातिमा को हिरासत में लिया और प्राथमिकी दर्ज की। जांच में पता चला कि फातिमा ने स्थानीय निवासी इमरान के बहकावे में आकर एलओसी पार की, जो उसे पाकिस्तानी पुंछ जिले में अपने घर ले गया (पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर के पुंछ में एलओसी द्वारा अलग किए गए एक ही नाम के दो जिले हैं)। पाकिस्तानी जिओ न्यूज चैनल की रिपोर्ट की मुताबिक, पीओके की कहूटा पुलिस ने जम्मू कश्मीर की फातिमा को अवैध तरीके से पीओके में दाखिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इमरान ने फातिमा से वादा किया था कि अगर वह पीओके आ जाती है तो इमरान फातिमा से शादी कर लेगा। जिसके बाद प्यार में पागल फातिमा ने एक बेहद जोखिमभरा कदम उठा लिया। पीओके की पुलिस को सूचना मिली तो इमरान के केरनी गांव स्थित घर पर छापेमारी की और फातिमा को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पीओके पुलिस ने एक एफआईआर भी दर्ज की है।

फातिमा ने खुलासा किया कि इमरान, जो उसके भाई के साथ विदेश में काम करता है, फोन के जरिए उससे संपर्क में था। इमरान को महिला को एलओसी पार करने के लिए उकसाने और उसके परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी करने के लिए दबाव डालने के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया था। इस बीच, इमरान के परिवार ने मजिस्ट्रेट से संपर्क कर दोनों व्यक्तियों की रिहाई की मांग की है। यह घटना 2023 के एक मामले से मिलती–जुलती है, जिसमें अंजू नाम की एक भारतीय महिला शामिल थी, जो प्यार के लिए पाकिस्तान चली गई थी। अंजू ने खैबर पख्तूनख्वा के अपर दीर घ्घ्में अपने पाकिस्तानी दोस्त नसरुल्लाह से शादी की।

पुंछ (जम्मू और कश्मीर) में पुलिस ने कहा कि फातिमा 28 साल की है और केरनी गांव की निवासी है। वह फकीर मोहम्मद की बेटी है। उन्होंने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। यह गांव एलओसी से कुछ ही दूरी पर है। इस इलाके में कई बार इसी तरह की क्रासिंग हुई है। अक्टूबर 2023 में, 17 वर्षीय मानसिक रूप से विकलांग किशोर इरशाद अहमद को जम्मू और कश्मीर के पुंछ में चक्कां दा बाग क्रासिंग पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया गया। उसे एलओसी पार करके केरनी सेक्टर में घुसने की कोशिश करते समय सेना ने रोक लिया था। वापसी के दौरान दोनों पक्षों के नागरिक अधिकारी मौजूद थे।

गैंगस्टर और आपा नेता नरेश बालियान का ऑडियो जारी

वसूली की रकम आपस में बांटने पर हो रही थी वार्ता

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के उत्तम नगर से आम आदमी पार्टी (आपा) के विधायक नरेश बालियान का एक ऑडियो क्लिप जारी किया है, जिसमें वह किसी गैंगस्टर से बात कर रहे हैं। भाजपा का कहना है कि बालियान का गैंगस्टर से संबंध है और वह वसूली गैंग चलाते हैं। पार्टी ने विधायक पर पैसों की लेनदेन का भी आरोप लगाते हुए बालियान पर कार्रवाई की मांग की है।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, आपा के नरेश बालियान या एक्टॉर्शनिस्ट एमएलए एक गैंगेस्टर से बात कर रहे हैं। इनका व्यवहार ऐसा है, जैसे एक माता से दो भाई हों। ऑडियो में कहा जा रहा है कि बिल्डर को धमकाकर उससे मिले पैसे को हवाला के जरिए आपस में बाट लेंगे।भाजपा ने

ऑडियो क्लिप जारी करते हुए लिखा है, ये हैं आपा के कट्टर ईमानदार। आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान एक गैंगस्टर से बातचीत कर रहे हैं। गैंगस्टर पूछता है कि आपा नेता ने उसके खिलाफ शिकायत क्यों दर्ज कराई है। बालियान जवाब देते हैं कि गैंगस्टर और उसके गुंडे उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। गैंगस्टर जवाब देता है कि वह बालियान की कोई रिकॉर्डिंग वायरल कर देगा।गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपा को गैंगस्टर और वसूली वाली पार्टी बताते हुए कहा कि कट्टर बेईमान आपा अब कट्टर गुंडों की पार्टी बन गई है। इस पार्टी का सबसे बड़ा समर्थक गैंगस्टर हैं, जो खु–लेआम वसूली करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल की मंजूरी से ये वसूली दिल्ली सरकार के एमएलए करवाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास इस तरह के तीन ऑडियो क्लिप हैं।ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने नरेश बालियान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को इस मामले की पूरी जांच करनी चाहिए। जो सबूत मिले हैं, उसके आधार पर विधायक के फरार होने से पहले उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता ने जिन्हें चुना है, वे राष्ट्रीय राजधानी की जनता को लूट रहे हैं।

केजरीवाल पर युवक ने स्प्रिट फेंका, आप ने सुरक्षा–व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शनिवार को पदयात्रा के दौरान एक युवक ने स्प्रिट फेंका। बताया जा रहा है कि स्प्रिट केजरीवाल के कपड़ों पर पड़ा, तब तक उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों ने युवक को पकड़ लिया।

इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए सुरक्षा–व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर हल्ला बोल दिया है।

जानकारी के मुताबिक, आज ग्रेटर कैलाश विधानसभा के सावित्री नगर इलाके में अरविंद केजरीवाल पद यात्रा निकाल रहे थे। आसपास भारी भीड़ थी। लोग उनसे हाथ मिलाने का लगातार प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक ने बिल्कुल करीब आकर उनके कपड़ों पर कुछ फेंका। उसे तुरंत वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया।

उस समय केजरीवाल के साथ मौजूद सौरभ भारद्वाज ने बताया, जब उस आदमी ने अरविंद केजरीवाल पर कुछ फेंका तो मैं उनके साथ मौजूद था। मेरी जैकेट पर भी कुछ गिरा है और जैकेट गीली हुई है।सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि उस युवक ने स्प्रिट फेंका था और उसका इरादा आग लगाने का था। लेकिन वहां मुस्तैद कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया।आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, आज अरविंद केजरीवाल पर भाजपा के एक गुंडे ने हमला किया। कल उन्होंने दिल्ली की बिगड़ती कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाए और आज उन पर कायराना हमला हुआ। यह हरकत बताती है कि कानून–व्यवस्था के सवाल उठाते ही भाजपा कितनी बौखला गई है। लेकिन भाजपा वालों! ध्यान रखना, उनका नाम अरविंद केजरीवाल है। तुम्हारे गुंडों के हमलों से वह डरने वाले नहीं हैं।आप सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर लिखा, कल दिल्ली की बिगड़ती कानून–व्यवस्था पर अरविंद केजरीवाल जी ने आवाज उठाई और आज ही उन पर कायराना हमला किया गया। यह बेहद निंदनीय है। लोकतांत्रिक राजनीति में हिंसा की कोई जगह नहीं है। अरविंद केजरीवाल के साथ करोड़ों लोगों का आशीर्वाद है। जाको राखे साइयां मार सके न कोय!

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी सोशल मीडिया के जरिए भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने लिखा, आज दिनदहाड़े भाजपा के कार्यकर्ता ने अरविंद केजरीवाल पर हमला करने की कोशिश की है। दिल्ली का चुनाव तीसरी बार हारने की बौखलाहट भाजपा में दिखाई दे रही है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली की जनता इसका जवाब देगी। पिछली बार भाजपा की आठ सीट आई थी, इस बार कोई सीट नहीं मिलेगी।

झारखंड में झामुमो ने रखा मंत्रिमंडल का फॉर्मूला

हर पांच विधायक पर होगा एक मंत्री

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला। इसी के साथ राज्य में एकबार फिर झामुमो गठबंधन की सरकार बन गई। हेमंत सोरेन चौथी बार मुख्यमंत्री बने। अब राज्य में मंत्रिमंडल के विस्तार पर चर्चा जारी है। मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर झामुमो नेता मनोज पांडे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे झारखंड में एक संतुलित मंत्रिमंडल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। झामुमो नेता ने बताया कि पांच विधायकों पर एक नेता के फॉर्मुले पर चर्चा हुई। ऐसे में मंत्रियों की संख्या बढ़ जाएगी।झारखंड मंत्रिमंडल (कैबिनेट) के विस्तार पर झामुमो नेता मनोज पांडे ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री झारखंड में जल्द से जल्द एक संतुलित मंत्रिमंडल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि हमारे सहयोगी पार्टियों को विश्वास मिले कि वे भी निर्णय लेने में शामिल हैं। मुझे लगता है कि दो से तीन दिनों के भीतर मंत्रिमंडल का गठन हो जाएगा। हम यह सोच रहे हैं कि कैसे सभी वर्गों को प्रतिनिधि दिया जाए। हमारे में कैबिनेट में अनुभवी महिला सशक्तिकरण और युवा उत्साह शामिल होगा। सबसे महत्वपूर्ण चीज संतुलन है, जिससे कि सभी झारखंडी को लगे कि कैबिनेट में उनका प्रतिनिधित्व है।

मनोज पांडे ने कहा, पांच विधायकों पर एक मंत्री के फॉर्मुले पर चर्चा जारी है। ऐसे में हमारे मंत्रियों की संख्या बढ़ जाएगी। एक कैबिनेट भी बढेगा। हमारे पास 34 विधायक हैं. कुल विधायकों की संख्या 56 हैं। अगर हम 11 मंत्रियों का गुणा करें तो 55 होते हैं। कैबिनेट को अंतिम रूप देने का यह एक आदर्श तरीका होगा, लेकिन यह उच्च स्तरीय अधिकारियों का निर्णय होगा। मैं सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच हुई चर्चा को साझा कर रहा हूं। अंतिम निर्णय हेमंत सोरेन और इंडी गठबंधन के नेता लेंगे। कांग्रेस भी बहुत संतुलित जो भी निष्कर्ष निकलेगा, वह सर्वसम्मत होगा। बता दें कि इस विधानसभा चुनाव में झामुमो ने 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 पर जीत हासिल की। वर्ष 2019 में इतनी ही सीटों पर लड़कर उसे 30 सीट पर जीत मिली थी।

संसद में गतिरोध पर आत्मचिंतन करें जनप्रतिनिधि : धनखड़

नयी दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संसद में जारी गतिरोध पर जनप्रतिनिधियों को आत्मचिंतन करना चाहिए और संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप शत–प्रतिशत कर्तव्य परायणता निभानी चाहिए।

श्री धनखड ने यहां ङ्गविकसित भारत 2047 – विज़न ऑफ न्यू इंडिया 3.0फ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संसद हमारे प्रजातंत्र का मंदिर है और यहां लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का स्थान है। उन्होंने कहा, हमें वहां जनता की पूजा करनी चाहिए। लोगों के सपनों को साकार करना है, लेकिन हम ऐसे मंदिर की गरिमा नहीं रख पा रहे हैं। वहां विचार–विमर्श नहीं हो रहा है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि संसद

बहस, संवाद, विचार विमर्श और चर्चा का स्थान है, लेकिन वहां बाधा और व्यवधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह व्यवधान में समाप्त हो गया। व्यवधान और बाधा को हथियार बना लिया गया है। उन्होंने कहा, मैं पुरजोर अपील करूंगा कि जनप्रतिनिधि अपनी आत्मा को टटोले। अपनी शपथ को ध्यान में रखें, भारत के संविधान की प्रस्तावना को सामने रखें और संसद को शत–प्रतिशत कर्तव्य परायण बनायें।उन्होंने कहा कि राजनीति के अंदर परिवर्तन के बिना कुछ नहीं होता है और देश में यह परिवर्तन हो रहा है। सर्वोच्च पद पर जनजाति की महिला और सबसे शक्तिशाली केंद्र सरकार में अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति हैं। इतिहास में छह दशक के पश्चात किसी प्रधानमंत्री को जनता ने तीसरी बार आशीर्वाद दिया है। धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं है। यह भारत का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के प्रति अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व आर्थिक मंच की सोच बदल रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए प्रति व्यक्ति की आय में आठ गुणा वृद्धि करनी होगी। सरकार की नीतियां सकारात्मक है और लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

विमानवाहक पोत विक्रमादित्य के रिफीट के लिए 1207 करोड़ का अनुबंध

नयी दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य के ङ्गशॉर्ट रिफिटफ और ङ्गड्राई डॉकिंगफ के लिए मेसर्स कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 1207.5 करोड़ रुपये के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।आईएनएस विक्रमादित्य को नवंबर 2013 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। रिफिट का कार्य पूरा होने के बाद आईएनएस विक्रमादित्य उन्नत लड़ाकू क्षमता के साथ नौसेना के सक्रिय बेड़े में शामिल हो जाएगा।

इस परियोजना से देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी और यह रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल हब के रूप में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना में सूक्ष्म, लघु और मझौले क्षेत्र की लगभग 50 इकाईयों की भागीदारी होगी और इससे 3500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा। यह परियोजना सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण को बड़ा बढ़ावा देगी।

एसडीएम बेखबर, छह साल से पेशकार सुना रहा था फैसला

प्रयागराज, 30 नवंबर (एजेंसियां)। एसडीएम कोर्ट के पेशकार ने राजस्व के सैकड़ों मुकदमे एसडीएम के फर्जी हस्ताक्षर से निपटा डाले। जांच में छह साल पुराने फैसले पकड़े गए हैं, जिनमें उसने मनचाहे आपत्तियां लगाईं और स्टे आदेश दिए। इस बीच कई अफसर आए-गए, किसी को खबर ही नहीं हुई। पेशकार को न्यायिक कार्य से हटाते हुए एडीएम ने डीएम से कार्रवाई की सिफारिश की है। कोरांव एसडीएम कोर्ट में लंबे समय से पेशकार हनुमान प्रसाद कब से एसडीएम के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर फैसले जारी कर रहा था, इसकी विस्तृत जांच होनी बाकी है।

एडीएम मदन कुमार ने शुरुआती जांच में दर्जनों मामलों की फर्जी ऑर्डर शीट पकड़ी हैं। इस खेल का खुलासा हुआ, अयोध्या गांव के निवासी रामराज मिश्र की शिकायत से। रामराज ने लिखा कि ग्राम सभा कैथवल के तीन राजस्व मुकदमों को पेशकार ने एसडीएम कोरांव के फर्जी हस्ताक्षर कर निस्तारित किया है। जांच में पता चला कि पेशकार वर्षों से यह खेल कर रहा है। जिन मुकदमों में पीठासीन अधिकारी (एसडीएम) ने कोई निर्णय नहीं लिया, हस्ताक्षर भी नहीं किए, उन्हें पेशकार ने जारी कर दिया है।

ऐसा सिर्फ तीन जुलाई, आठ अगस्त-24 को ही नहीं हुआ, बल्कि दूसरी तिथियों में भी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। कंप्यूटरीकृत ऑर्डर शीट में भी छेड़छाड़ मिली है। दो नवंबर 2018 की एक आर्डर शीट पर लिखा है, दोनों पक्षों की सहमति से पत्रावली आदेश के लिए सुरक्षित की गई है, लेकिन इसमें वादी के हस्ताक्षर हैं, न प्रतिवादी के। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के भी हस्ताक्षर नहीं पाए गए। पांच नवंबर 2018 के टाइप आदेश पर ओवर राइटिंग करके आपत्ति लगाई गई है। तीन जुलाई-24 को रामनायक बनाम मिश्रीलाल के मुकदमे में स्थगन आदेश पर भी एसडीएम के फर्जी हस्ताक्षर से आपत्ति लगाई गई है।

16 दिसंबर 2022 को एक न्यायिक मामले में लेखपाल का बयान दाखिल नहीं किया गया, लेकिन इसका फर्जी उत्तर जारी कर दिया गया। पेशकार के कारनामे सामने आने पर एडीएम ने उससे तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा, लेकिन 20 दिन बाद भी उसने जवाब नहीं दिया। एडीएम ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा है कि स्पष्टीकरण नहीं देने से साफ है कि पेशकार पर लगाए गए आरोप सत्य और मान्य हैं। पेशकार हनुमान प्रसाद का कृत्य उत्तर प्रदेश कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत तो है ही, उच्चाधिकारियों की ओर से दिए गए आदेशों की अवहेलना भी है। एडीएम ने डीएम को रिपोर्ट भेजते हुए कार्रवाई की संस्तुति की है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने पेशकार हनुमान प्रसाद के खिलाफ फर्जी फैसले जारी करने की शिकायत आने पर दो अगस्त को डीएम को कार्रवाई करने के लिए लिखा था। इलाहाबाद सांसद उज्जवल रमण सिंह ने भी पेशकार को हटाने के लिए डीएम कार्यालय को पत्र लिखा। लेकिन, मंत्री-सांसद तक की संस्तुतियां दबा दी गईं। साफ है कि समानांतर एसडीएम कोर्ट चलाने वाले पेशकार की डीएम कार्यालय तक कितनी गहरी पैठ है।

कोरांव की एसडीएम आकांक्षा सिंह ने कहा, पेशकार के कारनामे की जानकारी मिलते ही मैंने उसे न्यायिक कार्य से मुक्त कर दिया था। मुझे पता चला है कि एडीएम ने पेशकार के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की है। मैंने बीती नौ जुलाई को ही कोरांव का कार्यभार ग्रहण किया है। जिन पत्रावलियों में हेराफेरी की गई है, वह पूर्ववर्ती अधिकारियों के कार्यकाल की हैं।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

संभल के हरि मंदिर में सपा सरकार ने बंद करवाई थी पूजा

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित संभल के जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के मेरठ सर्किल में पुरातत्वविद अधीक्षक विनोद सिंह रावत ने एक हलफनामे दायर किया है। इस हलफनामे में कहा गया है कि एएसआई अधिकारियों को निरीक्षण के लिए मस्जिद में जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके साथ ही जामा मस्जिद प्रबंधन समिति ने मस्जिद के अंदर कई हस्तक्षेप एवं बदलाव किए हैं।

हलफनामे में कहा गया है कि एएसआई की एक टीम ने विवादित मस्जिद का साल 1998 में और फिर जून 2024 में निरीक्षण किया था। हलफनामे में कहा गया है, एएसआई के लिए भी स्थिति बहुत कठिन है। एएसआई के अधिकारियों को भी निरीक्षण के लिए स्मारक में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, जिला प्रशासन के सहयोग से एएसआई ने समय-समय पर स्मारक (जामा मस्जिद) का निरीक्षण किया। एएसआई की एक टीम ने साल 1998 में स्मारक का निरीक्षण किया था। एएसआई टीम द्वारा स्मारक का सबसे हालिया निरीक्षण 25 जून, 2024 को किया गया था। निरीक्षण नोट की एक प्रति भी अनुलग्नक-ख के रूप में संलग्न है।

संभल के जामा मस्जिद प्रबंधन समिति ने विवादित मस्जिद में कई तरह के हस्तक्षेप और बदलाव किए हैं। मस्जिद प्रबंधन समिति ने एएसआई टीम को निरीक्षण करने से रोक दिया है। इस तरह एएसआई को मस्जिद की वर्तमान स्थिति के बारे में पता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि एएसआई के पास इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं है कि मस्जिद में कोई अतिरिक्त निर्माण किया गया था या नहीं। हलफनामे में लिखा है, अनुच्छेद 32 और 33 के जवाब में यह प्रस्तुत किया गया है कि स्मारक से जुड़ी मस्जिद प्रबंधन समिति ने स्मारक में विभिन्न हस्तक्षेप, परिवर्धन, संशोधन आदि किए हैं। जून 2024 के महीने में एएसआई के

अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में स्मारक में किए गए कुछ हस्तक्षेपों को दर्ज किया गया है। उक्त निरीक्षण नोट की एक प्रति कृपया अनुलग्नक-ख में देखी जा सकती है। एएसआई टीम को इसके नियमित निरीक्षण से रोक दिया गया है। विनोद सिंह रावत ने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि इस मस्जिद में जब भी किसी आधुनिक हस्तक्षेप या बदलाव की गतिविधि देखी गई तो स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई और इसके जिम्मेदार लोगों एवं संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

इस तरह जामा मस्जिद की वर्तमान स्थिति और उसमें किए गए बदलाव के बारे में एएसआई को जानकारी नहीं है। इस मामले में यह हलफनामा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि 22 दिसंबर 1920 को अधिनियम की धारा 3(3) के तहत संयुक्त प्रांत सरकार ने अधिसूचना जारी करके विवादित स्थल को संरक्षित स्मारक घोषित किया था। देवरिया से भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने जामा मस्जिद का पुराना नक्शा और कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, इनमें कुछ महिलाओं को पूजा करते हुए देखा जा सकता है। त्रिपाठी का कहना है कि साल 2012 की सपा सरकार से पहले जामा मस्जिद में पूजा और शादी-विवाह होते थे। पूजा-अर्चना और शादी-विवाह की पुरानी तस्वीरें भी हैं। सपा सरकार में एमपी शफीकुर्रहमान बर्क के दबाव में पूजा-अर्चना रुकवा दी गई थी। हरि मंदिर को पूरी तौर पर जामा मस्जिद में तब्दील कर दिया गया। सरकारी गजट से लेकर तमाम लेखों में यहां हिंदू मंदिर का जिक्र है। यही वजह है कि आज कुछ लोगों को सर्वे से डर लगता है।

19 अभियुक्तों के विरूद्ध लगाया गया गैंगेस्टर एक्ट

कुशीनगर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में नवरात्रि के अवसर पर पडरौना से रवीन्द्रनगर दुर्गा प्रतिमा ले जाते समय छावनी में मूर्ति पर पथराव करने, विरोध करने पर अभियुक्तगण द्वारा लाठी डंडे व धारदार हथियार से मारपीट कर धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने, लूटपाट करने व दहशत का माहौल पैदा करने जैसा जघन्य अपराध कारित करने वाले गैंग के 19 अभियुक्तों के खिलाफ आज पडरौना पुलिस ने गैंगस्टर लगाया।

पुलिस के अनुसार इलाके में कानून व्यवस्था का बिगाड़ने वाले सेराज पुत्र मासूक निवासी छावनी थाना को. पडरौना कुशीनगर ,उमर अंसारी पुत्र खुर्शीद अहमद निवासी भिसवा लाला थाना रविन्द्रनगर धुस जनपद कुशीनगर ,मो. कैश पुत्र सरताज निवासी छावनी थाना को. पडरौना कुशीनगर, दिलके आलम पुत्र मो. दारा निवासी छावनी थाना को. पडरौना कुशीनगर ,समीर अली पुत्र आजाद निवासी छावनी थाना को. पडरौना कुशीनगर , शमशेर अंसारी पुत्र अजीज अंसारी निवासी गनेशीपट्टी थाना रविन्द्रनगर धुस कुशीनगर ,रमजान अली पुत्र जियाउद्दीन निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर, नूर मुहम्मद पुत्र शब्बीर निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर, शमशेर पुत्र हमीद निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर, नजरूद्दीन पुत्र विक्कल निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर , रफीक अली पुत्र सैजुब अली निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर, मो. नईम पुत्र स्व. अदालत निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर ,रियाजुद्दीन पुत्र सुब्बा निवासी छावनी थाना को. पडरौना जनपद कुशीनगर ,सिराजुद्दीन पुत्र मैनुद्दीन निवासी मुगलपुरा छावनी झड को. पडरौना जनपद कुशीनगर, सरफुद्दीन पुत्र जान मुहम्मद मियां निवासी पैकवलिया थाना सेमरा जनपद पश्चिमी चम्पारण बिहार ,फिरोज अहमद पुत्र ग्यासुद्दीन निवासी भिसवा सरकारी थाना रविन्द्रनगर धूस कुशीनगर , सुल्तान अली पुत्र आलमगीर निवासी गनेशीपट्टी थाना रविन्द्रनगर धूस कुशीनगर , फिरोज अहमद पुत्र नजीर अहमद निवासी भिसवा लाला थाना रविन्द्रनगरधूस कुशीनगर , इकबाल पुत्र सत्तार निवासी छावनी थाना को. पडरौना कुशीनगर के खिलाफ थाना कोतवाली पडरौना पुलिस द्वारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की गयी।

तेज रफ्तार कार ने मारी टेंपो में टक्कर पांच की मौत, छह घायल

बहराइच, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में शनिवार को हुए एक वीभत्स सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने टेंपो को टक्कर मार दी, जिससे टेंपो सवार 5 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई और कार सवार दोनों युवक समेत कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, बस्ती जिले के नव्वागांव के विजय चौधरी (32) अपनी कार के साथ गांव के सोहराब (42) के साथ बहराइच आए थे ताकि अपनी गाड़ी को सही करवा सकें। शनिवार को जब वे बहराइच से वापस बस्ती लौट रहे थे, तब टेंपो सवारी लेकर वीरपुर से इकौना जा रहा था। मोहनीपुर के पास बलरामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने अचानक टेंपो को सामने से टक्कर मार दी। टेंपो में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। टक्कर की तीव्रता इतनी थी कि दोनों गाड़ियां सड़क किनारे गड्ढे में गिर गईं। आस-पास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और तत्काल घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि कार में केवल 2 लोग सवार थे जबकि टेंपो में 9 लोग सवार थे। उन्होंने पुष्टि की कि 5 लोगों की मौत हो चुकी है और 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है, और मृतकों के परिवारों को सूचना दे दी गई है। दुर्घटना में मरने वालों की पहचान लल्लन (44) पुत्र सूबेदार निवासी पांडेय पुरवा थाना इकौना, रफ़ीक (40) पुत्र इद्रीस निवासी वीरपुर सेन थाना पयागपुर, ननके यादव (30) पुत्र मंगल प्रसाद निवासी बरईपुर थाना इकौना, अयोध्या प्रसाद (50) पुत्र चूड़ामणि निवासी मोहम्मदापूर थाना गिलौला श्रावस्ती, मुरलीधर (60) पुत्र जोखू निवासी धरसवा थाना कोतवाली देहात बहराइच के रूप में की गयी है।

मथुरा में 454 हरे पेड़ों की कटाई पर दायर हुई जनहित याचिका

मथुरा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा की प्रस्तावित गुरू कृपा कालोनी में अवैध रूप से सैकड़ों वृक्षों की कटाई को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में पर्यावरणीय विनाश और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 21 (जीवन और पर्यावरण का अधिकार), और 25 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार) के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को उजागर करते हुए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है और कहा गया है कि यह मामला न केवल पर्यावरणीय संरक्षण बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर की रक्षा के लिए एक महत्त्वपूर्ण दृष्टांत स्थापित कर सकता है।

महाकुंभ के सफल संचालन के लिए हो रहा आईसीसी सेंटर का अपग्रेडेशन

प्रयागराज, 30 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े मानवीय समागम महाकुंभ 2025 में 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। सारे विश्व की निगाह महाकुंभ के आयोजन पर लगी रहती है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार और प्रयागराज मेला प्राधिकरण सीएम योगी के मार्गदर्शन और निर्देशन में तैयारियां भी उसी अनुरूप कर रहा है। इसका स्पष्ट उदाहरण है महाकुंभ मेले के सफल आयोजन और संचालन के लिए आईसीसी सेंटर को अपग्रेड करना। आईसीसी सेंटर का निर्माण कुंभ 2019 में किया गया था लेकिन महाकुंभ 2025 का आयोजन और भी भव्य और विशाल होने के कारण इसका उच्चीकरण किया जा रहा है। जिसका निरीक्षण स्वयं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने प्रयागराज दौरे में किया और अपग्रेडेशन कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए।

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, आईसीसीसी का निर्माण कुंभ 2019 के सफल आयोजन के लिए किया गया था। इसका उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। प्रयागराज मेला प्राधिकरण और प्रयागराज स्मार्ट सिटी आईसीसी सेंटर के माध्यम से एआई, चैटबॉट, लाईव सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरों जैसी अत्याधुनिक तकनीकी की मदद से मेले का सफल संचालन करता है। महाकुंभ 2025 का आयोजन पिछले सभी कुंभ, महाकुंभ मेलों के आयोजन से भव्य और विशाल होने के कारण आईसीसी सेंटर को अपग्रेड किया जा रहा है। सीएम योगी के विरासत और विकास के विजन के मुताबिक महाकुंभ की प्राचीनतम परंपरा को अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग से सुगम और सुरक्षित बनाने का प्रयास हो रहा है। सीएम ने स्वयं अपने प्रयागराज दौरे में आईसीसी सेंटर के अपग्रेडेशन का निरीक्षण किया और शीघ्र कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी और मेला प्राधिकरण देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों की मदद से आईसीसी सेंटर के अपग्रेडेशन का कार्य करा रहा है। महाकुंभ 2025 के मद्देनजर लगभग 1650 नए सीसीटीवी कैमरे, 24 एपीएनआर कैमरे, 40 वीएमसीडी, 100 स्मार्ट पार्किंग, क्राउड मैनेजमेंट और व्हीकल काउंट के लिए 268 और 240 एआई कंपोनेट लगाये जा रहे हैं। इसके साथ ही शिकायत निवारण के लिए कॉल सेंटर में 20 सीटें बढ़ाई जा रही हैं। महाकुंभ 2025 में आईसीसी सेंटर मेला, एमसीआर सेंटर, अरैल और झूंसी व्यूविंग सेंटर से पूरे मेले क्षेत्र का निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही एआई कंट्रोल्ड सीसीटीवी कैमरों की मदद से 9 रेलवे स्टेशनों पर क्राउड मैनेजमेंट और निगरानी का कार्य किया जाएगा। 1 दिसंबर से 1920 हेल्पलाइन का कार्य शुरू हो जाएगा।

कन्नौज पुलिस बनेगी यूपी की पहली डिजिटल पुलिस

कन्नौज, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन को उत्तर प्रदेश में योगी सरकार तेज गति से अमली जामा पहनाने में जी-जान से जुटी हुई है। इसके तहत वर्ष के अंत (दिसंबर) तक कन्नौज पुलिस के सभी थाने मोटी-मोटी फाइलों के जंजाल से मुक्त हो जाएंगे। इसी के साथ कन्नौज पुलिस पूरे प्रदेश में पहला ऐसा जिला होगा, जहां सारे थाने ई ऑफिस सिस्टम प्रणाली पर पूरी तरह से काम करते नजर आएंगे, जहां कागजों पर लिखा-पढ़ी का दौर नये साल से गुजरे जमाने की बात हो जाएगा। दरअसल, स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा की ओर कदम बढ़ाते हुए कन्नौज पुलिस सभी थानों, सीओ ऑफिस और एडिशनल ऑफिस समेत तमाम पुलिस ऑफिसेज में ई-ऑफिस सिस्टम लागू कर देगी। इसके लिए तैयारी और ट्रेनिंग लगभग पूरी हो चुकी है। साथ ही सभी थानों और ऑफिस को ई ऑफिस सिस्टम से संबंधित उपकरण उपलब्ध करा दिये गये हैं।

कन्नौज एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में तकनीकी सुधार और आधुनिकरण की दिशा में बड़े कदम उठाये जा रहे हैं। इसी दिशा में कन्नौज पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए सभी थानों को दिसंबर 2024 तक पूरी तरह से डिजिटल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल के तहत थानों में मोटी-मोटी फाइलों का जमाना खत्म होगा और ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। इसी के तहत कन्नौज उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन जाएगा, जहां सभी पुलिस थानों और कार्यालयों में शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली पर काम होगा। पुलिस अधीक्षक कन्नौज ने हाल ही में पुलिस कार्यालय में आयोजित एक समारोह में डिजिटल परिवर्तन की शुरुआत की है। इस दौरान सभी थाना प्रभारियों, क्षेत्राधिकारियों और राजपत्रित अधिकारियों को लैपटॉप वितरित किए गए।

पुलिस अधीक्षक कन्नौज अमित कुमार आनंद ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। यह प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों को ई-ऑफिस की तकनीकी जानकारी दी जा रही है। यह प्रणाली एनआईसी (नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर) द्वारा तैयार की गई है और यह केंद्रीय सचिवालय नियमावली पर आधारित है। उन्होंने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए जिले में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया है। सभी पुलिस थानों और कार्यालयों को आवश्यक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ई-ऑफिस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य फाइलों और डेटा के डिजिटल प्रबंधन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। यह प्रणाली शिकायतों और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को तेज बनाएगी, जिससे जनता को त्वरित न्याय मिल सकेगा। साथ ही डिजिटल फाइल के जरिये मॉनिटरिंग से अधिकारियों को कार्यों पर नजर रखने और निर्णय प्रक्रिया को सुगम बनाने में काफी मदद मिलेगी। वहीं ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से जनता को भी कई लाभ होंगे। इससे थानों में लंबित शिकायतों के निपटारे में देरी नहीं होगी और रिपोर्टिंग प्रक्रिया पारदर्शी के साथ समयबद्ध होगी। इसके अलावा थानों और जिला कार्यालयों में भ्रष्टाचार की संभावना भी कम होगी। कन्नौज पुलिस की पहल जनता के लिए एक नई उम्मीद की किरण लेकर आई है। इससे न केवल पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम होगा, बल्कि आमजन को पुलिस विभाग से जुड़ी सेवाओं का लाभ तेजी और पारदर्शी तरीके से मिलेगा। कन्नौज पुलिस की यह पहल प्रदेश के अन्य जिलों के लिए प्रेरणा है।

यहां मनाएं छुट्टियां...

आ गया मौसम सैर-सपाटे का... यानी घूमनेघुमाने का। और इस सैर-सपाटे में हम आपकी मदद न करें, ऐसा हो सकता है भला! देखिए, आपके लिए कैसी जानकारी जुटाकर लाए हैं...

बेकल केरल

वैसे तो केरल का एक-एक कोना देखने योग्य है, लेकिन अगर आप केरल की यात्रा का प्रोग्राम बना रहे हैं, तो एक दिन के लिए बेकल जरूर जाएं।

समुद्र के किनारे बसा एक शांत और सुंदर-सा शहर है बेकल। इस शहर को ऐतिहासिक और टूरिज्म मैप दोनों जगह से ही भुला दिया गया था। लेकिन बेकल के बीच से जाते हुए रेलवे ट्रैक ने इसे याद रखा। यहां से होते हुए जब रेल गुजरती थी, तब अंदर मौजूद लोग बाहर दिखने वाले विशाल और खूबसूरत किले देखकर हैरान रह जाते थे। धीरे-धीरे इस स्थल को लोग जानने के लिए आगे आने लगे और इसे पहचान मिली।

कांजीरंगा असम

यह पार्क असम के सबसे बड़े शहर, गोवाहाटी से 217 किलोमीटर दूर स्थित है। ज्यादातर पर्यटक यहां से इस पार्क तक बस या टैक्सी करके जाते हैं।

वनस्पति और विभिन्न जानवरों से सजी यह भूमि, असम के गोलाघाट और नागाओं जिले में स्थित 'कांजीरंगा नेशनल पार्क' के नाम से जानी जाती है। ब्रह्मपुत्र की दलदली भूमि पर बसे इस अभयारण्य में पक्षियों और कुछ जानवरों को विचरण करते देखना एक विशिष्ट अनुभव है। इसलिए इस स्थल को 'वर्ल्ड यूनेस्को साइट' में स्थान प्राप्त है। एक सींग वाला गेंडा, बाघ, हाथी, तेंदुआ, बंदरों की सेना और विभिन्न प्रजाति के पक्षी आपको यहां देखने को मिलेंगे। यहां सफारी का भी आयोजन किया जाता है।

मसूरी उत्तराखंड

घने देवदार के जंगल, सफेद बर्फीले पहाड़, झरने और कोहरे की चादर। कुछ ऐसी ही है मसूरी की खूबसूरती। यहां का 'कैमल्स बैक रोड' काफी प्रसिद्ध है, जहां से सूर्यास्त देखना स्वर्ग जैसा अहसास कराता है। इसके अलावा मसूरी झील, गन हिल भी देखी जा सकती है और साथ ही मजा लिया जा सकता है केबल राइड का। यह तो कहने की जरूरत ही नहीं कि प्रकृति के बीच रहकर इसकी एक-एक बारीकी पर ध्यान देना न भूलें। मार्च से जून के बीच यहां का मौसम घूमने के लिए उपयुक्त माना जाता है।

देहरादून से मसूरी 35 किलोमीटर दूर स्थित है। देहरादून के रेलवे स्टेशन से आसानी से यहां बस या टैक्सी से पहुंचा जा सकता है।

स्पीति हिमाचल प्रदेश

चंडीगढ़ और शिमला से स्पीती तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

तिब्बत और भारत के बीच की भूमि के तौर पर स्थित है स्पीति। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, जिनकी चोटियां बर्फ़ से ढकी होती हैं, यहां की पहचान हैं। इसके अलावा सुंदर बौद्ध-मठ भी देखने लोग यहां आते हैं। दूर तक खाली जमीन और फिर ऊंचे पहाड़ देखकर बोर हो गए हैं, तो यहां कल-कल आवाज करती नदियां भी हैं। शहरी भीड़ से दूर अगर छुट्टियां मनाना चाहते हैं, तो इस तरह का रिमोट स्थल एक अच्छा विकल्प है।

साल भर जमकर पढ़ाई करने के बाद, रात-दिन जगने के बाद आता है समय छुट्टियों का। या कह लें घूमने जाने का, बात तो एक ही है। छुट्टियां होते ही बाहर जाने के प्रोग्राम बनने लगते हैं। कभी किसी नई जगह को देखने का प्रोग्राम, तो कभी किसी पुरानी जगह को नए नजरिए से देखने का। इसलिए तो भारत के ऐसे स्थलों की जानकारी जुटाकर लाए हैं हम, जहां आपको इन छुट्टियों में जरूर जाना चाहिए। और अगर इन स्थलों को पहले देख चुके हैं, तो अपने मित्रों को इनके बारे में जानकारी दें और अगर इस साल आपका प्लान नाना-नानी, मौसा-मौसी के घर जाने का है, तो कोई बात नहीं, यहीं किड्स पेज के जरिए इनकी सैर कर लीजिए।

तो चलिए, चलते हैं भारत के चुनिंदा स्थलों की सैर पर...

कैसा हो बुरे के साथ बर्ताव?

एक सवाल बादशाह अकबर के दिमाग में काफी देर तक चलता रहा। अपनी इस जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्हें दरबारियों से बात करना ही सही लगा। उनके उत्तर से वह संतुष्ट न हुए, तो बीरबल से पूछ बैठे। क्या था बीरबल का जवाब?

दरबार लगा हुआ था और अकबर अपने सिंहासन पर बैठे थे। अचानक उन्होंने अपने वजीरों से एक सवाल पूछा, 'यदि आपके सामने कोई नालायक आदमी आ जाए, तो क्या करना चाहिए?'

दरबारियों के चेहरे के भाव देखकर बादशाह समझ गए कि सवाल समझ में नहीं आया। अपने सवाल को और आसान तरीके से पूछा, 'मेरा मतलब यह कि यदि कोई नालायक या बुरा आदमी, जो सही बात कह नहीं सकता और न ही सही व्यवहार कर सकता है, यदि आपके सामने आ जाए, तो आपको किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए?'

किसी ने कहा, उसे पीट कर भगा देना चाहिए, तो किसी ने कहा, उसे जेल में बंद कर देना चाहिए। चर्चा हो ही रही थी कि बीरबल आ गए। बादशाह ने अपना सवाल बीरबल के सामने भी रखा। बीरबल ने कहा, 'बादशाह सलामत, यह सवाल बहुत गंभीर है, इसलिए इसका जवाब सोच-विचार कर कल दूंगा।' बादशाह ने उनकी बात मान ली।

दूसरे दिन बीरबल दरबार में एक अन्य व्यक्ति के साथ आए। उस व्यक्ति के शरीर पर न तो अच्छे कपड़े थे और न ही पांव में जूते। हां, उसका शरीर जरूर एक चादर से ढंका हुआ था।

बीरबल ने कहा, 'हुजूर, ये एक बहुत बड़े फकीर हैं, रात-दिन इबादत में लगे रहते हैं। आपके सवाल का जवाब देने के लिए मैं इन्हें बड़ी मिन्नत करके ले आया हूं। आप अपना सवाल इनसे कीजिए, सही जवाब मिलेगा।' बादशाह ने अपना सवाल रखते हुए कहा, 'फकीर साहब, यदि कोई नालायक़ आदमी आपके सामने आ जाए, तो फिर क्या करना चाहिए? उससे कैसा व्यवहार करना चाहिए?' फकीर साहब ने कोई जवाब नहीं दिया, यूं ही चुपचाप बैठे रहे। बादशाह को लगा कि फकीर साहब उनकी बात को समझ नहीं पाए। इसलिए उन्होंने अपने सवाल को दोहराया, पर फकीर ने कोई जवाब नहीं दिया। यह सोचकर कि फकीर साहब बहरे हैं, कम सुनते होंगे, बादशाह ने खूब जोर से अपनी बात कही, पर फकीर साहब ज्यों-के-त्यों रहे।

अब बादशाह हैरान थे कि बात क्या है, जो फकीर चुप हैं और मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं देते। उन्होंने बीरबल की तरफ देखा, तो बीरबल ने खड़े होकर कहा, 'जहांपनाह, फकीर साहब ने आपके सवाल का जवाब दे तो दिया कि जब आपके सामने कोई नालायक़ आदमी हो, तो चुप रहना चाहिए। उसकी बातों में उलझना नहीं चाहिए, उसकी उपेक्षा करनी चाहिए।' बीरबल की बात सुनकर बादशाह खुश हुए। उनकी प्रशंसा की और फकीर साहब को पूरी इज्जत से भेंट देकर विदा किया।

कविता — पूसी रानी

मेरे घर एक बिल्ली रानी,
खाती दूध-भात की सानी ।

चूहों को डराती है वह,
सब पर रौब जमाती है वह ।

म्याऊं-म्याऊं शोर मचाती,
बच्चों को है आंखें दिखाती ।

अंधेरे में जगती रहती,
बैठे वह घात लगाए रहती।

नाम है उसका पूसी रानी,
वैसे है वह चूहे खानी ।

क्या आप जानते हैं?

मौसी नहीं खाती मीठा!

प्राणी जगत के कुछ ऐसे तथ्य आपको बताने जा रहे हैं, जिन्हें जानकर आपकी आंखे खुली की खुली रह जाएंगी। तो चलें...

1. अपनी बिल्ली मौसी मीठा नहीं खातीं क्योंकि उन्हें मीठे का स्वाद ही नहीं आता।
2. ऊंट की कुबड़ को छोड़ दिया जाए, तो उसकी रीड़ की हड्डी सीधी रहती है।
3. कुत्ते और बिल्ली मनुष्यों की तरह ही दाएं हाथ या बाएं हाथ का इस्तेमाल करते हैं।
4. डॉल्फिन एक आंख बंद करके झपकी लेती है।
5. ड्रैगनफ्लाई के छह पैर होते हैं, पर वो चल नहीं सकता।
6. बतख सुबह ही अंडे देती हैं।
7. मेंढ़क बिना पलके झपकाए निगल नहीं सकते।
8. जिराफ खांस नहीं सकते।
9. मगरमच्छ पत्थर खा लेते हैं, ताकि सतह तक पहुंच सकें।
10. मेंढ़क का शिकार अगर हिलता रहेगा, तो वो उसे पकड़ नहीं सकता।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद हुए बवाल में 39 गिरफ्तार

ढाका, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में गिरफ्तार इस्कॉन के पूर्व पदाधिकारी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत न मिलने के बाद जनाक्रोश के फलस्वरूप हुए बवाल के सिलसिले में पुलिस ने अब तक 39 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हिंसा में मारे गए चटगांव के वकील सैफुल इस्लाम अलीफ के परिवार ने 46 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त काजी तारेक अजीज ने 39 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कोर्ट क्षेत्र और कोतवाली पुलिस स्टेशन में इंटरनेशनल इस्कॉन समर्थकों और अन्य के बीच हुई झड़प के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार लोगों पर पुलिस पर हमला करना, वाहनों में तोड़फोड़ करना और सरकारी कर्तव्य में बाधा डालने का आरोप है।

हिंसा में मारे गए चटगांव के वकील सैफुल इस्लाम अलीफ के परिवार ने तड़के 46 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बंदरगाह शहर के कोतवाली पुलिस थाने में दर्ज कराए मामले पर थाना प्रभारी मोहम्मद अब्दुल करीम ने कहा कि सैफुल के पिता जमाल उद्दीन ने शिकायत में 31 आरोपितों का ब्यौरा देते हुए और बाकी को अज्ञात दर्शाया है।

नामजद आरोपितों में चंदन, अमन दास, शुभो कांति दास, बुंजा, रनब, बिधान, बिकास, रमित, रुमित दास, नयन दास, गगन दास, बिशाल दास, ओंकार दास, बिशाल, राजकपूर, लाला, समीर, सोहेल शामिल हैं। दास, शिव कुमार, बिगलाल, पराश, गणेश, ओम दास, पोपी, अजय, देबी चरण, देब, जॉय, दुर्लव दास और राजीव भट्टाचार्य हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में झड़प के दौरान सैफुल इस्लाम की हत्या कर दी गई थी। वकीलों ने इस घटना के लिए इस्कॉन अनुयायियों को जिम्मेदार ठहराया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ने चीन के बीआरआई पर सशर्त सहमति जताई

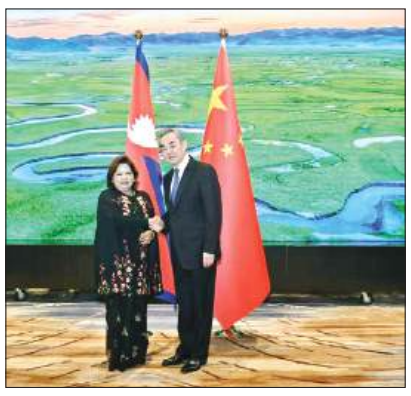

काठमांडू। नेपाल ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन को लेकर सशर्त सहमति जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रेस नोट में यह जानकारी दी गई। नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा ने शुक्रवार शाम चीन दौरे के दौरान चेंगदू में अपने समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। इस बैठक में बीआरआई का मुद्दा भी उठा। नेपाल ने बीआरआई के कार्यान्वयन को लेकर सशर्त सहमति दे दी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बीआरआई के कार्यान्वयन के लिए ऋण की जगह अनुदान की शर्त रखी है। साथ ही करीब एक दर्जन परियोजना को बीआरआई के अंतर्गत रखकर अनुदान देने का आग्रह किया गया है। विदेश मंत्रालय के कार्यवाहक सचिव अमृत राई ने बताया कि यदि चीन नेपाल की इन शर्तों पर अपनी सहमति जताता है तो प्रधानमंत्री ओली के बीजिंग भ्रमण के समय इस पर हस्ताक्षर होने की प्रबल संभावना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो फ्लोरिडा पहुंचे ट्रंप से मिलने

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिलने के लिए आकस्मिक यात्रा पर फ्लोरिडा पहुंचे। फ्लाइट ट्रैकर्स ने पाम बीच के रास्ते में ट्रूडो के विमान की पहचान की। यह यात्रा ट्रंप की कनाडा, मैक्सिको और चीन पर संभावित आयात शुल्क की घोषणा के बाद हुई है। प्रधानमंत्री ट्रूडो के कार्यालय ने अभी तक यात्रा की पुष्टि नहीं की है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जस्टिन ट्रूडो शुक्रवार रात मार-ए-लागो में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिलने के लिए फ्लोरिडा पहुंचे। एक अधिकारी ने कहा, ट्रूडो और ट्रंप को एक साथ भोजन करना था। ट्रूडो के साथ कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक भी थे। हालांकि ट्रंप की टीम ने शुक्रवार को उनके कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की। न ही टीम ने इसकी पुष्टि के अनुरोध का जवाब दिया ।

बांग्लादेश ने कोलकाता में राष्ट्रीय ध्वज जलाने की निंदा की, भारत से राजनयिक मिशनों की सुरक्षा का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत के कोलकाता में अपने उप उच्चायोग के बाहर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज को जलाने की कड़ी निंदा की है। अंतरिम सरकार ने भारत से बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों और कर्मियों की सुरक्षा की गारंटी के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आह्वान किया है। एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में दिख रही है लेकिन उप उच्चायोग के अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में है। बयान के अनुसार, बांग्लादेश राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने और मुख्य सलाहकार का पुतला जलाने की शर्मनाक घटना की कड़ी निंदा करता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, गुरुवार दोपहर कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के बाहर बोंगियो हिंदू जागरण नामक एक हिंदू संगठन द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। बाद में प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए। लोग पुलिस बैरिकेड्स को तोड़कर बांग्लादेश मिशन की ओर बढ़ गए। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को आग लगा दी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार का पुतला जलाया। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से समूचे भारत में आक्रोश है।

कमला हैरिस के वीडियो पर विवादः सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा रखा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद कमला विवादों में आ गई हैं। विरोधियों ने वीडियो में उनके व्यवहार को लेकर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने इसे अजीब और असहनीय करार दिया है, जबकि अन्य ने इसे सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल इस वीडियो में कमला हैरिस के हाव-भाव और बोलने के अंदाज को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने आलोचना की है। वर्जीनिया फॉक्स (आर-एनसी) ने तो इसे डायल-अप मॉडेम साउंड से भी अधिक असहनीय बताया है।

सीरिया में आतंक! जिहादियों ने कत्लेआम किया और शहर में घुसे, कई गांव भी कब्जाए

तेहरान, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

जिहादियों और उनके तुर्की समर्थित विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर हमला कर दिया। कत्लेआम मचाते हुए अंदर घुस गए। कई इलाकों और गांवों पर कब्जा कर लिया। विद्रोहियों ने ईरान और रूस समर्थित सरकार की सेनाओं पर गोलीबारी की। इसे अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। इसमें 255 लोग मारे गए हैं। मरने वालों में ज्यादातर लड़ाके बताए जा रहे हैं। 24 आम नागरिकों के भी मारे जाने की खबर है। एजेंसियों के मुताबिक, ज्यादातर रूस के हवाई हमले में मारे गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमला बुधवार रात शुरू हुआ। ठीक उसी दिन जिस दिन से लेबनान में हिजबुल्लाह और इजराइल की सेनाओं के बीच युद्ध विराम का ऐलान हुआ था। इस्लामी आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम से जुड़े एक चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में उनके लड़ाके शहर के अंदर वाहनों में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। 2016 में सेना द्वारा खदेड़े जाने के बाद यह पहली बार है जब राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना से लड़ने वाले विद्रोही अलेप्पो तक पहुंचे हैं।

ब्रिटेन स्थित ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, शुक्रवार तक जिहादियों और उनके सहयोगियों ने उत्तर में 50 से अधिक कस्बों और गांवों पर कब्जा कर लिया था। सरकार और विद्रोहियों के बीच 2011 से यह युद्ध चल रहा है। इसमें अब तक पांच लाख से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अलेप्पो लगभग 20 लाख की आबादी वाला शहर है। गृहयुद्ध से पहले यह सीरिया का मैन्यूफैक्चरिंग हब हुआ करता था। सभी जिहादी अलकायदा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने शहर में एक छात्रावास पर बमबारी की, जिसमें चार छात्र मारे गए। उधर, सीरियाई और रूसी विमानों ने इदलिब के आसपास के विद्रोही इलाकों पर हवाई हमले किए। ये वो इलाका है, जहां ज्यादातर जिहादी जमा हैं। इनसे निपटने के लिए सेना की अतरिक्त टुकड़ी अलेप्पो शहर पहुंच गई है। कुछ इलाकों को इनके कब्जे से मुक्त करा लिया गया है।

व्लादिमीर पुतिन क्यों कर रहे हैं ट्रंप की चिंता

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीरी पुतिन ने अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जान के खतरे में होने की आशंका जता दी है। यूक्रेन पर भीषण हमले के बीच उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप कुछ करना चाहते हैं तो करें वरना हम कीव में जलजला ला देंगे। उसे रसातल में मिला देंगे। अब रूसी राष्ट्रपति के इन दोनों बयानों के मायने निकाले जा रहे हैं।

ट्रंप के बारे में पुतिन की चिंता की वजह कुछ और नहीं बल्कि अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति की नीति है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका फर्स्ट की नीति पर चलते हैं और वह युद्ध में यूक्रेन को बहुत अधिक सहायता देने के पक्ष में नहीं हैं। वह यूक्रेन को अमेरिकी सहायता अमेरिकी टैक्स पेयर के पैसे की बर्बादी बताते हैं। इससे उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप के शासन की बागडोर संभालने के बाद यूक्रेन पर दबाव बढ़ेगा और वह रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की किसी योजना का हिस्सा बनेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक कजाकिस्तान के दौरे पर गए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह अमेरिकी चुनाव प्रचार को लेकर अचंभित हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह असभ्य तरीके अपनाए गए। यहां तक कि उनकी जान लेने की भी कोशिश हुई।

वो भी एक नहीं दो-दो बार। मेरा मानना है कि ट्रंप की जिंदगी सुरक्षित नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी इतिहास में कई घटनाएं घटी हैं लेकिन मेरा मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप समझदार हैं और मुझे लगता है कि वह खतरों के प्रति सचेत हो गए हैं।

ट्रंप ने उड़ाई शरीफ सरकार की नींद, बज गई पाकिस्तानी सेना हेडक्वॉर्टर में खतरे की घंटी

इस्लामाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

इस वक्त पाकिस्तानी नीति निर्माता ट्रंप की पसंद पर कड़ी नजर रख रहे हैं, जो अमेरिकी प्रशासन की भावी विदेश नीति का संकेत है। जिन नामों का ऐलान हुआ है, उससे यह स्पष्ट संदेश जाता है कि ट्रंप सरकार के लिए भारत प्राथमिकता सूची में काफी ऊपर है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी विदेश नीति की प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं है। सीनेटर मार्को रुबियो को अगले अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने भारत का समर्थन करने वाला एक विधेयक पेश किया था, जिससे रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में खतरे की घंटी बज गई थी। रुबियो की तरफ से सीनेट में पेश किए गए 'अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग अधिनियम' में क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने की अपील की गई। विधेयक में प्रस्तावित किया गया कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के मामले में भारत को जापान, इजरायल, दक्षिण कोरिया और नाटो जैसे सहयोगियों के बराबर माना जाना चाहिए। इसमें यह भी सुझाव दिया गया कि नई दिल्ली को रक्षा, प्रौद्योगिकी, आर्थिक निवेश और नागरिक अंतरिक्ष में सहयोग के माध्यम से सुरक्षा मदद प्रदान की जानी चाहिए। रुबियो के प्रस्तावित विधेयक में विभिन्न प्रॉक्सी समूहों के जरिए भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने में पाकिस्तान की संलिप्तता का भी उल्लेख किया गया था। इसमें सुझाव दिया गया कि इस्लामाबाद को कोई भी अमेरिकी सुरक्षा सहायता प्रदान नहीं की जानी चाहिए। ट्रंप ने यूएस नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर के महत्वपूर्ण पद के लिए तुलसी गबार्ड को नामित किया है। तुलसी ने न केवल फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत का समर्थन किया था। वहीं वह इस्लामाबाद की ओर से अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पनाह देने के बारे में भी मुखर रही हैं, जिसे 2011 में एबटाबाद में अमेरिकी नौसेना के जवानों ने एक ऑपरेशन में मार गिराया था। जॉन रैटक्लिफ, जो सीआईए का नेतृत्व करेंगे, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं।

प्रदर्शन

लंदन में एक तरफ तो संसद के अंदर सांसदों के बीच मृत्यु सहायता कानून पर बहस चल रही थी। वहीं दूसरी तरफ ब्रिटिश संसद के बाहर इस कानून के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान लोग तख्तियां थामे हुए प्रदर्शन कर रहे थे।

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में श्रीलंकाई ध्वज लगी दो नौकाएं पकड़ीं, 500 किग्रा क्रिस्टल मेथ बरामद

कोलंबो, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के संदेह में श्रीलंकाई ध्वज वाली दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सफलतापूर्वक रोक लिया। जांच के दौरान यह संदेह सच निकला। भारतीय नौसेना ने दोनों नौकाओं के चालक दल के सदस्यों और बरामद ड्रग को श्रीलंका की नौसेना को सौंप दिया। श्रीलंका के समाचार पत्र डेली न्यूज की खबर के अनुसार 24 और 25 नवंबर को चलाए गए ऑपरेशन के परिणामस्वरूप लगभग 500 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ ड्रग जब्त किया गया। भारतीय नौसेना ने क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत समुद्री साझेदारी को रेखांकित करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए ड्रग और चालक दल के सदस्यों को श्रीलंकाई नौसेना को सौंप दिया ।श्रीलंकाई नौसेना के अनुसार भारतीय नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट की हवाई निगरानी की वजह से यह सफलता मिली। इस अभियान की कामयाबी में भारत के गुरुग्राम में स्थापित सूचना संलयन केंद्र के इनपुट की बड़ी भूमिका रही। 2018 में स्थापित भारतीय नौसेना का यह केंद्र हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा और संरक्षा बढ़ाने की दिशा में काम करता है।

52 करोड़ में एक केला खरीदा और सबके सामने खा गया

न्यूयॉर्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

चीन मूल के क्रिप्टोकरेंसी संस्थापक जस्टिन सन ने एक कमाल का कारनामा करके दिखाया। उन्होंने पहले 6.2 मिलियन डॉलर यानी 52.4 करोड़ रुपये खर्च कर दीवार पर टेप से चिपके केले की कलाकृति को खरीदा। फिर उसे मीडिया और अन्य लोगों की मौजूदगी में खा भी लिया। यह पहला मौका नहीं है जब कलाकृति वाला केला खाया गया हो। इससे पहले भी दो बार इस तरह के केले को खाया जा चुका है। ऐसा केला पहली बार 2019 में एक प्रदर्शन कलाकार द्वारा और फिर 2023 में एक दक्षिण कोरियाई छात्र द्वारा खाया गया था। हालांकि पिछले मामलों में किसी ने भी कोई पैसा नहीं खर्च किया था। उद्योगपति सन ने पिछले सप्ताह नीलामी जीतने के तुरंत बाद कलाकृति के इतिहास का हिस्सा बनाने के लिए फल खाने की अपनी योजना का ऐलान किया था।

हांगकांग में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सन ने पहले मीडिया से बात की और फिर उनके सामने ही इटली के कलाकार मौरिज़ियो कैटेलन द्वारा बनाए गए आर्टवर्क को फेमस करने बाद उस महंगे केले को खा लिया। सन ने फल के स्वाद के बारे में बताते हुए कला और क्रिप्टो के बीच समानताएं भी बताईं। केला खाने के बाद उन्होंने कहा कि यह अन्य केलों की तुलना में बहुत बेहतर। रिपोर्ट के मुताबिक इस कार्यक्रम में शामिल हर व्यक्ति को एक केला और डक्ट टेप का एक रोल निशानी के रूप में दिया गया। केले का पहले ऑक्शन हुआ था। सन ने छह अन्य लोगों के साथ पहले कंपटीशन में हिस्सा लिया था। नीलामी न्यूयॉर्क में हुई थी। यह पहला मौका नहीं है जब कलाकृति वाला केला खाया गया हो। इससे पहले भी दो बार इस तरह के केले को खाया जा चुका है। उन्होंने उस समय कहा था, आने वाले दिनों में मैं व्यक्तिगत रूप से इस आर्टवर्क वाले केला खाऊंगा ताकि कला इतिहास और लोकप्रिय संस्कृति दोनों में इसके स्थान का सम्मान हो सके। यह एक सांस्कृतिक घटना का प्रतिनिधित्व करता है जो कला, मीम्स और क्रिप्टोकरेंसी समुदाय की दुनिया को जोड़ता।

पाकिस्तान में सब इंस्पेक्टर को गोली से उड़ाया, दो को विस्फोट कर मारा, छह का अपहरण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो घटनाओं में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। इसके अलावा बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने जंगल से छह लोगों को अगवा कर लिया। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवत में फैसलाबाद से छुट्टी पर घर आए सब इंस्पेक्टर कादिर खान को अज्ञात लोगों ने गोलियों से भून दिया। इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर विलय जिले में दो अलग-अलग विस्फोटों में एक पुलिसकर्मी सहित दो लोगों की जान चली गई डॉन समाचार पत्र के अनुसार बलूचिस्तान के खारन-नोशकी राजमार्ग पर रेको जरीन जंगल क्षेत्र में गंडारी बांध की एक चौकी और बांध निर्माण स्थल पर हथियारबंद लोगों के समूह ने हमला कर छह लोगों का अपहरण कर लिया। यह घटना शुक्रवार तड़के की है। इन लोगों ने सबसे पहले राजमार्ग को अवरुद्ध कर लेवी चौकी के कर्मचारियों पर हमला किया। फिर उनके हथियार कब्जा लिए। यहां से यह समूह बांध निर्माण स्थल पहुंचा और छह व्यक्तियों का अपहरण कर लिया। पीड़ित क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के रहने वाले हैं। इस घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

केन विलियमसन 9000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बने

क्राइस्टचर्च, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शनिवार को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह 9,000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले क्रिकेटर बन गए हैं।

उन्होंने क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। चोट से वापसी करने के बाद केन विलियमसन ने क्राइस्टचर्च टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया।

34 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में 86 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेली। 36वें ओवर में क्रिस वोक्स द्वारा उन्हें आउट करने के बाद उनकी पारी का अंत हुआ। इससे पहले पहली पारी में कीवी बल्लेबाज ने 47.21 की स्ट्राइक रेट से 197 गेंदों पर 93 रन बनाए थे।

टेस्ट मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। विलियमसन के 93 और फिलिप्स 58 रनों की जुझारू पारी की बदौलत कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में 348 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ब्राइडन कार्स और शोएब बशीर ने 4-4 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक की 197 गेंदों में 171 रनों की शानदार पारी और बेन स्टोक्स के 80 रनों की बदौलत अपनी पहली पारी में 499 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए नाथन स्मिथ ने 3 और मैट हेनरीने 4 विकेट लिए।

लीसेस्टर सिटी के नए कोच नियुक्त हुए रूड वान निस्टेलरॉय

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने शुक्रवार को रूड वान निस्टेलरॉय को जून 2027 के अंत तक अनुबंध के साथ अपना नया प्रथम टीम कोच नियुक्त किया। पूर्व स्ट्राइकर ने पीएसवी आइंडहोवन को कोचिंग दी है, वह मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हैग के सहायक थे, टेन हैग की बर्खास्तगी के बाद अंतरिम बॉस के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रभारी के रूप में चार में से तीन मैच जीते, इसके बाद उन्होंने दो सप्ताह पहले क्लब छोड़ दिया। उन्हें स्टीव कूपर की जगह लेने का काम सौंपा गया है, जिन्होंने पिछले सप्ताहांत में चेल्सी के खिलाफ घरेलू मैदान पर लीसेस्टर की 2-1 की हार के बाद अपनी नौकरी खो दी थी, जबकि वे केवल 12 प्रीमियर लीग मैच ही प्रभारी के रूप में खेल पाए थे। कोच नियुक्त किये जाने पर निस्टेलरॉय ने कहा, मुझे गर्व है, मैं उत्साहित हूँ ... लीसेस्टर सिटी के बारे में मैं जिस किसी से भी बात करता हूँ, वे सभी उत्साही हैं। उनके पास क्लब में काम करने वाले लोगों, समर्थकों की गुणवत्ता के बारे में शानदार कहानियाँ हैं और निश्चित रूप से, क्लब का हालिया इतिहास प्रभावशाली है। निस्टेलरॉय, जिनका पहला मैच 3 दिसंबर को घरेलू मैदान पर वेस्ट हैम के साथ होगा, ने कहा, मैं शुरुआत करने, सभी को जानने और फुटबॉल क्लब के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्साहित हूं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हेजलवुड, एबॉट और डॉगेट टीम में शामिल

नई दिल्ली। जोश हेजलवुड साइड स्ट्रेन के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट, जो दोनों टेस्ट स्तर पर अनकैप्ड हैं, को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है, हालांकि डे-नाइट टेस्ट के लिए इलेवन में हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक बयान में कहा गया है कि हेजलवुड को बाईं ओर हल्की चोट है और वह अपनी रिकवरी के लिए एडिलेड में टीम के साथ रहेंगे। हेजलवुड पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे जिन्होंने 34 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। पिछले साल एशेज में हेडिंग्ले के बाद से यह पहला टेस्ट होगा जिसे हेजलवुड ने मिस किया है। पिछले साल एशेज में उन्हें लगातार कई चोटें लगी थीं - जिसमें दो साइड स्ट्रेन भी शामिल थे - जबकि उन्हें विभिन्न उपमहाद्वीपीय दौरों पर परिस्थितियों के कारण भी बाहर रखा गया था। दिसंबर 2021 और जून 2023 के बीच उन्होंने सिर्फ़ चार टेस्ट खेले। अगर बोलैंड की वापसी होती है तो उम्मीद के मुताबिक लीड्स में एशेज गेम में हेजलवुड की जगह खेलने के बाद यह उनका पहला टेस्ट होगा। घरेलू मैदान पर उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने छह मैचों में 12.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। पिछले सीजन में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने सभी सात टेस्ट मैचों में बिना किसी बदलाव के गेंदबाजी आक्रमण के साथ जीत हासिल की थी और पिछले हफ्ते पर्थ टेस्ट में लगातार 10वें टेस्ट में हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ने एक साथ गेंदबाजी की थी। ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद वाली टीमों में नियमित रूप से खेलने वाले एबॉट को अक्सर टेस्ट कैप न मिलने के कारण दुर्भाग्यशाली माना जाता है। इस बीच, डॉगेट के लिए यह राष्ट्रीय टीम में वापसी का एक शानदार मौका है, क्योंकि उन्हें 2018 में यूएई में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए चुना गया था।

केसीसी फाइटनाइट के लिए लखनऊ पहुंचे फाइटर्स, एक दिसम्बर को होगा मुकाबला

लखनऊ। नवाबों के शहर में होने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के रोमांचक मुकाबले केसीसी फाइटनाइट की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस फाइट में अपनी चुनौती पेश करने को तैयार देश के शीर्ष एमएमए फाइटर में शुमार राना रूद्र प्रताप सिंह सहित अन्य विश्व स्तरीय फाइटर लखनऊ पहुंच गए और एक दिसंबर को चौक स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में होने वाले मुकाबले को लेकर सर्वश्रेष्ठ एक्शन का लखनऊ वासियों से वादा किया। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) के तत्वावधान में होने वाली चैंपियनशिप में शनिवार 30 नवंबर 2024 को शाम पांच बजे से इन सभी 16 फाइटर्स का वजन किया जाएगा और फाइटर एक-दूसरे से रूबरू होंगे। इस फाइट में अंकों के अलावा नाकआउट और सबमिशन के आधार पर विजेता का फैसला हो सकता है। केसीसी फाइटनाइट में मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों जैसे कराटे, किकबॉक्सिंग, जि-जित्सु, ताइक्वांडो आदि के फाइटर्स के रोमांचक फाइटिंग स्टाइल और तकनीक से फाइटर्स लोगों को रोमांचित करने के लिए तैयार है।

भारत-पीएम एकादश मैचः पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ा, अब 50-50 ओवर का होगा मुकाबला

कैनबरा। यहां लगातार हो रही बारिश के कारण भारत और प्रधानमंत्री एकादश के बीच गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दो दिनी अभ्यास मैच का पहला दिन रद्द कर दिया गया। अब रविवार को 50-50 ओवर का मैच खेला जाएगा। हल्की बूंदाबांदी हुई और फिर धीरे-धीरे हवा के साथ तेज बारिश में बदल गई, बारिश के रुकने के बाद ग्राउंड स्टाफ ने कड़ी मशक्कत की। हालांकि उनके प्रयासों पर बारिश ने पानी फेर दिया। मैदान में प्रधानमंत्री एकादश और मेहमान भारतीय टीम मौजूद थी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज बिना किसी शोर-शराबे के मैदान में आए, अपनी टीम को कैप सौंपी, रोहित शर्मा की टीम से बातचीत की, ग्रुप फोटो खिंचवाई और चले गए। भारतीय खिलाड़ी भी कुछ देर बाद अपने होटल की ओर रवाना हो गए।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का आधिकारिक प्रसारण भागीदार बना दूरदर्शन

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय खेलों को बढ़ावा देने की अपनी विरासत के लिए प्रसिद्ध, दूरदर्शन देश भर के लाखों दर्शकों के लिए हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का रोमांचक एक्शन लेकर आएगा। दूरदर्शन ने शनिवार को हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी किया है, ताकि हॉकी को घर-घर पहुंचाया जा सके और इस सुंदर खेल के खिलाड़ियों को देश में जाना-पहचाना नाम बनाया जा सके। एचआईएल 28 दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा है। इस साल का संस्करण ऐतिहासिक है क्योंकि यह महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ बहुप्रतीक्षित पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक है।

इस लीग में 8 पुरुष टीमें और 4 महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें भारत और दुनिया भर से शीर्ष स्तर की प्रतिभाएँ दिखाई देंगी। महिला लीग का जुड़ना हॉकी इंडिया की खेलों में लैंगिक समावेशिता को आगे बढ़ाने और एक बड़े मंच पर महिला हॉकी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने कहा, प्रसार भारती को हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी करने का सौभाग्य मिला है, जो एक ऐसा मंच है जो हमारे राष्ट्रीय खेलों का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के लोगों को जोड़ता है। हमारे व्यापक कवरेज के माध्यम से, हमारा लक्ष्य हॉकी की रोमांचक भावना को हर जगह दर्शकों तक पहुँचाना, शहरी और ग्रामीण विभाजन को पाटना और लीग के प्रभाव को बढ़ावा देना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक पदार्पण भी शामिल है।

प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने के साथ, भारतीय खेल प्रेमियों को विश्वास है कि भारतीय हॉकी का स्वर्ण युग वापस आ रहा है। सार्वजनिक प्रसारक के रूप में दूरदर्शन इस साझेदारी के माध्यम से इस व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए तत्पर है। इसका उद्देश्य हॉकी उत्पादन और प्रसारण को वैश्विक खेल मानकों तक बढ़ाना है। दुनिया भर के खेल प्रेमी अब डीडी स्पोर्ट्स और वेव्स- प्रसार भारती के हाल ही में लॉन्च किए गए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भारतीय हॉकी लीग, पुरुष और महिला दोनों देख सकते

हैं। 28 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाले प्रसारण के लिए बने रहें।

इस भागीदारी को लेकर एचआईएल की संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हम हॉकी इंडिया लीग के आधिकारिक प्रसारणकर्ता के रूप में दूरदर्शन के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। यह वर्ष महिला एचआईएल के लॉन्च के साथ विशेष रूप से खास है, जो महिला हॉकी को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम है। दूरदर्शन की खेलों के प्रति अद्वितीय पहुंच और प्रतिबद्धता हॉकी को देश के हर कोने तक ले जाने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य लाखों लोगों को प्रेरित करना और एचआईएल को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाना है।

एचआईएल की संचालन समिति के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हॉकी हमारे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं बढ़कर है - यह हमारी एकता और गौरव का प्रतीक है। इस सीजन में महिला एचआईएल का जुड़ना महिला एथलीटों के लिए समानता और मान्यता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। दूरदर्शन के साथ हमारे भागीदार के रूप में, हम एचआईएल का एक शानदार सीजन पेश करने के लिए तैयार हैं। %हॉकी हमें जोड़ती है, और यह भागीदारी उस बंधन को मजबूत करती है।

अब, देश भर के प्रशंसक - भारत के हर नुक्कड़, कोने और गाँव से - दूरदर्शन पर हॉकी इंडिया लीग के सभी मैचों का सीधा प्रसारण देख सकेंगे, जिससे देश भर के हॉकी प्रेमियों के लिए निर्बाध पहुँच सुनिश्चित होगी।

एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, हॉकी इंडिया के साथ दूरदर्शन की साझेदारी सभी राष्ट्रीय चैंपियनशिप तक विस्तारित हो गई है। आगे चलकर, विभिन्न श्रेणियों में सभी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप, साथ ही हॉकी इंडिया के स्वामित्व वाले भारत के सभी हॉकी कार्यक्रम डीडी पर प्रसारित किए जाएँगे।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर सोत्सोबे, त्सोलेकिले, मभालती भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटरों लोनवाबो सोत्सोबे और थामी त्सोलेकिले के साथ-साथ टाइटन्स के पूर्व गेंदबाज इथी मभालती को गिरफ्तार किया गया है और उन पर भ्रष्ट गतिविधियों की रोकथाम एवं प्रतिरोध अधिनियम, 2004 की धारा 15 के तहत भ्रष्टाचार के पांच आरोप लगाए गए हैं।

उन पर अधिनियम की धारा 15 के तहत आरोप लगाए गए हैं, जो खेल आयोजनों से संबंधित भ्रष्ट गतिविधियों से संबंधित है, जिसमें किसी अन्य व्यक्ति से किसी ऐसे कार्य में शामिल होने के लिए रिश्वत लेना या देने की पेशकश करना शामिल है, जो किसी खेल आयोजन की अखंडता को कमजोर करने या खेल के क्रम को प्रभावित करने की धमकी देता है।

आरोप 2015-16 के रैम स्लैम चैलेंज के इर्द-गिर्द मैच फिक्सिंग की कहानी से जुड़े हैं। ये तीन खिलाड़ी उन सात खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें घरेलू टी20 टूर्नामेंट के दौरान मैच फिक्स करने के प्रयासों में शामिल होने के लिए 2016 और 2017 में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा प्रतिबंधित किया गया था। गुलाम बोदी पहले ही जेल में हैं, जबकि जीन सिम्स और पुमी मात्शिकवे को क्रमशः 2021 और 2022 में दोषी ठहराए जाने के बाद निलंबित सजा दी गई थी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने खेल में उनकी संलिप्तता के कारण सभी खिलाड़ियों पर दो से 12 साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भ्रष्ट गतिविधियों की रोकथाम और मुकाबला अधिनियम 2000 में हैंसी क्रोनजे मैच फिक्सिंग कांड के बाद लागू हुआ था, और यह समझा जाता है कि यह पहली बार है जब इसका इस्तेमाल खिलाड़ियों पर अपराध के आरोप लगाने के लिए किया जा रहा है। हॉक्स के नाम से जाने जाने वाले प्राथमिकता अपराध जांच निदेशालय (डीपीसीआई) द्वारा जांच के बाद आरोप लगाए गए हैं, जो संगठित और आर्थिक अपराध की जांच करने वाली दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा की एक विशेष शाखा है। डीपीसीआई के राष्ट्रीय प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल गॉडफ्रे लेबेया ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, भ्रष्टाचार खेल की अखंडता को कमजोर करता है, और हॉक्स समाज के सभी क्षेत्रों में निष्पक्षता और व्यावसायिकता के मूल्यों की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल 2024: पीवी सिंधु, ध्रुव-तनिषा की जोड़ी फाइनल में

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

शीर्ष वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में युवा उन्नति हुड्डा पर आसान जीत दर्ज की।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने 17 वर्षीय हुड्डा को 35 मिनट में 21-12, 21-9 से हराया। 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का सामना फाइनल में थाईलैंड की लालिनरत चाइवान या चीन की लुओ यू वू से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो ने चीन के झोउ झी होंग और यांग जिया यी पर 21-16, 21-15 से जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। बाद में, तनिषा महिला युगल सेमीफाइनल में अश्विनी पोनप्पा के साथ मैदान में उतरेंगी।

लक्ष्य सेन, प्रियांशु राजावत, महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय-के और साई प्रतीक व ईशान भटनागर-शंकर प्रसाद उदयकुमार भी शनिवार को खेलेंगे।

सर्वश्रेष्ठ फीफा खिलाड़ी पुरस्कार 2024 : विनिसियस जूनियर, कार्वाजल,एमबाप्पे नामितों में शामिल

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

फीफा ने शुक्रवार को 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामितों की घोषणा की, जिसमें विनीसियस जूनियर, दानी कार्वाजल, जूड बेलिंगहैम, किलियन एमबाप्पे, फेडे वाल्वरडे और टोनी क्रूस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बार्सिलोना की ऐताना बोनमती महिला पुरस्कार के लिए नामितों में सबसे आगे हैं।

पुरस्कार समारोह की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। विनीसियस जूनियर और उनके रियल मैड्रिड टीम के साथी रॉड्री अब एक और मुकाबले के लिए तैयार हैं।

रॉड्री, जिन्होंने मैनचेस्टर सिटी के ऐतिहासिक चौथे लगातार प्रीमियर लीग खिताब और स्पेन की यूरो 2024 जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित किया गया था, एक मजबूत पसंदीदा हैं।

विनीसियस जूनियर रॉड्री के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिद्वंद्वी हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 11 सहायता प्रदान की। उनका प्रदर्शन रियल मैड्रिड की ला लीगा जीत और बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ चैंपियंस लीग फाइनल जीत में महत्वपूर्ण था, जहां उन्होंने दूसरा गोल किया।

रियल मैड्रिड की मौजूदगी शॉर्टलिस्ट में मजबूत

है, जिसमें छह खिलाड़ी नामित हैं, जिनमें हाल ही में सेवानिवृत्त हुए टोनी क्रूस और किलियन एमबाप्पे शामिल हैं। मैनचेस्टर सिटी के एरलिंग हैलैंड और इंटर मियामी के लियोनेल मेसी, जो पिछले साल के विजेता थे, भी दावेदारों में शामिल हैं। 2024 कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना को जीत दिलाने वाले मेसी फुटबॉल की दुनिया में एक मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। फीफा बेस्ट मेन्स सेलेक्शन में उल्लेखनीय रूप से क्रिस्टियानो रोनाल्डो अनुपस्थित हैं, जिन्होंने हाल ही में 900 करियर गोल को पार किया है। पिछले सीजन में सऊदी प्रो लीग में अल नासर के लिए अपने रिकॉर्ड-तोड़ 35 गोल के बावजूद, रोनाल्डो ने केवल सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड्स की लिस्ट में जगह बनाई है।

यूएसपीएलः मैरीलैंड मेवरिक्स फाइनल में, एलिमिनेटर में न्यूयॉर्क काउबॉय का सामना न्यू जर्सी टाइटंस से

फ्लोरिडा, 30 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रेयस मोव्वा की मात्र 10 गेंदों पर 26 रनों की लुभावनी पारी ने मैरीलैंड मेवरिक्स को न्यू जर्सी टाइटंस पर 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत की बदौलत मेवरिक्स की टीम ने यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मैरीलैंड मेवरिक्स को 13 गेंदों पर 26 रनों की जरूरत थी फिर मोव्वा ने आकर खेल का रुख ही पलट दिया और चौकों छक्कों की बारिश करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। इस मैच जिताऊ पारी के लिए मोव्वा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर मैरीलैंड मेवरिक्स ने गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यू जर्सी टाइटन्स ने मजबूत शुरुआत की और सलामी बल्लेबाज सुजीत गौड़ा और जोश कॉब ने पहले 7 ओवर में 68 रन जोड़े। हालाँकि, मेवरिक्स के कप्तान शुभम रंजने ने दोनों

सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद हम्माद आजम और जोशुआ जेम्स ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन तेजी से रन बनाने के चक्कर में उन दोनों को भी पवेलियन वापस लौटना पड़ा।170 रन के पार जाते-जाते न्यू जर्सी टाइटंस ने 9 विकेट खो दिए। अंत में अर्जुन महेश के कुछ अच्छे शॉट्स की बदौलत टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 175 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मैरीलैंड मेवरिक्स ने ड्वेन स्मिथ के आक्रामक 17 रनों की बदौलत लय तो सही पकड़ी, लेकिन इसी जल्दबाजी के चलते 7 वां ओवर आते-आते 48 रन पर 3 विकेट खो दिए। जिसके बाद सैतेजा मुकम्मला और शुभम रंजने ने 54 रन की साझेदारी करके पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन 15वें ओवर तक 116 के स्कोर पर टीम ने 2 और विकेट खो दिए। सुजीत नायक और भास्कर यादराम ने लय बरकरार रखने की कोशिश की, लेकिन अंतिम ओवरों में रन रेट बढ़ाने के चक्कर में आउट हो गए। हालाँकि श्रेयस मोव्वा तो कुछ और ही सोच के बैठे थे। उनके आतिशी 10 गेंदों में 26 रन की मदद से मैरीलैंड मेवरिक्स ने 1 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। न्यू जर्सी टाइटंस अब सेमीफाइनल एलिमिनेटर में न्यूयॉर्क काउबॉय से भिड़ेगी। टूर्नामेंट में शानदार वापसी करने वाले काउबॉय ने दूसरे सेमीफाइनल में कैरोलिना ईगल्स को हराकर अपने खिताब की उम्मीदों को जिंदा रखा है। दूसरा सेमीफाइनल एलिमिनेटर: न्यूयॉर्क काउबॉय बनाम कैरोलिना ईगल्स न्यूयॉर्क काउबॉयज़ का सफर काफी उतर चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन अंतिम मुकाबलों में उन्होंने जिस तरह से वापसी करते हुए अपनी ट्रॉफी की उम्मीदों को बनाए रखा है, वह सच में काबिले तारीफ है। फिलहाल वह पहले एलिमिनेटर मुकाबले में कैरोलिना ईगल्स को 47 रनों से हराकर प्रतियोगिता में बने हुए हैं। इस मुकाबले में काउबॉयज ने 19.5 ओवर में मुख्तार अहमद (50 में 68) और दिलप्रीत बाजवा (17 में 35) रनों की मदद से 148 रनों का लक्ष्य रखा था।

स्मार्ट टीवी मॉडल्स पर 65 फीसदी तक का डिस्काउंट!

मुंबई । साल 2024 का आखिरी महीना दिसंबर आते ही दुनिया भर में ऑनलाइन खरीदारियों को खुशखबरी मिल रही है। फिलपकार्ट और अमेजन ने ब्लैक फ्राइडे सेल की घोषणा की है, जिसमें स्मार्ट टीवी मॉडल्स पर 65 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। अमेजान ब्लैक फ्राइडे सेल में एक्सिस, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी और वन कार्ड से पेमेंट करते समय 10 फीसदी तक की छूट मिलेगी। अगर आप नई स्मार्ट टीवी का खरीद है तो यह सेल एक सुनहरा मौका है। इस सेल में शाओमी के 43 इंच स्मार्ट टीवी पर 42 फीसदी की छूट दी जा रही है, जिसे 24,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। इस टीवी में 30 वॉट स्पीकर, डॉल्बी विजन, 4के रिजॉल्यूशन और गूगल टीवी सपोर्ट है। अदिक विकल्पों के लिए एसर कंपनी के 55 इंच टीवी पर 55 फीसदी की छूट मिल रही है जिसे 32,999 रुपये में खरीद सकते हैं।

प्रधानमंत्री की सोच के अनुरुप देश के हर गांव में लखपति दीदी होनी चाहिए : सीतारमण

वित्त मंत्री ने 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपये के ऋण भी किए वितरित

मधुबनी/नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि देश के हर गांव में लखपति दीदी होनी चाहिए। उसके लिए बैंको को जो काम करना है, वो कर रहे है। हर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता और ट्रेनिंग दी जा रही है।

बिहार के मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि मेरा सभी से अनुरोध है कि बैंकों के जरिए जो योजनाएं भारत सरकार लायी है, वो उनका हिस्सा बनें और लाभ उठाएं, जिससे सब लोग और सक्षम बन सकें। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न बैंकों द्वारा 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए।

मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुछ वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) कार्ड भी प्रदान किए गए। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने बिहार के मधुबनी में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संसद सदस्य संजय कुमार झा, रामप्रीत मंडल, अशोक कुमार यादव और फैयाज अहमद भी उपस्थित थे क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में संसद सदस्य रामप्रीत मंडल, संजय कुमार झा, डॉ. अशोक कुमार यादव और विधान सभा सदस्य विनोद नारायण झा, सुधांशु शेखर और घनश्याम ठाकुर भी शामिल हुए। इसके अलावा वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष के.वी. शैजी; सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी एम.वी. राव, सिडबी के सीएमडी मनोज मित्तल, डीएफएस के अतिरिक्त सचिव एम.पी. तंगिराला और एसबीआई के डीएमडी सुरिंदर राणा ने भी क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्यसभा सदस्य संजय झा के साथ मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान स्टालों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उन स्टॉल मालिकों के साथ बातचीत की जिन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

वित्त मंत्रालय अप्रत्याशित लाभ कर की प्रभावशीलता की समीक्षा करेगा, पेट्रोल-डीजल हो सकता है सस्ता, वित्त मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने अप्रत्याशित लाभ कर करने के नियमों के प्रभाव की समीक्षा करने का फैसला किया है, क्योंकि कच्चे तेल की निर्यात की कीमतें वैश्विक स्तर पर स्थिर रह गई हैं। इस निर्णय के बाद पेट्रोल, डीजल, और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी को शून्य किया गया है। जून 2022 में सरकार ने घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मिटाकर एसएईडी लागू किया था। इसमें पेट्रोलियम के निर्यात के लिए निर्धारित कीमतों में भी भारी कमी की गई थी। इस नए निर्णय के बाद सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रालय अप्रत्याशित लाभ कर से होने वाली सम्भावित लाभ की समीक्षा करने जा रहा है। इससे जुड़े करों का भी आंकलन किया जाएगा। अप्रत्याशित लाभ कर का निर्धारण पहले 31 अगस्त को किया गया था, जब कच्चे पेट्रोलियम के निर्यात पर 1,850 रुपये प्रति टन को तय किया गया था। अब इसे 18 सितंबर से शून्य पर यथावत रखा गया है। इस निर्णय के प्रभाव से एविएशन इंडस्ट्री को भी लाभ हो सकता है, क्योंकि एटीएफ के निर्यात पर भी एसएईडी लागू है। देश की ऊर्जा क्षेत्र में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो मंत्री निर्मला सीतारमण की नेतृत्व में लिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से गृहित प्रस्तावों के परिणामस्वरूप पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जीएसटी के दायरे में प्राकृतिक गैस को शामिल करने के लिए पत्र भेजा है। इस परिषद में लेने वाले निर्णय से जल्द ही ऊर्जा सेक्टर में और बदलाव देखने की उम्मीद है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी रही सेंसेक्स 79,802 पर और निफ्टी 24,131 पर बंद

मुंबई,30 नवंबर (एजेंसियां) ।

वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, महाराष्ट्र में स्थायी सरकार की उम्मीद और जियोपॉलीटिकल तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से शेयर बाजार में साप्ताहिक आधार पर लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई। बीते पांच दिनों पर शेयर बाजार की चाल पर नजर डालें तो महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर अच्छी बढ़त दिखी। हफ्ते को पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स सेंसेक्स 1,249.86 अंक चढ़कर 80,315.02 पर खुला और 992.74 अंक उछलकर 80,109.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 379.71 अंक मजबूत होकर 24,286.95 पर खुला और 314.65 अंक बढ़कर 24,221.90 अंक पर बंद हुआ। ताजा विदेशी फंड प्रवाह और अमेरिकी बाजारों में मजबूत रुझानों के बीच मंगलवार के शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त जारी रही। बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 372.51 अंक चढ़कर 80,482.36 अंक पर खुला और 105.79 अंक गिरकर 80,004.06 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 121.4 अंक चढ़कर 24,343.30 अंक पर खुला और 27.40 अंक गिरकर 24,194.50 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका में लगाए गए आरोपों को अदाणी समूह की ओर से नकारे जाने के बाद बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 166.1 अंक चढ़कर 80,170.16 अंकों पर खुला और 230.02 अंक चढ़कर 80,234.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 74.35 अंक की बढ़त के साथ 24,268.85 अंकों पर खुला और 80.40 अंक बढ़कर 24,274.90 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 95 अंक चढ़कर 80,329.08 अंकों पर खुला और 1,190.34 अंक गिरकर 79,043.74 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 48.15 अंक की बढ़त के साथ 24,323.05 अंकों पर खुला और 360.75 अंक गिरकर 23,914.15 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा। शुक्रवार को सेंसेक्स 759.87 अंकों की बढ़त के साथ 79,837.50 पर खुला और 759.05 अंक चढ़कर 79,802.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 223.40 अंक चढ़कर 24,137.55 पर खुला और 216.95 अंक चढ़कर 24,131.10 पर बंद हुआ।

पाम ऑयल की दर बढ़ने से साबुन महंगा हुआ

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां) ।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और विप्रो जैसी बड़ी कंपनियां ने पाम ऑयल की बढ़ती कीमतों की वजह से साबुन के भाव 7-8 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। पाम ऑयल, साबुन निर्माण में एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है और इस बढ़ोतरी का सीधा प्रभाव सीधे ग्राहकों की जेबों पर दिख रहा है। सिर्फ साबुन ही नहीं, एचयूएल और अन्य कंपनियां चाय की कीमतों में भी इजाफा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में इजाफे की वजह से कंपनियां कीमतें बढ़ा रही हैं।

नहाने वाले साबुन की कीमतों में 7-8 फीसदी का उछाल

पाम ऑयल, कॉफी, और कोको जैसे कच्चे माल की कीमतों में उछाल का असर देखने को मिल रहा है। विप्रो कंज्यूमर केयर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंडस्ट्री के सभी बड़े ब्रांड्स ने लगभग 7-8 फीसदी की मूल्य वृद्धि की है।

विप्रो कंज्यूमर केयर भी साबुन की कीमतों में संशोधन किया है। पाम ऑयल की कीमतें सितंबर से लगभग 35-40 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं। इसे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने की संभावना है, खासकर साबुन और चाय के दामों में।

एचयूएल और विप्रो जैसी कंपनियां इस बढ़ोतरी का सीधा असर उपभोक्ताओं की जीवनशैली पर देख रही हैं। इस महंगाई तंत्र से सबसे ज़्यादा प्रभावित होंगे दलित वर्ग के लोग, जिनकी आर्थिक स्थिति पहले ही कमजोर है। अब उन्हें और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देवबंद से...

अब एटीएस मोहम्मद अब्दुल्ला की बीवी की भी जानकारी खंगाल रही है।

एटीएस ने उसके पास से मोबाइल फोन, तीन मेमोरी कार्ड, अब्दुस सलाम मंडल के नाम का आधार, वोटर और पैन कार् के साथ यूएनएचसीआर (संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी) का कार्ड और 1070 रुपए कैश बरामद किए हैं। मोहम्मद अब्दुल्ला के ऊपर एटीएस के थाना लखनऊ में पहले भी केस दर्ज है। यह केस सहारनपुर के देवबंद से गिरफ्तार घुसपैठियों के नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप में दर्ज हुआ था। इस केस के अन्य आरोपी अबू सलेह मंडल, अब्दुल्ला गाजी और शेख नजीबुल हक हैं।

बांग्लादेश...

पाया गया। उसी आधार कार्ड के जरिए वह भारत का पासपोर्ट हासिल करने की कोशिश में लगा था।

टीएमसी नेता...

पूछताछ में वह यह बताने में विफल रहा कि उसके पास ये सामग्री कहां से पहुंची और उसे वह किसे देने जा रहा था। अधिकारियों का कहना है कि जब्त की गई रेडियो एक्टिव सामग्री की कीमत बाजार में करीबन 17 करोड़ रुपए है। पुलिस ने आरोपी का घर सील कर दिया है। मामले की गहराई से छानबीन की जा रही है।

टीएमसी नेता के पति के सैन्य दस्तावेजों और रेडियो एक्टिव सामग्री के साथ पकड़े जाने के मामले में तृणमूल कांग्रेस चुप्पी साधे हुई है। इस गिरफ्तारी पर टीएमसी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और न ही इस सिलसिले में पार्टी ने कोई कार्रवाई की है। खुफिया एजेंसियों को अंदेशा है कि रेडियोएक्टिव मैटीरियल का इस्तेमाल परमाणु से जुड़े किसी गुप्त प्रयोग के लिए किया जाने वाला था। इसकी अधिक संभावना है कि सैन्य दस्तावेज और रेडियोधर्मी सामग्री बांग्लादेश या बांग्लादेश के जरिए पाकिस्तान भेजी जा रही हो। केंद्रीय खुफिया एजेंसियां मामले की गहराई से छानबीन में लगी हैं।

पांच मंत्रालय में...

और देवेंद्र फडणवीस से अलग-अलग मुलाकात की थी। पवार के साथ बैठक में एनसीपी के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे भी शामिल थे। सीट बंटवारे के जिस फॉर्मूले पर चर्चा हुई, उस पर सहमति नहीं बन पाई। लंबे समय तक चले मंथन के बाद शाह ने महायुति के सदस्यों को विभागों की गुत्थी सुलझाने के लिए मुंबई में फॉर्मूला तय करने के लिए कहा है। सूत्रों के मुताबिक विभाग बंटवारे पर सहमति के बाद ही सरकार गठन के दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया है।भाजपा के प्रस्ताव पर सहमति बनी तो एनसीपी (अजीत) को घाटा उठाना होगा। पार्टी एनसीपी को डिप्टी सीएम पद तो देना चाहती है, मगर वित्त मंत्रालय अपने पास रखना चाहती है। वहीं, एनसीपी गृह, वित्त, राजस्व, कार्मिक और लोक निर्माण में हिस्सेदारी चाहती है। हालांकि भाजपा उसे इनमें से एक भी मंत्रालय नहीं देना चाहती। इसके अलावा एनसीपी को अधिकतम आठ विभाग ही देना चाहती है।सीएम पद छोड़ने के बदले भाजपा ने शिवसेना (शिंदे) के समक्ष डिप्टी सीएम का पद और लोकनिर्माण समेत अधिकतम 12 विभाग देने का प्रस्ताव दिया है। शिंदे गृह मंत्रालय भी चाहते हैं। चर्चा यह भी है कि शिंदे विधान परिषद अध्यक्ष का पद भी चाहते हैं। इसके उलट भाजपा टॉप पांच में से चार मंत्रालय अपने पास रखना चाहती है। महायुति के नेताओं को विभाग बंटवारे का फैसला करके आने के लिए कहा गया है।

दिल्ली में बैठक के बाद एकनाथ शिंदे सीधे सतारा में अपने गांव दरे चले गए। इस कारण शुक्रवार को मुंबई में होने वाली महायुति की बैठक नहीं हो पाई। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के सीएम पर एक-दो दिन में फैसला होगा। शिंदे ने कहा कि वह सरकार गठन में बाधा नहीं बनेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह के किए निर्णय का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शाह व नड्डा के साथ बैठक अच्छी रही। हमारा गठबंधन पूरी तरह सकारात्मकता से भरा है और हम जनता के जनादेश का सम्मान करेंगे।शिवसेना नेता संजय शिरसत ने कहा कि अगर निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो यह पद उनकी पार्टी के किसी नेता को दिया जाएगा। शिरसत ने यह भी कहा कि शिंदे निश्चित रूप से केंद्रीय मंत्री के रूप में केंद्र में नहीं जाएंगे।

धमाकों के जरिए ...

जांच में आतंकी वारदात व बम धमाका होने जैसी कोई बात सामने नहीं आई, इस कारण जांच स्पेशल सेल को नहीं दी गई। दूसरे धमाके के मामले में भी प्रशांत विहार थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। हालांकि, बाकी एजेंसियां भी जांच कर रही हैं।दिल्ली के प्रशांत विहार में धमाके के बाद शुक्रवार को घटनास्थल पर पुलिस ने आवाजाही रोक दी और सभी दुकानें आदि बंद रहीं। पुलिस ने दुकानों और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच 20 अक्टूबर को सीआरपीएफ स्कूल की दीवार पर हुए धमाके से जोड़कर की जा रही है। धमाके की जांच पुलिस के साथ केंद्रीय एजेंसियां भी कर रही हैं, लेकिन अभी कुछ भी ऐसा हासिल नहीं हो सका है जिससे यह कहा जाए कि धमाका किसने और क्यों किया। पुलिस की स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच के अलावा एफएसएल रोहिणी, एनएसजी और एनआईए की टीमों ने नमूने आदि लिए हैं। पांच किलोमीटर के दायरे में जितने लोगों के मोबाइल संचालित हुए उन सभी का डंप डाटा लिया गया है। इससे जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिस जगह पर धमाका हुआ है, वहां गाड़ियां खड़ी थीं और कूड़ा पड़ा था। इस बीच किसी ने विस्फोटक वहां पर रखा, कूड़े से ढंक दिया।प्रशांत विहार में ही सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके के 40 दिन बाद बृहस्पतिवार को हुआ धमाका कम तीव्रता वाला था। इस दौरान एक टेंपो चालक घायल हो गया था। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर विस्फोटक सामग्री डालने या लगाने वाले आरोपियों की पहचान की जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की 12 टीमें इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली रही हैं। इसके अलावा पुलिस धमाके की सूचना देने वाले अधिवक्ता नितिन ठाकुर समेत 50 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। इसमें स्थानीय निवासियों के साथ-साथ सफाईकर्मियों और सुरक्षा गार्ड शामिल हैं।

मारे गए दंगाइयों...

मदद देने की घोषणा करके अपना असली एजेंडा एक बार फिर जाहिर कर दिया।सपा सांसद रुचि वीरा ने कहा कि मृतकों के परिजनों के साथ पार्टी की गहरी संवेदनाएं हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने परिजन की मदद करने की घोषणा की है। सहायता राशि परिजनों को जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। समाजवादी पार्टी का तुष्टिकरण इतने पर भी थमा नहीं, सपा ने बड़ी बेशर्मी से सरकार से भी यह मांग कर दी कि मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद करे। 24 नवंबर को संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान संभल में बवाल किया गया था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। कई लोग घायल हुए थे। यहां तक कि डिप्टी एसपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गए थे। इसके बाद से वहां पर स्थिति तनावपूर्ण है। इसके बावजूद अखिलेश यादव ओछी राजनीति पर उतारू हैं।संभल की आग में घी डालने का काम समाजवादी पार्टी लगातार कर रही है। शनिवार की सुबह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के घर के बाहर पुलिस लगा दी गई। साथ ही विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के डालीबाग स्थित आवास के बाहर भी पुलिस तैनात कर दी गई। सपा के डेलिगेशन को संभल जाना था। इससे पहले ही नेताओं के घरों के बाहर पुलिस बन तैनात कर दिया गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में सपा का 15 सदस्यीय डेलिगेशन संभल जाने वाला था। सपा नेता संभल में पीड़ितों से मिलकर जानकारी जुटाने की बात कह रहे थे। इसके बाद इसकी जानकारी सपा मुखिया के साथ साझा करना था। उनके निकलने से पहले ही पुलिस उनके घरों के बाहर तैनात मिली।

नमाज पर...

इस मस्जिद में कुल 70 स्तंभ हैं। ये स्तंभ उन मंदिरों के हैं, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया था, लेकिन स्तंभों को वैसे ही रहने दिया गया था। इन स्तंभों की ऊंचाई करीब 25 फीट है और हर स्तंभ पर खूबसूरत नक्काशी की गई है। 90 के दशक में यहां कई प्राचीन मूर्तियां ऐसे ही बिखरी पड़ी थीं, जिन्हें बाद में संरक्षित किया गया।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा नाम की लंबी कहानी है। माना जाता है कि तब मोहम्मद गोरी पृथ्वीराज चौहान को हराने के बाद अजमेर से गुजर रहा था। इसी दौरान उसे वास्तु के लिहाज से बेहद उम्दा हिंदू धर्मस्थल नजर आए। गोरी ने अपने सेनापति कुदुबुद्दीन ऐबक को आदेश दिया कि इनमें से सबसे सुंदर स्थल पर मस्जिद बना दी जाए। गोरी ने इसके लिए 60 घंटों यानी ढाई दिन का वक्त दिया। गोरी के दौरान हेरात के वास्तुविद अबु बकर ने इसका डिजाइन तैयार किया था। जिसपर हिंदू ही कामगारों ने 60 घंटों तक लगातार बिना रुके काम किया और मस्जिद तैयार कर दी।

दरगाह मामले के ...

नई दिल्ली के बाराखंबा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विष्णु गुप्ता ने कहा कि ऐसी धमकियों से वे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। हम कानून के दायरे में रहकर काम कर रहे हैं और कोर्ट जाना हमारा अधिकार है। अजमेर दरगाह संकट मोचन महादेव मंदिर था, है और रहेगा। हम अपने मंदिरों को वापस लेने के लिए न्यायालय के माध्यम से संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने कोर्ट के जरिए अपने मंदिरों को वापस लेने का संकल्प दोहराया।गौरतलब है कि विष्णु गुप्ता ने अजमेर दरगाह में प्राचीन शिव मंदिर की मौजूदगी का दावा करते हुए केस दर्ज कराया था।

कोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार कर 20 दिसंबर को सुनवाई की तारीख तय की है। अजमेर दरगाह में महादेव मंदिर होने के दावे पर विष्णु गुप्ता ने अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संकट मोचन महादेव मंदिर को तोड़कर वहां दरगाह बनाई गई। इस मामले में अदालत ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर 20 दिसंबर 2024 को सुनवाई की तारीख तय की है।

मलमास का आरंभ 15 से

एक महीने तक नहीं होंगे शादी-विवाह

सूर्य सिद्धांत की मान्यता और पंचांग की गणना से देखें तो 15 दिसंबर से मलमास का आरंभ होगा। धर्मशास्त्र की मान्यता के अनुसार मलमास में शुभ मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं, इसलिए 15 जनवरी मकर संक्रांति तक विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे। मलमास में एक माह भागवत पारायण, तीर्थाटन व स्नान दान का विशेष महत्व बताया है।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला ने बताया कि 15 दिसंबर से सूर्य की धनु संक्रांति आरंभ होगी। सूर्य की धनु संक्रांति का अर्थ है सूर्य का धनु राशि में प्रवेश करना। सूर्य का धनु राशि में परिभ्रमण एक माह रहता है, इसी एक माह को खरमास या मलमास की संज्ञा दी जाती हैश्र

मुहूर्त चिंतामणि आदि ग्रंथों की गणना करें तो सूर्य का धनु तथा मीन राशि में प्रवेश मलमास कहा जाता है। धनु और मीन राशि के स्वामी बृहस्पति हैं। पौराणिक गणना के अनुसार देखें तो ग्रह सिद्धांतों में या ग्रहों के परिभ्रमण में किस ग्रह के किस राशि में गोचर करने से कौन से त्योहार, पर्व, कुंभ, अर्ध कुंभ या लघु कुंभ की स्थिति बनती है। इस दृष्टि से धनु मास की संक्रांति धर्म की वृद्धि करने के लिए बताई जाती है।

अग्नि पुराण के मूल ग्रंथों में इसका उल्लेख अलग-अलग प्रकार से बताया गया है। इस दौरान तीर्थाटन या तीर्थ स्नान और अपने ईष्ट अर्थात जिसके हम साधना पूजन पाठ करते हैं, उनके निमित्त विशिष्ट साधना का अनुक्रम साधना चाहिए। यह करने से वर्ष पर्यंत आध्यात्मिक उपलब्धि होती है।

विवाह, यज्ञोपवित, गृह प्रवेश आदि नहीं हो सकेंगे

सूर्य की धनु संक्रांति आरंभ होते से ही विवाह, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेश, प्राण प्रतिष्ठा आदि कार्य वर्जित माने जाते हैं। इस दौरान तीर्थ की यात्रा, तीर्थ पर पूजन या कल्पवास की स्थिति को तय करना चाहिए। सामान्य गृहस्थ के लिए 7 दिन से लेकर के 42 दिन तक का कल्पवास होता है। इस दौरान सत्संग, कथा श्रवण, भगवत भजन और दान आदि करने चाहिए।

16 जनवरी से आरंभ होंगे विवाह आदि शुभ कार्य

सूर्य का धनु राशि को छोड़कर के मकर राशि में प्रवेश करने पर मकर संक्रांति होगी। मकर में सूर्य के प्रवेश करते ही सूर्य का उत्तरायण माना जाता है और सूर्य के उत्तरायण से ही विवाह कार्य की दोबारा शुरुआत हो जाती है।

6 माह का उत्तरायण काल, उत्तरायण का समय अलग-अलग प्रकार के धार्मिक मांगलिक कार्यों का विशेष माना जाता है। इस समय में धर्म और पुण्य से जुड़े विशिष्ट कार्य किए जाते हैं। 16 जनवरी से दोबारा विवाह की शुरुआत हो जाएगी।

16 जनवरी से 6 मार्च तक विवाह के 12 विशेष मुहूर्त

जनवरी 16, 17, 21, 22

फरवरी 7, 13, 18, 20, 21, 25

मार्च 5, 6

14 मार्च से 14 अप्रैल तक दोबारा मीन मास की संक्रांति

14 मार्च के बाद में मीन संक्रांति आरंभ होगी यह भी मलमास की श्रेणी में आता है। 14 मार्च से 14 अप्रैल के मध्य अलग-अलग प्रकार के साधना उपासना का अनुक्रम रहेगा। 14 अप्रैल के बाद दोबारा मांगलिक कार्य की रूपरेखा शुरू होगी।

दिसंबर में लगेंगे पंचक, शुभ कार्यों की होगी मनाही

हिंदू धर्म में पंचक को शुभ नहीं माना जाता है। पंचक यानी 5 दिन। इन पांच दिनों में कोई शुभ कार्य फलीभूत नहीं होता है। इसलिए यह पता होना जरूरी है कि पंचक कब से लग रहे हैं और कब तक रहेंगे।

इंदौर के ज्योषाचार्य पं. हर्षित मोहन शर्मा के अनुसार, दिसंबर के दूसरे हफ्ते में पंचक रहेंगे। इनकी शुरुआत 7 दिसंबर को सुबह 5 बजकर 4 मिनट से होगी। 11 दिसंबर को सुबह 11 बजकर 48 मिनट पर पंचक खत्म होगा। इसी दौरान 8 दिसंबर को भद्रा काल भी रहेगा।

पंचक क्या होते हैं

पं. हर्षित मोहन शर्मा ने बताया कि हर 27 दिन बाद ग्रहों की दशा के कारण पंचक लगते हैं। जब चंद्र देव, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्व भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती नक्षत्र में विचरण करते हैं, तब इस स्थिति को ज्योतिष विज्ञान में पंचक कहा जाता है।

पंचक की अवधि पांच दिन की होती है। इस दौरान हर व्यक्ति को बहुत संभलकर रहना चाहिए। किसी तरह का शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

पंचक में क्या नहीं करना चाहिए

मान्यताओं के अनुसार, इन पांच दिन की अवधि में कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, नवजात शिशुओं से जुड़े कोई भी संस्कार जैसे अन्नप्राशन आदि नहीं करना चाहिए।

इन पांच दिनों में किसी नए काम की शुरुआत नहीं करना चाहिए। यदि प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने की प्लानिंग है, तो भी पांच दिन बात के लिए टाल देना चाहिए।

किसी तरह का पैसों का बड़ा लेन-देन नहीं करना चाहिए। यदि

बिजनेस करते हैं तो कई भी बड़ी डील करने से बचें। लाभ होने के स्थान पर उल्टा नुकसान हो सकता है।

पंचक में यात्रा करना पड़े हो क्या करें

पंचक के दौरान यात्रा करने से भी बचना चाहिए। खासतौर पर दक्षिण दिशा की ओर यात्रा नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसी यात्रा को कोई अच्छा परिणाम नहीं निकलता है, बल्कि उल्टा नुकसान होने की आशंका है।

यदि किसी कारणवश दक्षिण दिशा की ओर यात्रा करना पड़े, तो यात्रा शुरू करने से पहले कुछ कदम उल्टा चलें। इसके बाद पलटकर दक्षिण का रुख करें।

यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। वाहन संभलकर चलाएं। किसी अंजान पर भरोसा न करें। किसी को बड़ी धनराशि उधार न दें। अपने पार्टनर पर भी नजर रखें।

क्यों 12 साल बाद लगता है महाकुंभ कैसे तय होती है इसकी तारीख ?

महाकुंभ मेले का सनातन धर्म में बड़ा धार्मिक महत्व है, जो इस बार 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने जा रहा है। यह मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक है। इसमें लोग दूर-दूर से भाग लेने के लिए आते हैं। बता दें, महाकुंभ मेला 12 सालों में एक बार आयोजित किया जाता है। इस दौरान करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम तट पर स्नान करने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि इसमें एक बार स्नान करने से भक्तों के सभी पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज के साथ इन स्थानों में लगता है महाकुंभ

प्रयागराज का इतिहास प्राचीन काल से चला आ रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुंभ मेले का संबंध समुद्र मंथन से है। कहते हैं कि देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था। तब जाकर अमृत का कलश प्राप्त हुआ था। ऐसा माना जाता है कि उस अमृत कलश से कुछ बूंदें

पृथ्वी पर चार पवित्र स्थानों यानी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरी थीं। यही वजह है कि सिर्फ इन्हीं दिव्य स्थानों में कुंभ मेला लगता है।

यह भी है एक कारण

शास्त्रों में प्रयागराज को तीर्थ राज या 'तीर्थ स्थलों का राजा' भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि पहला यज्ञ ब्रह्मा जी द्वारा यहीं किया गया था। महाभारत समेत विभिन्न पुराणों में इसे धार्मिक प्रथाओं के लिए जाना जाने वाला एक पवित्र स्थल माना गया है।

इसलिए 12 साल बाद लगता है महाकुंभ

ऐसा कहा जाता है कि देवताओं और असुरों के बीच अमृत पाने को लेकर लगभग 12 दिनों तक लड़ाई चली थी। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि देवताओं के बारह दिन मनुष्य के बारह सालों के समान होते हैं। यही वजह है कि12 साल बाद महाकुंभ लगता है।

ऐसे तय होती है दिनांक

इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, एक कारण यह भी है कि जब बृहस्पति ग्रह, वृषभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते हैं, तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता है। ऐसे ही जब गुरु बृहस्पति, कुंभ राशि में हों और उस दौरान सूर्य देव मेष राशि में गोचर करते हैं, तब कुंभ हरिद्वार में आयोजित किया जाता है। इसके साथ ही जब सूर्य और बृहस्पति सिंह राशि में विराजमान हो, तो महाकुंभ नासिक में आयोजित किया जाता है। वहीं, जब ग्रह बृहस्पति सिंह राशि में हों और सूर्य मेष राशि में हों, तो कुंभ का मेला उज्जैन में लगता है।

मोक्षदा एकादशी पर श्री हरि को लगाएं यह भोग, समृद्धि से भर जाएगा घर

मोक्षदा एकादशी का हिंदुओं के बीच बहुत बड़ा महत्व है। यह दिन पूरी तरह से भगवान विष्णु को समर्पित है। मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की 11वीं तिथि को मोक्षदा एकादशी मनाई जाती है। इस साल यह एकादशी 11 दिसंबर को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि इस दिन का उपवास रखने और पूजा करने से श्री हरि प्रसन्न होते हैं। साथ ही सभी पापों का नाश होता है। वहीं, अगर इस पावन तिथि पर श्री हरि को उनका प्रिय भोग अर्पित किया जाए, तो जीवन में खुशहाली आती है, तो चलिए जानते हैं कि विष्णु जी कौन सा भोग प्रिय है?

मोक्षदा एकादशी 2024 शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि 11 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 42 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 12 दिसंबर को देर रात्रि 01 बजकर 09 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए मोक्षदा एकादशी का व्रत 11 दिसंबर को रखा जाएगा। वहीं, इसका पारण 12 दिसंबर को सुबह 07 बजकर 05 मिनट से लेकर 09 बजकर 09 मिनट के बीच किया जा सकता है।

मोक्षदा एकादशी भोग

एकादशी के मौके पर भगवान विष्णु को केला , धनिया की पंजीरी, पंचामृत, पीले रंग की मिठाई, गुड़, मुनक्का और चना, मखाने की खीर, केसर की खीर आदि चीजों का भोग लगा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि श्री हरि को इन चीजों का भोग लगाने से वे बहुत प्रसन्न होते हैं और सभी इच्छाओं की पूर्ति करते हैं।

हालांकि भोग लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि गरीबों में भी प्रसाद का वितरण करें। इससे उस प्रसाद को श्री हरि तुरंत स्वीकार कर लेते हैं। वहीं, इस दौरान तामसिक चीजों से दूरी बनाए रखनी चाहिए।

भोग लगाते समय करें इस मंत्र का जाप

मोक्षदा एकादशी के दिन श्री हरि को प्रसाद अर्पित करते समय इस मंत्र 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर' का जाप करें। इससे भगवान तुरंत भोग स्वीकार कर लेते हैं। साथ ही प्रसन्न होकर सुख और शांति का आशीर्वाद प्रदान करें।

मार्गशीर्ष अमावस्या पर करें मां तुलसी की पूजा, पितृ होंगे प्रसन्न

हिंदुओं में अमावस्या तिथि का अपना एक विशेष महत्व है। इसे मृगशिरा नक्षत्र से सम्बंधित होने के कारण इस अमावस्या को मृगशिरा अमावस्या भी कहा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, अमावस्या मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष के 15वें दिन पड़ती है। इस साल यह 1 दिसंबर 2024 दिन रविवार, 2024 को मनाई जाएगी। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन पूजा-पाठ व दान-पुण्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

वहीं, इस तिथि पर तुलसी चालीसा का पाठ करना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इससे घर में बरकत बनी रहती है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

।।तुलसी चालीसा।।

श्री तुलसी महारानी, करूं विनय सिरनाय।
जो मम हो संकट विकट, दीजै मात नशाय।।
नमो नमो तुलसी महारानी, महिमा अमित न जाय बखानी।
दियो विष्णु तुमको सनमाना, जग में छायो सुयश महाना।।
विष्णुप्रिया जय जयतिभवानि, तिहूँ लोक की हो सुखखानी।
भगवत पूजा कर जो कोई, बिना तुम्हारे सफल न होई।।
जिन घर तव नहिं होय निवासा, उस पर करहिं विष्णु नहिं बासा।
करे सदा जो तव नित सुमिरन, तेहिके काज होय सब पूरन।।
कातिक मास महात्म तुम्हारा, ताको जानत सब संसारा।
तव पूजन जो करैं कुंवारी, पावै सुन्दर वर सुकुमारी।।
कर जो पूजन नितप्रति नारी, सुख सम्पत्ति से होय सुखारी।
वृद्धा नारी करै जो पूजन, मिले भक्ति होवै पुलकित मन।।
श्रद्धा से पूजै जो कोई, भवनिधि से तर जावै सोई।
कथा भागवत यज्ञ करावै, तुम बिन नहीं सफलता पावै।।
छायो तब प्रताप जगभारी, ध्यावत तुमहिं सकल चितधारी।
तुम्हीं मात यंत्रन तंत्रन, सकल काज सिधि होवै क्षण में।।
औषधि रूप आप हो माता, सब जग में तव यश विख्याता,
देव रिषी मुनि औ तपधारी, करत सदा तव जय जयकारी।।
वेद पुरानन तव यश गाया, महिमा अगम पार नहिं पाया।
नमो नमो जै जै सुखकारनि, नमो नमो जै दुखनिवारनि।।
नमो नमो सुखसम्पति देनी, नमो नमो अघ काटन छेनी।
नमो नमो भक्तन दुःख हरनी, नमो नमो दुष्टन मद छेनी।।
नमो नमो भव पार उतारनि, नमो नमो परलोक सुधारनि।
नमो नमो निज भक्त उबारनि, नमो नमो जनकाज संवारनि।।
नमो नमो जय कुमति नशावनि, नमो नमो सुख उपजावनि।
जयति जयति जय तुलसीमाई, ध्याऊँ तुमको शीश नवाई।।
निजजन जानि मोहि अपनाओ, बिगड़े कारज आप बनाओ।
करूँ विनय मैं मात तुम्हारी, पूरण आशा करहु हमारी।।
शरण चरण कर जोरि मनाऊं, निशदिन तेरे ही गुण गाऊं।
क्रहु मात यह अब मोपर दाया, निर्मल होय सकल ममकाया।।
मंगू मात यह बर दीजै, सकल मनोरथ पूर्ण कीजै।
जनूं नहिं कुछ नेम अचारा, छमहु मात अपराध हमारा।।
बरह मास करै जो पूजा, ता सम जग में और न दूजा।
प्रथमहि गंगाजल मंगवावे, फिर सुन्दर स्नान करावे।।
चन्दन अक्षत पुष्प् चढ़ावे, धूप दीप नैवेद्य लगावे।
करे आचमन गंगा जल से, ध्यान करे हृदय निर्मल से।।
पाठ करे फिर चालीसा की, अस्तुति करे मात तुलसा की।
यह विधि पूजा करे हमेशा, ताके तन नहिं रहै क्लेशा।।
करै मास कार्तिक का साधन, सोवे नित पवित्र सिध हुई जाहीं।
है यह कथा महा सुखदाई, पढ़े सुने सो भव तर जाई।।
तुलसी मैया तुम कल्याणी, तुम्हरी महिमा सब जग जानी।
भाव ना तुझे माँ नित नित ध्यावे, गा गाकर मां तुझे रिझावे।।
यह श्रीतुलसी चालीसा पाठ करे जो कोय।
गोविन्द सो फल पावही जो मन इच्छा होय।।

पुष्पा 2 के गाने पीलिंग्स का प्रोमो जारी

नजर आ रहा पुष्पराज और श्रीवल्ली का रोमांटिक अंदाज

पुष्पा 2: द रूल के मेकर्स ने फिल्म के नए गाने पीलिंग्स का प्रोमो रिलीज किया है। निर्देशक सुकुमार के मशहूर सामी सामी की तर्ज पर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर इस गाने की बीट भी हाई एनर्जी वाली हैं। प्रोमो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि गाने में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फायर केमिस्ट्री देखने को मिलेगी।कोच्चि में हुए ग्रैंड इवेंट के दौरान प्रोमो की झलक दिखाई गई। अल्लू अर्जुन हमेशा अपने हाई एनर्जी डांस मूव्स के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने गाने का लेकर अपना एक्साइटमेंट दिखाया और सोशल मीडिया पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, पुष्पा के किरदार के कारण, मैं पुष्पा 1 में ज्यादा डांस नहीं कर पाया लेकिन फैंस पुराने बनी को वापस मांग कर रहे हैं लेकिन आई प्रॉमिस ये गाना धमाकेदार होगा। प्रोमो में रश्मिका मंदाना भी चमक रही हैं, और अल्लू अर्जुन ने मजाक में कहा कि गाने में उनके हाई एनर्जी डांस को देखने के बाद फैंस उन्हें क्रश-मिका कहेंगे।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म के सभी 6 वर्जन में गाने की हुक लाइन मलयालम में होगी, जो केरल के फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज है। यह केरल के लिए प्यार दिखाने का मेरा तरीका है। गाने में हुक पार्ट तीन बार आएगा और यह दुनिया भर में मलयालम छा जाएगी। बता दें पूरा गाना 1 दिसंबर को रिलीज होगा।पुष्पा 2: द रूल का प्रमोश टूर पूरे जोरों पर है जिसके लिए पूरी टीम कई बड़े शहरों के दौरे पर है जिसमें पटना, बेंगलोर, चेन्नई, कोलकाता, कोच्चि, मुंबई और हैदराबाद शामिल हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग भारत में 30 नवंबर को शुरू होगी, जबकि अमेरिका में प्री-सेल्स पहले से ही जोर पकड़ रही है। पुष्पा: द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल लीड रोल में हैं।

राशि खन्ना आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी की साप्ताहिक लिस्ट में बनाई अपनी जगह

राशि खन्ना ने इस सप्ताह आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में स्थान हासिल करके एक बार फिर अपना पैन इंडिया स्टारडम साबित किया है। यह प्रतिष्ठित फीचर वैश्विक स्तर पर धूम मचाने वाले भारतीय सितारों को उजागर करता है, जो अभिनेताओं, निर्देशकों, लेखकों और अन्य को उनके प्रभाव और अपील के लिए मान्यता देती हैं। राशि का सूची में शामिल होना उनकी बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों से मिली प्रशंसा को दर्शाता है। उन्होंने हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट में निडर पत्रकार अमृता गिल की भूमिका निभाते हुए एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया।

राशी के दिलचस्प चित्रण को दर्शकों और आलोचकों से व्यापक प्रशंसा मिली, जिससे एक बहुमुखी कलाकार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई।विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, जिन्होंने एक पत्रकार की भूमिका भी निभाई, उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म की मनोरंजक कहानी में गहराई जोड़ दी। गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस घटना के आसपास की दुखद घटनाओं पर आधारित, यह फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर प्रकाश डालती है, जिसमें राशी का प्रदर्शन एक आकर्षण के रूप में सामने आता है। इसके अलावा राशि अपनी आगामी फिल्म तलाखों में एक में विक्रांत मैसी के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार है, जो एक और आकर्षक सहयोग होने का वादा करती है।इसके अतिरिक्त, वह अपनी तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं। आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में राशी की उपस्थिति न केवल उनकी अपार प्रतिभा को रेखांकित करती है, बल्कि उन्हें भारतीय मनोरंजन परिदृश्य में सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक के रूप में भी चिह्नित करती है।

राशि ने काशी विश्वनाथ मंदिर में मनाया जन्मदिन

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर वाराणसी में स्थित प्रसिद्ध और पवित्र काशी विश्वनाथ मंदिर में अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर को शांतिपूर्ण और सार्थक तरीके से मनाने का चयन करते हुए, राशि ने इस पवित्र शहर की शांति के बीच अपना जन्मदिन मनाया, एक और वर्ष का स्वागत करते हुए कृतज्ञता और आशीर्वाद को प्रतिबिंबित किया। राशि ने सोशल मीडिया पर काशी विश्वनाथ मंदिर की अपनी यात्रा की झलकियां साझा कीं, जिससे प्रशंसकों को उनके विशेष दिन की झलक मिल सके। उसके कैप्शन में लिखा है, अपने जन्मदिन को दिव्यता में खोते हुए मना रही हूं, काशी के शाश्वत शहर में, जहां समय थम जाता है और आत्माएँ शांति पाती हैं! बहुत आभारी हूं।

हर हर महादेव व उन्होंने मंदिर में शांति से अकेले में समय बिताते हुए और अपने परिवार के साथ पूजा करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। पेशेवर मोर्चे पर, राशि खन्ना अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसमें उन्होंने एक निडर पत्रकार की भूमिका निभाई है। उनके सशक्त अभिनय को दर्शकों और आलोचकों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया है। इसके अलावा, राशि जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'तलाखों में एक' में दिखाई देंगी और उनके पास एक रोमांचक तेलुगु प्रोजेक्ट, 'तेलुसु कड़ा' भी है।

प्रियंका चोपड़ा के साथ ऐसा क्या हुआ जिसका मां मधु को आज तक है अफसोस

प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने अपनी बेटी से जुड़े मामले को लेकर बात की। बोलीं एक बात का अफसोस है और आज भी इसके बारे में सोचती हूं।

दरअसल, मधु चोपड़ा समथिंग बिगर टॉक शो पॉडकास्ट के होस्ट रोड्रिगो कैनेलस के साथ बातचीत कर रही थीं। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी बेटी प्रियंका को सात साल की उम्र में बोर्डिंग स्कूल भेजने का अफसोस है।

एक्ट्रेस की मां ने कहा, मुझे नहीं पता, क्या मैं एक बुरी मां थी? मुझे अभी भी इस बात का पछतावा है। मैं आज भी अपने फैसले पर रोती हूं। यह मेरे लिए भी बहुत मुश्किल था, लेकिन हर शनिवार को मैं अपना काम छोड़कर ट्रेन पकड़ती और उससे मिलने आती थी।

उन्होंने कहा, यह उनके (प्रियंका) लिए ठीक नहीं था, क्योंकि वह अपने बोर्डिंग स्कूल में एडजस्ट नहीं कर पा रही थीं। शनिवार को वह मेरे आने का इंतजार करती और फिर रविवार को मैं उसके साथ रहती थी। पूरे सप्ताह में टीचर मुझसे कहती थी कि आप आना बंद करो, आप नहीं आ सकतीं। मधुर चोपड़ा ने आगे कहा कि उनका यह निर्णय गर्व और अफसोस दोनों से भरा है। हालांकि, यह एक अफसोसजनक निर्णय था, लेकिन प्रियंका ठीक निकलीं और वह अपने पैरों पर खड़ी हो गईं।

मधु ने प्रियंका के मिस वर्ल्ड के अच्छे बुरे दौर को भी याद किया। पॉडकास्ट के इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखे कैप्शन के अनुसार, एक महत्व-पूर्ण उपलब्धि हासिल करने और मिस वर्ल्ड बनने के बावजूद प्रियंका के गृह राज्य उत्तर प्रदेश ने उनका स्वागत वैसा नहीं किया था जैसा होना चाहिए था। मधु ने कहा, एक ट्रेंड था कि ये सभी ब्यूटी प्रतियोगिताएं 'नारी समाज' के लिए होती हैं, जो महिलाओं को वस्तु बनाकर उनका अपमान करती हैं। हालांकि, उन्होंने इस दुनिया को जीता, मगर वे उत्तर प्रदेश में उसका स्वागत करने को तैयार नहीं थे। बताया कि प्रियंका की जीत का जश्न सीमित दायरे में आर्मी कैंट में किया गया था। उनका स्वागत समारोह केवल सैन्य क्लब में ही किया, जिसमें सैन्य अधिकारी ही थे, कोई सिविलियन नहीं था। देश के लिए इतना बड़ा खिताब जीतना, उस समय बड़ी बात थी। उसके बारे में बहुत कुछ लिखा जा रहा था लेकिन अपने गृह राज्य ने ही उसका उस तरीके से स्वागत नहीं किया जिसकी वो हकदार थी।

ब्लैक आउटफिट पहन नेहा ने दिखाया बोल्ड अवतार

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा बढ़ाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट किलर फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करती है तो वो तेजी से वायरल होने लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग लुक में पोज देती हुई एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।नेहा मलिक की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश जैकेट और ब्लैक पेंट पहना हुआ है।बालों की पोनीटेल बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जिस। तीसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग गुड।

हैदराबाद से मृणाल ठाकुर को है प्यार खुल्लम खुल्ला किया इकरार

अपनी एक्टिंग के दम पर फैंस का दिल जीतने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों हैदराबाद में हैं। उन्होंने माना है कि उन्हें यहां बिताए पलों से प्यार है।

अभिनेत्री मृणाल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मोनोक्रोमैटिक तस्वीर शेयर की है। शेयर की गई यह तस्वीर किसी फिल्म के सेट की लग रही है। तस्वीर पर अभिनेत्री ने लाइफ इन हैदराबाद'' जिओटैग के साथ कैप्शन दिया प्यार।

अभिनेत्री ने इस पोस्ट में यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद में क्यों हैं। क्या वह यहां किसी फिल्म की शूटिंग करने आई हैं या फिर घूमने फिरने।

अन्य सितारों की तरह मृणाल भी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। अपनी पसंद ना पसंद का इजहार अकसर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने हॉलीवुड स्टार डेमी मूर को उनके 62वें जन्मदिन पर बधाई दी थी और उनकी 2018 की फिल्म लव सोनिया से एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी।

मृणाल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की शूटिंग का एक कोलाज शेयर किया था। जिसमें मृणाल स्क्रिप्ट पढ़ रही थीं और मूर ध्यान से निर्देशक की बातें सुन रही थीं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अभी-अभी ये बेशकीमती तस्वीरें मिलीं। जन्मदिन की बधाई खूबसूरत डेमी मूर। लव सोनिया फिल्म तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित और डेविड वोमार्क द्वारा निर्मित है। जिसमें मृणाल ने टाइटल किरदार निभाया था। फिल्म में उनके अलावा रिया सिसोदिया, फ्रीडा पिंटो, डेमी मूर, मनोज बाजपेयी, ऋचा चड्ढा, अनुपम खेर, आदिल हुसैन, राजकुमार राव और साई ताम्-हणकर भी थे। पिछले महीने मृणाल उत्तराखंड में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, जिसमें अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी उनके को-स्टार है।मृणाल अगली बार बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। उनके पास वरुण धवन के साथ डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म और पूजा मेरी जान भी है।

32 वर्षीय अभिनेत्री ने 2012 में टेलीविजनशो 'मुझसे कुछ कहती है।।ये खामोशियां' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने 'अर्जुन', 'कुमकुम भाग्य' जैसे शो में काम किया है और वह 'नच बलिए 7' में भी नजर आई थीं।

मृणाल शोभिता धुलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, शशांक अरोड़ा, कल्कि कोचलिन, शिवानी रघुवंशी और मोना सिंह अभिनीत वेब सीरीज 'मेड इन हेवन 2' में भी नजर आई थी।

उन्होंने 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', 'धमाका', 'सीता रामम', 'हाय नन्ना', 'जर्सी', 'पिप्पा' और 'द फैमिली स्टार' जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया है।

हाल ही में उन्होंने प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण अभिनीत साइंस-फिक्शन थ्रिलर 'कल्कि 2898 एडी' में दिव्या की भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन ने किया था और वैजयंती मूवीज ने इसका निर्माण किया था।

धर्मांतरण रोकने के लिए फिर से लाया जाएगा विधेयक

जयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए 9 नई नीतियों के अनुमोदन, 7वें राज्य वित्त आयोग के गठन, बीकानेर और भरतपुर में विकास प्राधिकरणों के गठन के लिए अध्यादेश लाने, खेमराज समिति की सिफारिशों के अनुरूप राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम-2017 में संशोधन, विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन, द राजस्थान प्रोहेबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलिजन बिल 2024 लाने सहित प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। ऐसा कानून पहले भी लाया गया था। लेकिन, राष्ट्रपति के यहां से विधेयक वापस ले लिया था।

बीकानेर और भरतपुर में विकास प्राधिकरणों के लिए जल्द लाया जाएगा अध्यादेश

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मीडिया को बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने, प्रदेश को एक्सपोर्ट हब बनाने, स्थानीय पर्यटन, छोटे उद्योगों, स्थानीय शिल्प एवं कारीगरी, हथकरघा एवं एक जिला एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान एमएसएमई नीति, निर्यात संवर्द्धन नीति, एक जिला एक उत्पाद नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति एवं एकीकृत क्लस्टर विकास योजना को मंजूरी दी गई।

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रलोभन अथवा कपटपूर्वक धर्मान्तरण के प्रयासों को रोकने के लिए दि राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलीजन बिल-2024 विधानसभा में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी राज्य में अवैध रूप से धर्मान्तरण को रोकने के सम्बन्ध में कोई विशिष्ट कानून नहीं है, इसलिए मंत्रिमण्डल की बैठक में विचार कर इसके प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि कैबिनेट ने भरतपुर और बीकानेर में विकास प्राधिकरणों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है, इनके गठन के लिए भरतपुर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 और बीकानेर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 लाए जाएंगे। इन शहरों में विकास प्राधिकरण बनने से यहां विकास सुव्यवस्थित और नियोजित ढंग से हो सकेगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास बीकानेर के वर्तमान क्षेत्र के अलावा नापासर व देशनोक तथा आस-पास के 185 गांव सम्मिलित किए जाएंगे। भरतपुर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास भरतपुर के वर्तमान क्षेत्र के साथ-साथ 209 गांव शामिल किए जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादी-शुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक्कत महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी-छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मीलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शौकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूज़िक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे - बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद-विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है

रविवार का पंचांग

दिनांक : 01 दिसंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या दोपहर 11:52 तक
नक्षत्र : अनुराधा दोपहर 02:24 तक
योग : सुकर्मा सायं 04:32 तक
करण : नाग प्रातः 11:52 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवकार्य अमावस्या , गण्डमूल दोपहर 11:52 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के ठिकानों पर आयकर विभाग का बड़ा खुलासा

18 करोड़ का गोल्ड और 4 करोड़ नकद बरामद

उदयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)।
उदयपुर के चर्चित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के घर और ऑफिस पर आयकर विभाग की छापेमारी में बड़ा खुलासा हुआ है। हिरण मगरी सेक्टर-13 स्थित घर से 25 किलो सोना, जिसकी कीमत करीब 18.34 करोड़ रुपए है, और लगभग 4 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए हैं। इसके साथ ही, 8 लॉकर भी मिले हैं, जिनमें भारी मात्रा में नकदी और सोना होने की संभावना है।

यह कार्रवाई 28 नवंबर की सुबह से शुरू हुई थी, जो जयपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा, गुजरात और महाराष्ट्र के 23 ठिकानों पर जारी है। आयकर विभाग के प्रधान निदेशक अवधेश कुमार के निर्देशन में चल रही इस छापेमारी में 250 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं।

उदयपुर में टीकम सिंह राव के तीन घर, 9 ऑफिस और एक गोदाम पर जांच की गई। वहीं, बांसवाड़ा में व्यवसायी के छोटे भाई और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह राव के ऑफिस और आवास पर भी दस्तावेज खंगाले गए। आयकर अधिकारियों को करोड़ों रुपए के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और 8 लॉकर मिले हैं। इन लॉकरों को शनिवार, 2 दिसंबर को खोला जाएगा।

भाजपा से कनेक्शन और बड़े व्यापार की जांच : बांसवाड़ा में गोविंद सिंह राव ट्रांसपोर्ट का कारोबार संभालते हैं। वे भाजपा के जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। जांच में उनके कार्यालय और सागवाडिया गांव के ठिकानों पर भी दस्तावेजों की गहन जांच की गई। आयकर विभाग की यह कार्रवाई अवैध माल परिवहन और बेहिसाब धन के मामले में हुई शिकायतों के बाद की गई है। अब सबकी नजरें 8 लॉकरों पर टिकी हैं, जहां से और चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का उद्घाटन

अलवर,30 नवंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को अलवर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत आयोजित जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। भूपेंद्र यादव ने जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट में लगे स्टॉलों का भी भ्रमण किया और इस अवसर पर उन्होंने उन स्टॉलों के बारे में जानकारी ली।

अलवर में आयोजित जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट से नए उद्योगों के स्थापित होने की उम्मीद है। साथ ही होटल इंडस्ट्री के लिए नए द्वार भी खुलेंगे। बताया जा रहा है कि अलवर में 10,147 करोड़ रुपये के एमओयू भी साइन किए जाएंगे, जिससे 240 नए उद्योग खुलेंगे। साथ ही इस एमओयू से 26,600 नए रोजगार सृजन भी होंगे।

बता दें कि इस मीट में शामिल होने के लिए 40 से अधिक उद्योग जगत की हस्तियां अलवर में आ रही हैं। इस मीट में जिन निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर होने हैं, उनमें मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए ब्रेन बिल्डेरा फाउंडेशन की ओर से 625 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए अलवर डायनामिक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 455 करोड़ रुपये का निवेश होगा। साथ ही हैवेल्स इंडिया लिमिटेड की ओर से 375 करोड़ रुपये, फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 250 करोड़ रुपये, महेश एडिबल मैन्युफैक्चरर की ओर से 160 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

इसके साथ ही ए बेस्ट रीसाइकलिंग के लिए ग्रीन स्पेस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 200 करोड़ रुपये, केमिकल के क्षेत्र में लॉर्ड क्लोरो अल्कलाइज की ओर से 175 करोड़ रुपये, विश्वविद्यालय स्थापना के लिए चिल्ड्रन एकेडमी समिति की ओर से 100 करोड़ रुपये और स्पोर्ट्स अकादमी की स्थापना के लिए मारुति नंदन एजुकेशन सोसाइटी के तरफ से 90 करोड़ का निवेश किया जाना है।

नांदेश्वर से गोगुन्दा सड़क का होगा कायाकल्प

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी मंजूरी

उदयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)।
प्रदेश में परिवहन सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने प्रदेश की विभिन्न सड़कों एवं नवीन वृहद परियोजनाओं के विकास में सहयोग के लिए गत दिनों केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। इसके पश्चात केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 1154.47 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इसमें उदयपुर जिले में नांदेश्वर - गोगुन्दा सड़क भी शामिल हैं।

केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) से राज्य सड़कों के विकास के लिए तथा सेतु बंधन योजना के तहत केन्द्र सरकार की ओर से स्वीकृत राशि से राज्य की 748.80 कि.मी की सड़कों का चौड़ाई करण एवं सुदृढीकरण तथा कोटा में कालीसिंध नदी पर हाईलेवल ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। इसी क्रम में उदयपुर जिले में गोगुन्दा-मजावदा-उबेश्वर-धार-रामपुरा-सिसारमा-नयाखेड़ा-नांदेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग 58ई तक कुल 39 किलोमीटर लंबी सड़क के सुदृढीकरण के लिए 65.25 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लिए यह महत्वपूर्ण सौगात है। केंद्र सरकार द्वारा 27 राज्य सड़कों के लिए 1154.47 करोड़ रुपये की मंजूरी मिलना, राज्य के बुनियादी ढांचे और विकास को गति देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सतीश पूनिया ने ईवीएम पर कहा

उसी ईवीएम से प्रियंका गांधी चुनाव जीती हैं

करनाल,30 नवंबर (एजेंसियां)।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पहली बार करनाल पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कांग्रेस पर तंज कसा। चुनाव हार के बाद कांग्रेस के ईवीएम पर सवाल उठाने के सवाल पर सतीश पूनिया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उसी ईवीएम से प्रियंका गांधी चुनाव जीती हैं।उन्होंने आगे कहा कि फिर कांग्रेस बता दे कि प्रियंका के चुनाव में भी गड़बड़ थी। कांग्रेस के लिए मीठा-मीठा गपगप और खारा-खारा थू-थू, जीते तो ठीक हारे तो ठीकरा ईवीएम पर।

इस बार तो हरियाणा में हद कर दी उन्होंने, ईवीएम की बैटरी पर ही सवाल खड़ा कर दिया। कांग्रेस को अपनी बैटरी दुरुस्त करनी चाहिए, ताकि वो कम से कम मुख्यधारा की राजनीति में इज्जत से काम कर सके। आरोप-प्रत्यारोप का युग अब चला गया।उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ठीक ही बयान दिया कि कांग्रेस को अपनी रणनीति, संगठन और उसके तौर तरीकों में बदलाव करना चाहिए। हिंदुस्तान के आम आदमी को कांग्रेस की दो बातें चुभती हैं। एक तो विदेशों में जाकर हिंदुस्तान के लोकतंत्र का मखौल उड़ाते हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे, लोकतंत्र की प्रक्रिया के बारे में, चुनाव की प्रक्रिया के बारे में सवाल खड़ा करते हैं। सतीश पूनिया ने कहा कांग्रेस पार्टी को नीति से विचारों से लोगों ने नकार दिया है, इसलिए कांग्रेस इतिहास के सबसे बुरे दौर में है।

राइजिंग राजस्थान समिट में मिलेट फूड्स को दिया जाएगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री

जयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के ऐतिहासिक आयोजन को खास बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शनिवार को तीसरा संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में स्वस्थ राजस्थान का संदेश देते हुए मिलेट फूड्स (मोटा अनाज) को बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रदेश को निवेश में अग्रणी बनाने के साथ ही प्रदेश की कला और संस्कृति को नई पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मोटे अनाज के उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है तथा यह स्वास्थ्य के लिहाज से गुणकारी भी होता है। इसी दिशा में स्वाद और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दृष्टि से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में मिलेट फूड को शामिल किया जाएगा।

टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ ,30 नवंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा सरकार ने टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी और कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति, फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सरकार की ओर से यह कदम राज्य में कर चोरी पर नियंत्रण पाने और राज्य के राजस्व में वृद्धि करने के लिए उठाया गया है।

इसके लिए सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने पोर्टल बनाने के निर्देश दिए हैं। टैक्स चोरी की सूचना देने वाले की जानकारी

गुप्त रखी जाएगी। हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि इस पहल से लोग टैक्स चोरी की गतिविधियों के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी दें, ताकि राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके और राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हो। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक पोर्टल बनाने के आदेश दिए हैं, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सकता है।

इस पहल का उद्देश्य हरियाणा राज्य में नशे की समस्या को नियंत्रित करना और इसे समाप्त करने के लिए एक ठोस कदम उठाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस पोर्टल को जल्द से जल्द स्थापित करें और इसके संचालन के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार करें। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें। जिससे नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों और धार्मिक स्थलों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं।

डिपो में अनाज की जगह रेत, मंत्री की छापेमारी से उजागर हुआ बड़ा घोटाला

पलवल,30 नवंबर (एजेंसियां)।
खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर की अचानक छापेमारी ने पलवल के कुशक बड़ौली गांव में खाद्यान्न वितरण प्रणाली में चल रहे बड़े घोटाले का पर्दाफाश कर दिया। मंत्री के साथ खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्रवाई के दौरान डिपो में अनाज की बोरियों में रेत पाए जाने से हड़कंप मच गया।

जांच में स्पष्ट हुआ कि डिपो में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हो रही थी। जरूरतमंदों के लिए आवंटित अनाज की बोरियों में रेत भरकर सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग किया जा रहा था। इस घोटाले के कारण न केवल गरीब परिवारों को उनका अधिकार नहीं मिल रहा था, बल्कि सरकारी संसाधनों का भी दुरुपयोग हो रहा था।

मंत्री राजेश नागर ने मौके पर ही कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी डिपो संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए। उन्होंने कहा, सरकार की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद तक सही और साफ-सुथरा अनाज पहुंचे। इस तरह की अनियमितताएं किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। मंत्री की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। कई ग्रामीणों ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को इस तरह के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की कि खाद्यान्न वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और निगरानी को और मजबूत किया जाए ताकि जरूरतमंदों को उनका हक समय पर मिल सके।

इस घटना ने न केवल खाद्यान्न वितरण में व्याप्त गड़बड़ियों को उजागर किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। मंत्री नागर की इस कार्रवाई ने अन्य क्षेत्रों में भी अधिकारियों को सतर्क रहने का संदेश दिया है।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BASAI STEEEL TRADERS

STOCKISTS OF MS PIPES, MS PLATES, MS SHEETS, MS CHANNELS,
MS ANGLES, MS FLATS, MS BEAMS AND ALL MS MATERIALS

RINL, SAIL, JINDAL, APOLLO, MPL ALL AVAILABLE

PLOT No. 41/4/(1), APIE, Opp.Indian Bank, Balanagar, Hyderabad - 500 037

Mob.: 88844 14888, 9885300500 E-mail : basaisteeltraders@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.